10 अभिषेक शर्मा....



झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

रांची, गुरुवार, 29 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -126 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

12 सैयामी खेर...



झारखंड में स्कूली विद्यार्थियों को स्किल ट्रेनिंग देने की पहल

जेईपीसी और आईपई ग्लोबल के बीच हुआ एमओयू

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। झारखंड में स्कूली स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा को मजबूत करने और विद्यार्थियों को रोजगारपरक कौशल से जोड़ने के लिए झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद और आईपई ग्लोबल लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए. 27 अक्टूबर को एसएचई लर्न्स पहल के तहत हुए इस समझौते का उद्देश्य राज्य के स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा की व्यवस्था को बेहतर बनाना और विद्यार्थियों के लिए रोजगार तथा करियर से जुड़े अवसरों का विस्तार करना है.



जेईपीसी के राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन और आईपई ग्लोबल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष मुखर्जी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए. इस अवसर पर जेईपीसी के व्यावसायिक शिक्षा के नोडल अधिकारी अमित कुमार और आईपई ग्लोबल की राष्ट्रीय प्रमुख (व्यावसायिक शिक्षा) श्रीमयी भट्टाचार्य उपस्थित रहीं.

इस समझौते के तहत आईपई ग्लोबल जेईपीसी को गैर-वित्तीय तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराएगा। इस सहयोग के माध्यम से राज्य में स्कूली व्यावसायिक शिक्षा की व्यवस्था को सुदृढ़ करने, उद्योगों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने और विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराया जाएगा. इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रखने के बजाय उन्हें विभिन्न क्षेत्रों की जरूरतों और रोजगार के अवसरों से परिचित कराना है. इस साझेदारी के तहत विद्यार्थियों को उद्योगों के कामकाज को समझने, कार्यस्थल पर प्रशिक्षण प्राप्त करने और भविष्य के करियर के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने के अवसरों के विस्तार पर जोर दिया जाएगा. उद्योगों से जुड़ाव बढ़ने से विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप करियर का रास्ता चुनने में मदद मिलने की उम्मीद है.

इस पहल में विशेष रूप से छात्राओं की व्यावसायिक शिक्षा में भागीदारी बढ़ाने पर ध्यान दिया गया है. उन्हें रोजगार के लिए जरूरी कौशल उपलब्ध कराने और शिक्षा के बाद आजीविका के बेहतर विकल्पों से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है. साझेदारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों के अनुरूप है. साथ ही, इसका उद्देश्य विकसित भारत-2047 के दृष्टिकोण के तहत युवाओं को कौशलयुक्त बनाने और स्कूली शिक्षा को रोजगार की संभावनाओं से जोड़ने की दिशा में योगदान देना है. जेईपीसी और आईपई ग्लोबल के बीच यह समझौता राज्य में व्यावसायिक शिक्षा को अधिक उपयोगी बनाने की दिशा में एक कदम है. हालांकि, समझौते के तहत किन स्कूलों में और किस समयसीमा में गतिविधियां शुरू होंगी, इसकी जानकारी नहीं दी गई है.

आज का विचार

झारखण्ड उजाला



नीतीश उपाध्याय
युवा समाजसेवी

वर्तमान में समझ में युवाओं के भागीदारी जरूरी है। हर युवा को चाहिए कि वह गलत रास्ते की बजाय सही रास्ते को चुने। और एक शिक्षित और सुरक्षित वातावरण के समाज का निर्माण में अपनी भागीदारी दे ।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,38,150**

चांदी (प्रति किलो) : **2,26,450**

(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **73,246.03**

निफ्टी :- **22,702.55**

मौसम

अधिकतम तापमान : **23**

न्यूनतम तापमान : **19**

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:53**

संध्या :- **17:12**

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1923 को ऑटोमन साम्राज्य के अंत की घोषणा के साथ तुर्की एक स्वतंत्र गणराज्य बना।

संक्षिप्त समाचार

मांडर में अलग-अलग सड़क हादसों में दो युवकों की मौत

रांची: जिले के मांडर में नेशनल हाइवे (एनएच) पर मंगलवार की रात अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गयी. मृतकों की पहचान लोहरदगा जिले के कैरो थाना क्षेत्र के डुमरटोली निवासी होमगार्ड जवान सुरेश गोप (28 वर्ष), पिता शिबू महतो और चान्हो के सोंस बाजोटोली निवासी आयुष कुजूर (18 वर्ष), पिता संजोग कुजूर के रूप में हुई है. मांडर में मंगलवार की रात हुए दोनों सड़क हादसों में दो युवकों की जान चली गयी. मृतकों में एक होमगार्ड जवान था, जबकि दूसरा युवक 18 वर्ष का था. दोनों की मौत की खबर से उनके परिजनों और परिचितों में शोक का माहौल है. दोनों दुर्घटनाएं किन परिस्थितियों में हुई, इसकी विस्तृत जानकारी फिलहाल सामने नहीं आयी है. हादसों से संबंधित स्थान, कारण और पुलिस की कार्रवाई के बारे में आधिकारिक जानकारी मिलने के बाद खबर को अपडेट किया जा सकता है.

एशियन पैरा गोल्ड मेडलिस्ट नीरज यादव का निधन, दिल्ली के फ्लैट में मिला शव

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज पैरा-एथलीट और तीन बार के एशियन पैरा गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता नीरज यादव का 42 वर्ष की आयु में निधन हो गया है. मंगलवार रात दिल्ली के एक फ्लैट में उनका शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला. शुरूआती तौर पर उनके द्वारा जहरीला पदार्थ खाने की आशंका जताई जा रही है. हालांकि, उनकी मौत के वास्तविक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है. मामले की जांच की जा रही है. दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में उनका पोस्टमार्टम किया गया है. नीरज यादव की हालत बिगड़ने के बाद स्वजन उन्हें दिल्ली के जीटीबी अस्पताल लेकर पहुंचे थे. वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है.

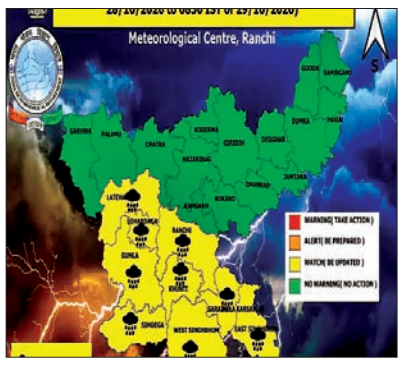
झारखंड में अनर्ब का असर: रांची के मौसम का बदला मिजाज, शाम से हल्की बारिश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। चक्रवाती तूफान अर्नब का असर झारखंड के अलग-अलग इलाकों में बुधवार की सुबह से देखने को मिल रहा है. बुधवार की सुबह रांची में भी बारिश हुई. और फिर थम गयी. लेकिन शाम से हल्की बारिश हो रही है. मौसम में आए बदलाव से अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई. उधर पश्चिम सिंहभूम में सबसे ज्यादा बारिश की खबर है. मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि झारखंड में चक्रवात सीधे प्रवेश नहीं कर रहा है, बल्कि आंध्र प्रदेश के तट पर सक्रिय अर्णब का प्रभाव राज्य में देखने को मिल रहा है. गुरुवार, 30 अक्टूबर को भी राज्य के कुछ हिस्सों में तेज बारिश होने और हवाएं चलने का पूवार्नुमान किया गया है. रांची जिले में एहतियातन गुरुवार को भी सभी स्कूलों में केजी से 12वीं तक की कक्षाएं स्थगित रहेंगी. मौसम विज्ञान विभाग के द्वारा बुधवार को राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में बारिश रिकार्ड की गई है.

छह जिलों में ऑरेंज अलर्ट, नौ जिलों में येलो अलर्ट

गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा में भारी बारिश, वज्रपात और 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है. इसे देखते हुए इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. वहीं, रांची, खूंटी, चतरा, कोडरमा, हजारीबाग, रामगढ़, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम और पूर्वी सिंहभूम में भारी बारिश, वज्रपात और तेज हवा चलने की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है. अन्य जिलों के लिए कोई चेतावनी नहीं दी गयी है. अंडमान सागर से उठी हवा 23 अक्तूबर को बंगाल की खाड़ी में पहुंची थी. इसके बाद 26 अक्तूबर को बने निम्न दबाव के क्षेत्र से चक्रवाती तूफान 'अर्नब' उठा. बुधवार



सुबह यह 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंध्र प्रदेश और यनम के तट से टकराया. इसके बाद तूफान के कमजोर होते हुए धीरे-धीरे उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ने के संकेत मिले हैं.

रांची में 5.8 डिग्री गिरा अधिकतम तापमान

बारिश के कारण झारखंड के लगभग सभी जिलों के अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गयी है. रांची के अधिकतम तापमान में 5.8 डिग्री सेल्सियस की कमी आयी है. वहीं, जमशेदपुर और मेदिनीनगर में 4.4 डिग्री, बोकारो में 3.4 डिग्री और चाईबासा में 3.8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गयी है. अब तक रांची में चार मिमी, लातेहार में आठ मिमी, जमशेदपुर में नौ मिमी, मेदिनीनगर में दो मिमी, चाईबासा में 13 मिमी और बोकारो में दो मिमी बारिश हुई है.

30 अक्तूबर को भी बारिश और वज्रपात का अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में एक और सिस्टम बन रहा है. इसके प्रभाव से 30 अक्तूबर को झारखंड के लगभग सभी जिलों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश और वज्रपात की आशंका है. इसे देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है.

एमएलसी चुनाव : 4 राज्यों की 28 सीटों पर कांग्रेस का सूपड़ा साफ

पीएम मोदी बोले- 4 राज्यों की 28 सीटों पर बैलेट पेपर से चुनाव, फिर भी कांग्रेस का सूपड़ा साफ

एजेंसी

नयी दिल्ली। चार राज्यों में विधान परिषद की 28 सीटों पर चुनाव हुए. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधा है क्योंकि वे एक भी सीट नहीं जीत सकीं. उन्होंने बैलेट पेपर से हुए चुनाव का जिक्र करते हुए कांग्रेस की हार पर सवाल उठाया. 28 सीटों के नतीजों को लेकर अब सियासी बयानबाजी तेज हो गई है. पीएम नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर कांग्रेस पर तंज कसा. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक जैसे चार बड़े राज्यों में 28 सीटों पर टछउ चुनाव हुए. ये चुनाव बैलेट पेपर से कराए गए थे. इसके बाद पीएम मोदी ने सवाल किया कि अंदाजा लगाइए, कांग्रेस ने कितनी सीटें जीतीं? उनके इस सवाल को कांग्रेस की चुनावी हार पर राजनीतिक कटाक्ष के तौर पर देखा जा रहा है.

चार राज्यों की 28 सीटों पर हुए थे चुनाव

चार राज्यों में विधान परिषद की कुल 28 सीटों के लिए 23 अक्टूबर 2026 को मतदान हुआ था. इनमें



उत्तर प्रदेश की 11, बिहार की 8, महाराष्ट्र की 5 और कर्नाटक की 4 सीटें शामिल थीं. 27 अक्टूबर से मतगणना शुरू हुई और 28 अक्टूबर को कई सीटों के नतीजे सामने आए. ये चुनाव मुख्य रूप से शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए कराए गए थे.

कर्नाटक में बीजेपी-जेडी(एस) का क्लीन स्वीप

कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस को बड़ा झटका लगा. यहां विधान परिषद की चारों सीटों पर भाजपा और उसकी सहयोगी जनता दल (सेक्युलर) यानी जेडी(एस) ने जीत दर्ज की. भाजपा ने तीन सीटों पर कब्जा बरकरार रखा, जबकि खअ(र) ने बेंगलुरु शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के मौजूदा एमएलसी पुट्टन्ना को 908 वोटों से हराया. इस नतीजे के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि बैलेट पेपर से चुनाव होने के बावजूद कांग्रेस को जीत नहीं मिली.

उत्तर प्रदेश में बीजेपी और सपा को मिली जीत

उत्तर प्रदेश की 11 विधान परिषद सीटों पर हुए चुनाव में भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच मुकाबला देखने को मिला. उपलब्ध नतीजों के मुताबिक, भाजपा ने चार सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि सपा को दो सीटों पर सफलता मिली. अन्य सीटों पर मतगणना और परिणामों की स्थिति के अनुसार तस्वीर साफ हो रही थी. उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले इन नतीजों को दोनों प्रमुख दलों के लिए राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है.

बिहार में जन सुराज ने खोला खाता

बिहार के विधान परिषद चुनाव में भी कई दिलचस्प नतीजे सामने आए. जन सुराज पार्टी ने दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जीत दर्ज कर विधान परिषद में अपना खाता खोला. पार्टी के उम्मीदवार सुरेश प्रसाद राय ने कांग्रेस के मौजूदा टछउ मदन मोहन झा को 324 वोटों से हराया. वहीं, पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में राष्ट्रीय जनता दल के उम्मीदवार डॉ. संजीव कुमार ने भाजपा के वरिष्ठ नेता नवल किशोर यादव को मात दी. इससे बिहार के चुनावी समीकरणों में भी हलचल देखने को मिली.

महाराष्ट्र में मतगणना जारी, मुकाबले पर नजर

महाराष्ट्र की पांच विधान परिषद सीटों पर मतगणना के दौरान कई निर्वाचन क्षेत्रों में मुकाबला दिलचस्प बना हुआ था. नागपुर संभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार सुधाकर कोहले, कांग्रेस के मौजूदा एमएलसी अभिजीत वंजारी से आगे चल रहे थे.

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3% बढ़ा, 60% से 63% हुआ; 48 लाख कर्मचारी और 68 लाख पेंशनर्स को फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को दिवाली का तोहफा देते हुए महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में 3 प्रतिशत बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता मूल वेतन के 60 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत हो गया है। वहीं, पेंशनभोगियों की महंगाई राहत में भी 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि इस निर्णय से करीब 48 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों को लाभ मिलेगा। सरकार पर इस बढ़ोतरी से सालाना करीब 10,016 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा।

अक्टूबर की सैलरी में बढ़कर आएगा डीए

महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी से केंद्रीय कर्मचारियों

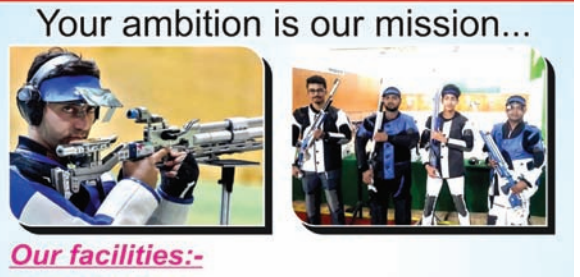


की मासिक सैलरी में इजाफा होगा। अक्टूबर की सैलरी में बढ़ा हुआ ऊअ मिलने की उम्मीद है। यह बढ़ोतरी जुलाई 2026 से प्रभावी होने के कारण पात्र कर्मचारियों को जुलाई से संशोधित दर के हिसाब से एरियर भी मिलेगा। एरियर का वास्तविक भुगतान संबंधित सरकारी आदेश और वेतन प्रक्रिया के अनुसार होगा। महंगाई भत्ते की गणना कर्मचारी की बेसिक सैलरी के प्रतिशत के आधार पर की जाती है। पहले केंद्रीय कर्मचारियों को मूल वेतन का 60 प्रतिशत ऊअ मिल रहा था। अब दर बढ़कर 63 प्रतिशत हो गई है। यानी हर 10,000 रुपये की बेसिक सैलरी पर कर्मचारियों को पहले के मुकाबले 300 रुपये अतिरिक्त महंगाई भत्ता मिलेगा। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 30,000 रुपये है, तो 60 प्रतिशत ऊअ के हिसाब से उसे हर महीने 18,000 रुपये मिलते थे। अब 63 प्रतिशत की दर से यह राशि बढ़कर 18,900 रुपये हो जाएगी। इस तरह कर्मचारी को हर महीने 900 रुपये और सालाना 10,800 रुपये अतिरिक्त मिलेंगे। वास्तविक बढ़ोतरी कर्मचारी की बेसिक सैलरी पर निर्भर करेगी।

1 जुलाई 2026 से लागू हुई नई दरें

केंद्र सरकार ने जुलाई 2026 की किस्त के तहत महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। नई दर 1 जुलाई 2026 से प्रभावी होगी। ऐसे में पात्र कर्मचारियों को जुलाई से संशोधित दर के अनुसार भुगतान मिलेगा। यदि बढ़ी हुई राशि का भुगतान बाद में किया जाता है, तो संबंधित अवधि का एरियर भी दिया जाएगा। केंद्र सरकार आमतौर पर साल में दो बार जनवरी और जुलाई से प्रभावी होने वाले महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में संशोधन करती है। इसका उद्देश्य महंगाई के असर को कम करना और कर्मचारियों की खरीदने की क्षमता बनाए रखने में मदद करना है।

THE RANCHI RIFLE CLUB (RRC)
(Registered under -Society Registration Act: 21,1860. Government of Jharkhand)
JOIN US TO BECOME A NATIONAL or INTERNATIONAL SHOOTER
Your ambition is our mission...



Our facilities:-
- 10m/ 25m Fully Air Conditioned Hitech indoor shooting range.
- All Types of Air/ Fire weapons are available for practice.
- All types of shooting equipments & accessories for sale available here.
- We teach the civilians how to handle weapons/ safety rules and way of firing.
- Special For School Girls & Boys.
- Above 8 years Girls & Boys May Join us.
- National Level Shooting Coach Facility Available Here.

Justdial
Contact: +91 8002397001, 7050607001
House No. 01, Shanti Nagar, Hatia, Near Hatia Tonko Bridge, P.O- Hatia, P.S.- Jagannathpur, Ranchi - 834003 (Jharkhand)
E-mail: theranchirifleclub@gmail.com | Website: http://www.theranchirifleclub.org



झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर डीसी और एसपी ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़। आगामी 1 नवंबर 2026 को झारखंड अधिविध परिषद (JAC) द्वारा आयोजित होने वाली झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (JTET) 2026 के सफल, शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं कदाचारमुक्त आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त ऋतुराज ने पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत के साथ जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर की जा रही तैयारियों का जायजा लिया तथा संबंधित पदाधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने महर्षि परमहंस बी.एड. कॉलेज, रामगढ़, डिवाइन ओंकार मिशन विद्यालय रामगढ़, राधा गोविंद सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल रामगढ़, राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय कोयरीटोला रामगढ़ तथा कृष्ण वल्लभ प्लस टू उच्च विद्यालय, लारी का निरीक्षण किया। इस दौरान परीक्षा संचालन से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की गई।उपायुक्त ऋतुराज ने सभी परीक्षा केंद्रों पर विधि-व्यवस्था संधारण एवं सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा का आयोजन पूरी निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित किया जाए तथा परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं मानक संचालन प्रक्रियाओं (SOP) का कड़ाई से अनुपालन हो। सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ करें। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता, साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल, शौचालय सहित अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की। इसके अतिरिक्त, परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित सीटिंग प्लान के अनुरूप परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था, आवश्यक अभिलेखों का संधारण, परीक्षार्थियों की फ्रिस्किंग तथा प्रतिनियुक्त वीक्षकों एवं अन्य कर्मियों की जिम्मेदारियों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी केंद्राधीक्षक परीक्षा से संबंधित दिशा-निर्देशों का भली-भांति अध्ययन कर लें तथा परीक्षा कार्य में संलग्न सभी कर्मियों को उनके दायित्वों के संबंध में स्पष्ट रूप से ब्रीफिंग देना सुनिश्चित करें। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता की रोकथाम और सतत निगरानी के लिए अधिकारियों को आवश्यक सतर्कता बरतने को कहा गया।

रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में धूमधाम से मनाया गया गुरु रामदास जी का प्रकाश उत्सव

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़: गुरुद्वारा साहिब में सिखों के चौथे गुरु, धन-धन श्री गुरु रामदास जी महाराज का प्रकाश पर्व (जयंती) बेहद श्रद्धा, भक्ति और बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इस पावन और पवित्र अवसर पर गुरुद्वारा परिसर पूरी तरह से गुरु की वाणी और भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।संध्या में विशेष दीवान सजाकर शबद-कीर्तन और अरदास के जरिए संगत ने गुरु महाराज के प्रति अपनी गहरी आस्था प्रकट की। इस धार्मिक उत्सव की एक खास विशेषता यह रही कि स्त्री सत्संग (स्त्री संग) की महिलाओं ने पूरी श्रद्धा और सेवा भाव के साथ गुरु का अटूट लंगर तैयार कर श्रद्धालुओं को बरताया, जिसमें बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालुओं ने शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया।बता दे कि विशेष दीवान और कीर्तनः गुरुपर्व के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा साहिब में भव्य सजावट की गई थी और विशेष धार्मिक दीवान सजाया गया। रागियों और ज्ञानी जी ने श्री गुरु रामदास जी के जीवन दर्शन, उनकी विनम्रता और निःस्वार्थ सेवा के सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डाला।स्त्री संग की अटूट सेवाः लंगर सेवा की पूरी कमान स्त्री सत्संग सभा ने संभाली, जहां संगत की तन-मन से सेवा की।गुरु रामदास जी का संदेश गुरु रामदास जी ने हमेशा समाज में समानता, विनम्रता और 'सेवा-सिमरन' का संदेश दिया। उन्हें पवित्र नगरी अमृतसर और हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) के संस्थापक के रूप में भी याद किया जाता है।कार्यक्रम में मुख्य रूप से गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा मीत प्रधान अमरजीत सिंह सैनी हैप्पी छाबड़ा महासचिव हरदीप सिंह, कुलवंत सिंह मारवाह, जोगेन्द्र सिंह जग्गी रघुवीर सिंह छबड़ा,प्रीतम सिंह कालरा, गुरजीत सिंह सलूजा, हरप्रीत सिंह खालसा नरेंद्र सिंह चमन मनपाल सिंह सोनी, अनमोल सिंह आनंद, गुल्लू आनंद गुरजोत सिंह, स्त्री सत्संग की ओर से परमजीत कौर भुसरी, जसप्रीत कौर करमजीत कौर गगन कौर सुखमीत कौर सोनी रोमी छाबड़ा सुमी जोली चरणजीत कौर जॉली मनप्रीत कौर सैनी बलविंदर कौर छाबड़ा,रविंदर कौर पवार, सहित सिख समाज के बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालु शामिल हुए।

>>>: संक्षिप्त खबर :<<<

भेड़ा पुल के नीचे खाई में गिरा ट्रेलर, बड़ा नदी पुल पर भी हादसा; बाल-बाल बचे चालक और खलासी



रामगढ़/गोला। रामगढ़ बोकारो मार्ग स्थित भेड़ा पुल के नीचे पहले सुबह एक अनियंत्रित ट्रेलर खाई में जा गिरा। वहीं, बोकारो से रामगढ़ की ओर जा रहा एक अन्य ट्रेलर बड़ा नदी पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे गिर गया। दोनों घटनाओं ने क्षेत्र में भारी वाहनों की सुरक्षा और सड़क दुर्घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ा दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बड़ा नदी पुल पर हुई दुर्घटना में चालक और खलासी बाल-बाल बच गए। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया, जबकि खलासी घटनास्थल पर ही वाहन के पास मौजूद रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में लेने की प्रक्रिया शुरू कीलगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने गोलाझचितरपुर, रामगढ़झबोकारो और रामगढ़झरांची मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही तथा उनकी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। विशेष रूप से पुलों, तीखे मोड़ों और ढलान वाले रास्तों पर भारी वाहनों का संतुलन बिगड़ना गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है।

भारी वाहनों की जांच और निगरानी जरूरी: भारी वाहनों में ब्रेक, टायर, स्टीयरिंग और अन्य तकनीकी उपकरणों की स्थिति के साथ निर्धारित भार सीमा तथा गति का पालन भी सड़क सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हालांकि, इन दोनों दुर्घटनाओं के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित विभागों को दुर्घटनाग्रस्त वाहनों की तकनीकी जांच कराने के साथ पुलों की रेलिंग और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करनी चाहिए। चालकों को भी पुलों, मोड़ों और ढलान वाले रास्तों पर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। लगातार हो रही दुर्घटनाएं चेतावनी दे रही हैं कि सड़क सुरक्षा को गंभीरता से लिया जाए। समय पर वाहन जांच, नियमों का पालन और प्रभावी निगरानी ही ऐसे हादसों के जोखिम को कम कर सकती है।

हाथी प्रभावित परिवारों को मिली राहत विधायक ममता देवी ने बांटे मुआवजे के डीडी और चेक



रामगढ़/गोला। गोला वन क्षेत्र में हाथियों के उत्पात से प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से मुआवजा राशि के डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) एवं चेक का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रामगढ़ विधायक ममता देवी शामिल हुईं। इस पहल से हाथियों के कारण नुकसान झेलने वाले ग्रामीणों को आर्थिक सहायता मिलने से राहत की उम्मीद जगी है वितरण के दौरान हाथियों द्वारा फसलों, मकानों और अन्य संपत्तियों को पहुंचाए गए नुकसान के एवज में पात्र लाभुकों को नियमानुसार मुआवजा प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, संबंधित लाभुकों के बीच लकड़ी से जलने वाले चूल्हे, अग्नि सुरक्षा किट, सुरक्षा जूते सहित अन्य आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध कराई गई, ताकि हाथी प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामीणों की सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित की जा सके। विधायक ममता देवी ने कहा कि हाथियों के कारण ग्रामीणों को होने वाले जान-माल और फसलों के नुकसान को लेकर सरकार गंभीर है। प्रभावित परिवारों को नियमानुसार मुआवजा और जरूरी सहायता उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों से प्रभावित ग्रामीणों की समस्याओं पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने और उन्हें समय पर राहत पहुंचाने पर जोर दिया। इस पहल से प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल मिलने के साथ उनकी समस्याओं के समाधान की उम्मीद भी मजबूत हुई है।

चार साल से बंद उपस्वास्थ्य केंद्र परिसर की हुई सफाई, लारी के ग्रामीणों में जगी उम्मीद



रामगढ़/रजरप्पा। चितरपुर प्रखंड के लारी स्थित उपस्वास्थ्य केंद्र परिसर की सफाई होने से ग्रामीणों में खुशी की लहर है। करीब चार वर्षों से तैयार यह केंद्र झाड़ियों से घिरा हुआ था, जिससे परिसर जंगल में तब्दील हो गया था। अब उपायुक्त एवं सिविल सर्जन की पहल पर जेसीबी मशीन से झाड़ियों की सफाई कराई गई है, जिससे ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएं बहाल होने की उम्मीद जगी है।इस समस्या को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के रामगढ़ जिला प्रवक्ता पांडव महतो के नेतृत्व में जिला सचिव अमरदीप चौधरी, जिला सदस्य तपन कुमार महतो और गोला प्रखंड सचिव परमेश्वर महतो ने उठाया था। मामले को उपायुक्त के जनता दरबार में भी रखा गया, जिसके बाद सफाई की पहल हुई।परिसर की सफाई के बाद प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने केंद्र का निरीक्षण किया। ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था दुरुस्त होने से आसपास के लोगों को स्थानीय स्तर पर चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी और इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।निरीक्षण के दौरान निशा देवी, पूनम देवी, रूबी देवी, अरुण कुमार, बड़की पंचायत अध्यक्ष विश्वजीत कुमार, संजय सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे। अब ग्रामीणों को केंद्र के नियमित संचालन का इंतजार है।

दुर्घटनाथ में शामिल हाइवा जब्त



दुर्घटना में दो लोगो की गई थी जान

लोहरदगा: लोहरदगा- शंख-लुकैया पथ पर 11 अक्टूबर को बड़की चांपी और जरियो गांव के बीच हाइवा और मोटरसाइकिल की टक्कर में दुबांग गांव के दो लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने दुर्घटनाकारित हाइवा को पकड़ लिया है। बुधवार को गुप्त सूचना के आधार पर हाइवा संख्या जेएच 01 एडब्ल्यू 7903 को जब्त किया गया। घटना के बाद से ही कुडू थाना प्रभारी नीरज झा दुर्घटनाकारित हाइवा की तलाश में जुटे थे। हाइवा पकड़े जाने पर पीड़ित परिवार के सदस्यों ने थाना प्रभारी नीरज झा और अनुसंधानकर्ता उदय प्रसाद यादव के प्रति आभार जताया। कुडू प्रखंड के पूर्व प्रमुख एवं पीड़ित परिवार के सदस्य परिखा मुंडा ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि हाइवा पकड़े जाने से पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

कैथा में क्रिकेट का महासंग्राम - छतरमांडू की धमाकेदार जीत, बोंगाबार को 26 रनों से किया पराजित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



कैथा क्रिकेट महासंग्राम का तीसरा मुकाबला: छतरमांडू ने मारी बाजी, थाना प्रभारी गजेंद्र पांडे ने किया उद्घाटन

रामगढ़। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के कैथा स्थित स्कूल मैदान में आयोजित कैथा क्रिकेट महासंग्राम 2026 के तीसरे मुकाबले में छतरमांडू और बोंगाबार की टीमों के बीच रोमांचक भिड़ंत हुई। मुकाबले में छतरमांडू की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बोंगाबार को 26 रनों से पराजित कर जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए छतरमांडू की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 134 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बोंगाबार की टीम निर्धारित ओवरों में 108 रन ही बना सकी। इस तरह छतरमांडू की टीम ने शानदार जीत हासिल की। मैच मुख्य अतिथि के रूप में रामगढ़ थाना प्रभारी गजेंद्र पांडे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी सुदर्शन महतो, JLKM नेता संतोष चौधरी एवं पवन साहू उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि गजेंद्र पांडे ने कहा कि क्षेत्र में इस तरह के खेल आयोजनों का नियमित रूप से आयोजन होना चाहिए। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को निखरने का अवसर मिलता है और खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध होता है। वहीं, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी सुदर्शन महतो ने खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी खिलाड़ी को सहायता की आवश्यकता होने पर वे सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं कार्यक्रम का संचालन मुनीनाथ महतो ने किया। इस दौरान आयोजन समिति के सदस्यों ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को माल्यार्पण कर तथा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। आयोजन समिति ने जानकारी दी कि महासंग्राम का अगला मुकाबला 29 अक्टूबर 2026 को सुतरी गोला और तेलयातु की टीमों के बीच खेला जाएगा। प्रतियोगिता को लेकर क्षेत्र के खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। खेल भावना, ग्रामीण प्रतिभा और युवाओं के उत्साह को समर्पित कैथा क्रिकेट महासंग्राम 2026 क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

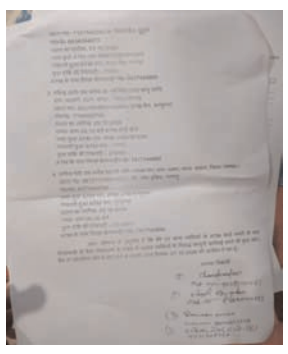
माता वैष्णों देवी मंदिर में करवा चौथ व्रत कथा आज

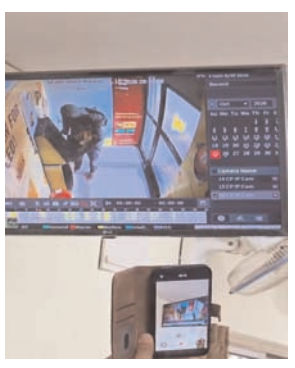


झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। झंडा चौक स्थित माता वैष्णों देवी मंदिर परिसर में गुरुवार को अपराह्न 3 बजे से करवा चौथ व्रत कथा का आयोजन किया गया है। पंजाबी हिन्दू बिरादरी के महासचिव महेश मारवाह ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि व्रतधारी महिलाओं के लिए मंदिर परिसर में मां करवा की कथा सुनाने का विशेष प्रबंध किया गया है। करवा चौथ की कथा माता वैष्णों देवी मंदिर के पुजारी पंडित लीलाधर शर्मा द्वारा परंपरागत ढंग से सुहागिन महिलाओं को सुनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी के दिन मनाए जाने वाला करवा चौथ व्रत कथा सौभाग्यवती महिलाओं का अत्यंत महत्वपूर्ण व्रत है, इसलिए निर्धारित समय पर व्रतधारी महिलाएं कथा सुनने के लिए मंदिर परिसर अवश्य पहुंचे। पंजाबी हिन्दू बिरादरी के पदाधिकारियों ने कथा सुनाने की तैयारी विशेष रूप से पूर्ण कर ली है।

एटीएम स्किमिंग मामले में बासल थाना में प्राथमिकी दर्ज, जांच शुरू





झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बासल थाना कांड संख्या 19/26 के तहत अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज, पतरातू सर्किल इंस्पेक्टर सतेंद्र कुमार सिंह कर रहे मामले की जांच

पतरातू : एटीएम स्किमिंग से जुड़े मामले में बासल थाना में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उपलब्ध दस्तावेज के अनुसार, बासल थाना कांड संख्या 19/26, दिनांक 27 अक्टूबर 2026 के तहत मामला दर्ज किया गया है।दर्ज प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 316(2), 302(2), 3(5) तथा आईटी एक्ट की धारा 66 (सी) का उल्लेख है। मामले के अनुसंधान की जिम्मेदारी पतरातू सर्किल इंस्पेक्टर सतेंद्र कुमार सिंह को दी गई है।पुलिस मामले की जांच में जुटी है। एटीएम स्किमिंग से जुड़े घटनाक्रम और इसमें शामिल लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जाएगी।

गोला में रोजगार अभियान से 280 युवाओं को मिली नौकरी, कौशल केंद्र में उमड़ी अभ्यर्थियों की भीड़

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़/गोला। गोला स्थित जेआईएस फाउंडेशन द्वारा संचालित दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र में आयोजित रोजगार अभियान में युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। इस अभियान में कुल 326 अभ्यर्थियों ने विभिन्न कंपनियों में रोजगार पाने के लिए हिस्सा लिया, जिनमें से 280 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस उपलब्धि से क्षेत्र के युवाओं में खुशी और उत्साह का माहौल है।रोजगार अभियान में एथर एनर्जी लिमिटेड, सुप्रजीत इंजीनियरिंग लिमिटेड, एआरएमएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, केपीआर मिल्स और कंपास समूह सहित पांच प्रमुख कंपनियों ने भाग लिया। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अभ्यर्थियों की योग्यता, कौशल और कार्यक्षमता का आकलन करते हुए साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया पूरी की। विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए, जिनमें सामान्य स्वास्थ्य सहायक, वाहन उद्योग, सिलाई मशीन संचालन और उत्पादन लाइन में कार्य से जुड़े पद शामिल रहे।संस्थान का उद्देश्य कौशल प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराना तथा उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के चयन को इस दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के लिए नए अवसर मिले हैं और उनके भविष्य के प्रति उम्मीद बढ़ी है।कार्यक्रम में जेआईएस फाउंडेशन के वरिष्ठ उप प्रबंधक संजय कुमार, नियुक्ति प्रभारी कुँवरजीत कुमार, उद्योग समन्वय प्रतिनिधि चंद्र भूषण ठाकुर सहित संस्थान के प्रशिक्षकों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय योगदान दिया। संस्थान की ओर से बताया गया कि दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, रोजगार मार्गदर्शन और नियुक्ति के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस प्रकार के रोजगार अभियान से प्रशिक्षित युवाओं को कंपनियों से सीधे जुड़ने का अवसर मिल रहा है, जिससे क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को मजबूती मिल रही है।

रामगढ़: अवैध संबंध के विरोध पर पत्नी की हत्या, पति और साली गिरफ्तार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।





रामगढ़/कुज्जू। रामगढ़ जिले के कुज्जू ओपी अंतर्गत रौता रौशन नगर में संदिग्ध परिस्थिति में एक महिला (जेबा परवीन) की हुई मौत के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी पति और उसकी साली को गिरफ्तार कर लिया है।

क्या है पूरा मामला?

दिनांक 17.10.2026 को रौता रौशन नगर स्थित घर में जेबा परवीन का शव मिलने की सूचना मिली थी। इसके बाद मृतिका के भाई मो० इमरान के बयान पर मांडू (कुज्जू) थाना में पति गुलाम सरवर उर्फ रजन, मो० नाजीर और अन्य के खिलाफ षड्यंत्र के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया था।

एसआईटी का गठन और खुलासा

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया। एसआईटी ने मानवीय और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मुख्य अभियुक्त पति गुलाम सरवर उर्फ रजन को गिरफ्तार किया। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि उसकी साली नेहा परवीन के साथ अवैध संबंध थे। इस बात की जानकारी जब उसकी पत्नी जेबा परवीन को हुई, तो दिनांक 17.10.2026 को घर में इसी बात को लेकर नोंक-झोंक और मारपीट हुई। मारपीट के दौरान ही आरोपी ने गुस्से में अपनी पत्नी का सिर दीवार पर पटक दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

साली भी गिरफ्तार

घटना के बाद पुलिस ने मामले में संलिप्तता पाए जाने पर अप्रथमिकी अभियुक्त और मृतिका की बहन नेहा परवीन (उम्र करीब 32 वर्ष, निवासी- नईसराय, रामगढ़) को भी विधिवत गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने अपने जीजा के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण:

गुलाम सरवर उर्फ रजन (पति, उम्र- करीब 37 वर्ष, निवासी- रौता रौशन नगर, नईसराय, मांडू, रामगढ़)।
नेहा परवीन (साली, उम्र- करीब 32 वर्ष, निवासी- नईसराय मदरसा के पास, रामगढ़)।

झारखंड में नदियों के किनारे निर्माण पर लगेगी रोक, तीन जोन में बंटेंगे बाढ़ प्रभावित क्षेत्र

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड में अब नदियों के किनारे मनमाने निर्माण, जमीन भरने और कचरा डालने पर लगाम लगाने की तैयारी है. बाढ़ के पानी के प्राकृतिक फैलाव से लेकर नदी के प्रवाह और जल संग्रहण क्षमता तक को सुरक्षित रखने के लिए राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के इस्तेमाल पर सख्त नियम लागू करने की दिशा में बढ़ रही है. झारखंड फ्लड प्लेन जोनिंग एक्ट-2026 के मसौदे में बाढ़ के खतरे के आधार पर क्षेत्रों को तीन जोन में बांटने और वहां निर्माण व औद्योगिक गतिविधियों को नियंत्रित करने का प्रस्ताव है. सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में स्थायी निर्माण पर रोक लगेगी, जबकि नदी के प्राकृतिक किनारे से 100 मीटर तक नये निर्माण पर सीमांकन पूरा होने तक अंतरिम प्रतिबंध लगाने की व्यवस्था होगी. नियम तोड़ने पर व्यक्ति को दो लाख और कंपनियों को 10 लाख रुपये तक जुमार्ना भरना पड़ सकता है. गंभीर उल्लंघन पर जेल की सजा का भी प्रावधान प्रस्तावित है.

नियम तोड़ने पर व्यक्ति और कंपनी पर अलग-अलग जुमार्ना

किसी व्यक्ति द्वारा नियमों के उल्लंघन पर एक लाख रुपये से दो लाख रुपये तक जुमार्ना लगाया जा सकता है. नोटिस मिलने के बाद भी उल्लंघन जारी रखने पर प्रतिदिन 10 हजार से 25 हजार रुपये तक अतिरिक्त जुमार्ने का प्रावधान है. गंभीर मामलों में व्यक्ति को एक वर्ष तक की कैद या दो लाख से पांच लाख रुपये तक जुमार्ना अथवा दोनों सजाएं हो सकती हैं. कंपनियों के गंभीर उल्लंघन पर एक वर्ष तक की कैद या 10 लाख से 25 लाख रुपये तक जुमार्ना अथवा दोनों का प्रावधान है. कंपनी के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका साबित होने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है.

बाढ़ के खतरे के आधार पर तय होंगे तीन जोन

मसौदे के अनुसार, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को प्रोटेक्टेड जोन, रेगुलेटरी जोन और वार्निंग जोन में वर्गीकृत किया जायेगा. इन क्षेत्रों में बाढ़ की संभावित रेंज और गंभीरता के आधार पर निर्माण, औद्योगिक गतिविधियों, भूमि भरने, कचरा निस्तारण और अन्य विकास कार्यों पर प्रतिबंध या शर्तें लगाई जा सकेंगी. मसौदे में बाढ़ क्षेत्र के निर्धारण के लिए पांच वर्ष, 25 वर्ष और 100 वर्ष की पुनरावृत्ति अवधि वाली बाढ़ को आधार बनाने का प्रस्ताव है. इसका मतलब यह नहीं है कि बाढ़ निश्चित अंतराल पर ही आयेगी. यह किसी वर्ष में निर्धारित तीव्रता की बाढ़ आने या उससे अधिक गंभीर बाढ़ आने की सांख्यिकीय संभावना का आकलन करने का तरीका है.

नदी किनारे 100 मीटर तक निर्माण पर अंतरिम रोक

प्रस्तावित कानून में नदी के किनारे की जमीन के इस्तेमाल को लेकर भी महत्वपूर्ण प्रावधान है. किसी नदी या जलधारा के बाढ़ क्षेत्र की सीमा निर्धारित करने के लिए अधिसूचना जारी होने के बाद अंतिम सीमांकन होने तक नदी के प्राकृतिक किनारे से जमीन की ओर 100 मीटर तक नये स्थायी निर्माण पर रोक रहेगी. भूमि भरने, जमीन को पुनः प्राप्त करने, कचरा डालने या जल प्रवाह में अवरोध पैदा करनेवाली गतिविधियों को सामान्यतः अनुमति नहीं देने का प्रस्ताव है. यह 100 मीटर का प्रावधान अधिसूचना के बाद सीमांकन पूरा होने तक लागू होने वाली प्रस्तावित अंतरिम व्यवस्था है. इसे सभी नदियों के लिए पहले से अधिसूचित स्थायी प्रतिबंध नहीं माना जाना चाहिए. गंभीर उल्लंघनों में नदी के प्रवाह को बाधित करना, जहरीला या खतरनाक कचरा डालना, प्रतिबंधित क्षेत्र में बड़े औद्योगिक या व्यावसायिक प्रतिष्ठान बनाना तथा बाढ़ सुरक्षा उपकरणों को नुकसान पहुंचाना शामिल है. प्रस्तावित कानून में यह स्पष्ट किया गया है कि किसी जमीन के बाढ़ क्षेत्र में शामिल होने, उसके बाजार मूल्य या विकास की संभावना घटने अथवा निर्माण की अनुमति नहीं मिलने मात्र से मुआवजे का अधिकार नहीं बनेगा.

संक्षिप्त खबर

झारखंड सहायक कारापाल परीक्षा की शारीरिक दक्षता परीक्षा स्थगित, अब 18-21 नवंबर तक होगी



रांचीः झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने झारखंड सहायक कारापाल प्रतियोगिता परीक्षा-2025 के तहत आयोजित होने वाली शारीरिक मापदंड एवं दक्षता परीक्षा के कार्यक्रम में संशोधन किया है. इससे पहले 28 अक्टूबर 2026 से 31 अक्टूबर तक यह परीक्षा होनी थी, लेकिन तूफान के कारण आयोग ने इसे फिलहाल स्थगित करते हुए नई तारीख जारी की है. आयोग की ओर से कहा गया है कि अब यह परीक्षा 18 से 21 नवंबर 2026 तक होगी. चक्रवात अर्नब के कारण रांची में संभावित भारी बारिश की आशंका तथा पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड, रांची के कार्यालय से प्राप्त पत्र के आलोक में चयन पर्षद-01 के अंतर्गत आयोजित होने वाली परीक्षा की तिथियों में बदलाव किया गया है. जैप-1 ग्राउंड, डोरंडा, रांची में 28, 29, 30 एवं 31 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित शारीरिक मापदंड एवं दक्षता परीक्षा अब क्रमशः 18, 19, 20 एवं 21 नवंबर 2026 को आयोजित की जाएगी. आयोग ने स्पष्ट किया है कि शारीरिक मापदंड एवं दक्षता परीक्षा का शेष कार्यक्रम पूर्ववत रहेगा. झारखंड सहायक कारापाल नियुक्ति प्रतियोगिता परीक्षा-2025 की शारीरिक मापदंड एवं दक्षता परीक्षा में कुल 84 पदे के लिए 56,304 अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं. रांची (जैप-1 ग्राउंड, डोरंडा में 25,215 अभ्यर्थी, हजारीबाग (कर्जन ग्राउंड) में 19,926 अभ्यर्थी तथा गोड्डा (राजेंद्र स्टेडियम, महागामा) में 11,163 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं. प्रत्येक पद के लिए औसतन लगभग 670 अभ्यर्थियों के बीच प्रतिस्पर्धा है. शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही आगे की चयन प्रक्रिया में शामिल होंगे.

चिटफंड कंपनी के संचालक वासुदेव बागची की बेल पर हाईकोर्ट का फैसला सुरक्षित



रांची। पूर्वोत्तर राज्यों में चिटफंड के नाम पर भारी रिटर्न का झांसा देकर हजारों निवेशकों से ठगी करने के आरोपी प्रयाग ग्रुप के मालिक वासुदेव बागची की जमानत याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई. मामले में हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट ने दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया. प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता अमित कुमार दास और अधिवक्ता सौरव कुमार ने पक्ष रखा. बता दें कि वासुदेव बागची पर पूर्वोत्तर राज्यों में चिटफंड के माध्यम से निवेशकों से 2800 करोड़ ठगने करने का आरोप है. आरोप है कि उन्होंने निवेशकों को हाई रिटर्न का लालच देकर 2800 करोड़ जमा कराए. लेकिन निवेशकों को सिर्फ 700 करोड़ ही लौटाए. वासुदेव बागची 29 नवंबर 2024 से कोलकाता जेल में बंद है.

बड़गांई लैंड स्कैम : राजकुमार पाहन की याचिका पर हाईकोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब



रांची। बड़गांई की 8.86 एकड़ की जमीन से जुड़े कथित फजीर्वाड़े में रैयत राजकुमार पाहन की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. उन्होंने पीएमएलए कोर्ट द्वारा डिस्चार्ज पिटीशन को खारिज किए जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी है. मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है. ईडी की ओर से वरीय अधिवक्ता अमित कुमार दास और अधिवक्ता सौरव कुमार ने पक्ष रखा दरअसल, बड़गांई जमीन मामले में पीएमएलए की विशेष अदालत ने राजकुमार पाहन की डिस्चार्ज पिटीशन खारिज कर दी थी. इस फैसले को चुनौती देते हुए उन्होंने झारखंड हाई कोर्ट का रुख किया है. हाईकोर्ट में अब इस याचिका पर एऊ को अपना जवाब दाखिल करना है. इस मामले में ईडी की विशेष अदालत राजकुमार पाहन, अंतू तिर्की, आर्किटेक्ट विनोद कुमार सिंह समेत कुल 17 आरोपियों के खिलाफ आरोप गठन कर चुकी है.

सब्जी लेने निकली नाबालिग दो दिन बाद भी घर नहीं लौटी, परिजनों का युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

रांची। बरियातू थाना क्षेत्र अंतर्गत जोड़ा तालाब स्थित इंद्रप्रस्थ कॉलोनी से एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की 26 अक्टूबर को सब्जी लेने के लिए घर से निकली थी. लेकिन वह अब तक घर नहीं लौटी है. परिजनों का आरोप है कि जोड़ा तालाब स्थित सत्तार कॉलोनी निवासी जैद खां उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया है. इसको लेकर लड़की के पिता ने बरियातू थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है. बरियातू थाना की पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. पुलिस मोबाइल लोकेशन और तकनीकी साक्ष्यों के जरिए किशोरी की सकुशल बरामदगी की कोशिश कर रही है. साथ ही पुलिस परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की भी जांच कर रही है. पुलिस आरोपी युवक की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है.

चक्रवात अर्नब का असर, झारखंड से जुड़ी 4 ट्रेनें अलग-अलग तारीखों में रहेंगी रद्द

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



समलेश्वरी एक्सप्रेस इन तारीखों में रद्द

18005 हावड़ा-जगदलपुर समलेश्वरी एक्सप्रेस : 27 से 30 अक्टूबर तक रद्द.
18006 जगदलपुर-हावड़ा समलेश्वरी एक्सप्रेस : 28 से 31 अक्टूबर तक रद्द.
राउरकेला-जगदलपुर इंटरसिटी भी नहीं चलेगी
18107 राउरकेला-जगदलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस : 29 अक्टूबर से 4 नवंबर तक रद्द.
18108 जगदलपुर-राउरकेला इंटरसिटी एक्सप्रेस : 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक रद्द.

रांची। चक्रवाती तूफान अर्नब के प्रभाव को देखते हुए रेलवे ने सुरक्षा कारणों से कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया है. इसका सीधा असर झारखंड से जुड़ी रेल यात्राओं पर पड़ने वाला है. हावड़ा-जगदलपुर और राउरकेला-जगदलपुर मार्ग की चार महत्वपूर्ण ट्रेनें अलग-अलग तारीखों में रद्द रहेंगी. ऐसे में झारखंड के इन ट्रेनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. हावड़ा और जगदलपुर के बीच चलने वाली समलेश्वरी एक्सप्रेस झारखंड के महत्वपूर्ण रेल मार्गों से जुड़ी है. इसके अलावा राउरकेला-जगदलपुर इंटरसिटी भी झारखंड के यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण ट्रेन है. इन ट्रेनों के रद्द रहने से संबंधित मार्गों पर यात्रा करने वाले यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ सकती है. इन ट्रेनों से झारखंड के विभिन्न हिस्सों के यात्री राउरकेला और आगे के क्षेत्रों की यात्रा करते हैं. इसलिए परिचालन रद्द होने से यात्रियों की यात्रा योजना प्रभावित हो सकती है.

झारखंड में 5 नए थाना-ओपी भवनों की तैयारी, 13.86 करोड़ रुपये होंगे खर्च, टेल्को में बनेगा स्मार्ट थाना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



पांचों योजनाओं का जिलेवार ब्योरा

देवघरः पथरौल थाना भवन – 3,17,99,900 रुपये.
पाकुड़ः रद्दीपुर ओपी भवन – 1,59,83,400 रुपये.
रांचीः गोंदा यातायात थाना भवन – 2,04,75,000 रुपये.
पूर्वी सिंहभूमः टेल्को स्मार्ट थाना भवन – 5,44,34,000 रुपये.
गिरिडीहः गुनियाथर ओपी भवन – 1,59,82,000 रुपये.

रांची। झारखंड में पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पांच थाना और ओपी भवनों के निर्माण की योजना तैयार की गई है. वित्तीय वर्ष 2026-27 के तहत देवघर, पाकुड़, रांची, पूर्वी सिंहभूम और गिरिडीह जिले में इन भवनों के निर्माण पर कुल 13 करोड़ 86 लाख 74 हजार 300 रुपये खर्च होंगें. गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने इन योजनाओं के लिए प्रशासनिक स्वीकृति के संबंध में प्रधान महालेखाकार, झारखंड को प्रस्ताव भेज दिया है. विभागीय पत्रों के अनुसार, इन योजनाओं में देवघर के पथरौल में थाना भवन, पाकुड़ के रद्दीपुर में ओपी भवन, रांची के गोंदा में यातायात थाना भवन, जमशेदपुर के टेल्को में स्मार्ट थाना भवन और गिरिडीह के गुनियाथर में ओपी भवन का निर्माण शामिल है. पांचों योजनाओं में सबसे अधिक राशि पूर्वी सिंहभूम जिले के जमशेदपुर स्थित टेल्को में बनने वाले स्मार्ट थाना भवन के लिए प्रस्तावित है. इसके निर्माण पर 5 करोड़ 44 लाख 34 हजार रुपये खर्च किया जाएगा. देवघर जिले के पथरौल थाना भवन के निर्माण के लिए 3 करोड़ 17 लाख 99 हजार 900 रुपये का प्राक्कलन तैयार किया गया है. वहीं, राजधानी रांची के गोंदा में यातायात थाना भवन के निर्माण पर 2 करोड़ 4 लाख 75 हजार रुपये खर्च होने का अनुमान है. पाकुड़ जिले के रद्दीपुर में ओपी भवन के निर्माण के लिए 1 करोड़ 59 लाख 83 हजार 400 रुपये और गिरिडीह जिले के गुनियाथर में ओपी भवन के निर्माण के लिए 1 करोड़ 59 लाख 82 हजार रुपये प्रस्तावित हैं.

विभागीय पत्र में बताया गया है कि झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, रांची की ओर से अनुमोदित नक्शा, तकनीकी प्रतिवेदन और तकनीकी स्वीकृति प्राप्त प्राक्कलन के साथ विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) प्रस्तुत किया गया है. निर्माण लागत का आकलन निर्धारित सरकारी दरों और संबंधित तकनीकी मानकों के आधार पर किया गया है.

हड़िया पीने पर विवाद में बेटे की हत्या करने वाले 88 वर्षीय बुजुर्ग को हाईकोर्ट से राहत, तुरंत रिहा करने का आदेश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। अपने ही 20 वर्षीय बेटे की चाकू घोंपकर हत्या करने के आरोपी 88 वर्षीय पिता को झारखंड उच्च न्यायालय ने बड़ी राहत दी है. न्यायमूर्ति आनंद सेन और न्यायमूर्ति प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने निचली अदालत द्वारा दी गई उम्रकैद की सजा में संशोधन करते हुए मामले को हत्या की धारा 302 के बजाय गैर-इरादतन हत्या की धारा 304 भाग-क्कमाना है. पीठ ने बुजुर्ग की अत्यधिक उम्र और उनके द्वारा काटी गई करीब 13 साल की जेल अवधि को देखते हुए सजा को काटी गई अवधि में तब्दील कर उन्हें तत्काल जेल से रिहा करने का आदेश दिया है.

अपीलकर्ता गोमा गोप की ओर से नियुक्त एमिकस क्यूरी अधिवक्ता अल्पना वर्मा ने पीठ के समक्ष दलील दी कि अपीलकर्ता को केवल अनुमानों और शंकाओं के आधार पर झूठा फंसाया गया है. उन्होंने यह भी दलील रखी कि अपीलकर्ता बिना किसी ठोस आधार के लंबे समय से जेल में बंद है, इसलिए निचली अदालत के दोषसिद्धि और सजा के आदेश को निरस्त कर उसे रिहा किया जाए. राज्य की ओर से उपस्थित अपर लोक अभियोजक (तरुण कुमार ने याचिका का विरोध किया. उन्होंने तर्क दिया कि ट्रायल कोर्ट का फैसला उचित था क्योंकि आरोपी ने अपने बेटे की चाकू मारकर हत्या की थी और घटनास्थल से खून से सनी मिट्टी और चाकू भी बरामद किया गया था.

खंडपीठ ने गवाहों और डॉक्टर की मेडिकल रिपोर्ट का विश्लेषण करने के बाद कहा कि मृतक पर चाकू से सिर्फ एक ही वार किया गया था. घटना नशे की हालत में अचानक हुए विवाद और आवेश के क्षण में हुई थी, जिसमें पहले से जान लेने का कोई इरादा साबित नहीं होता. अदालत ने माना कि यह मामला आईपीसी की धारा 300 के अपवाद-4 (अचानक विवाद और गुस्से में बिना क्रूरता के किया गया कृत्य) के तहत आता है. इसलिए इसे हत्या की धारा 302 न मानकर गैर-इरादतन हत्या धारा 304 Part-II माना गया. खंड फ बात पर गौर किया कि जब सीआरपीसी की धारा 313 के तहत अपील करता का बयान दर्ज किया गया था तब उसकी उम्र करीब 80 साल थी. अब उसकी उम्र लगभग 88 वर्ष हो चुकी है. अभी भी जेल में हैं. वह लगभग 13 वर्षों से आपराधिक कार्यवाही का सामना कर रहा है. ऐसे में काटी गई अवधि को ही सजा मानते हुए उसे किसी अन्य मामले में वांछित न होने पर तुरंत रिहा करने का आदेश दिया गया.

झारखंड में ड्रोन से होगी अवैध शराब कारोबार की निगरानी, मंत्री योगेंद्र महतो ने किया ट्रायल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड में अवैध शराब और नकली शराब के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए उत्पाद विभाग नई पहल करने जा रहा है. अब राज्य के जंगलों और दुर्गम पहाड़ी इलाकों में ड्रोन के जरिए निगरानी की जाएगी. इससे अवैध शराब बनाने और कारोबार करने वालों की पहचान करने में मदद मिलेगी. बुधवार को रामगढ़ के चुटूपालू में उत्पाद मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो ने ड्रोन का ट्रायल किया. इस दौरान विभाग के कमिश्नर संदीप सिंह समेत कई अधिकारी और पदाधिकारी मौजूद रहे.

झारखंड की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि राज्य के कई इलाकों में घने जंगल और पहाड़ हैं. इन दुर्गम क्षेत्रों में अवैध शराब का निर्माण और कारोबार करने वाले लोग कई बार विभाग की निगरानी से बच निकलते हैं. ऐसे में ड्रोन के इस्तेमाल से इन इलाकों पर आसमान से नजर रखी जा सकेगी. उत्पाद विभाग की इस पहल का उद्देश्य अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाना और नकली शराब बनाने वाली इकाइयों का पता लगाना है. विभाग के मुताबिक, राज्य के सभी जिलों में ड्रोन के इस्तेमाल की योजना है.

ड्रोन के जरिए निगरानी के दौरान मिलने वाली तस्वीरों और वीडियो को कमांड सेंटर तक पहुंचाया जाएगा. इनके आधार पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्रवाई के लिए भेजा जा सकेगा. अधिकारी मौके पर पहुंचकर छापेमारी कर सकेंगे और अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई कर सकेंगे. विभाग को उम्मीद है कि इस तकनीक के इस्तेमाल से उन क्षेत्रों में भी निगरानी प्रभावी होगी, जहां सामान्य तरीके से पहुंचना मुश्किल होता है. इससे अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर नियंत्रण करने में मदद मिलने के साथ ही सरकारी राजस्व के नुकसान को भी कम किया जा सकेगा. उत्पाद मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो ने कहा कि झारखंड में इस तरह की पहल अवैध और नकली शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी. ड्रोन की मदद से दुर्गम इलाकों में भी निगरानी संभव हो सकेगी. वहीं, उत्पाद विभाग के कमिश्नर संदीप सिंह ने बताया कि विभाग पहली बार इस तरह की तकनीक का इस्तेमाल करने की तैयारी कर रहा है.

झारखंड में स्कूल से बाहर बच्चों की तलाश, बस्तीवार मैपिंग के साथ घर-घर होगा सर्वे

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड में स्कूल से बाहर रह रहे बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए अब बस्तीवार मैपिंग के साथ घर-घर सर्वेक्षण किया जाएगा. इसके जरिए उन बच्चों की पहचान होगी, जिन्होंने अब तक स्कूल में नामांकन नहीं कराया है या बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी है. झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) ने इस दिशा में प्रक्रिया तेज करते हुए डाहर पोर्टल पर बस्ती मैपिंग और गृह सर्वेक्षण को लेकर राज्यस्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया. इसमें सर्वेक्षण की प्रक्रिया, शिक्षकों की जिम्मेदारी और काम पूरा करने की समयसीमा तय की गई. इस अभियान के तहत 3 से 18 वर्ष तक के बच्चों का ब्योरा जुटाया जाएगा. उद्देश्य केवल स्कूल से बाहर बच्चों की संख्या का पता लगाना नहीं, बल्कि उनकी शैक्षणिक स्थिति की जानकारी लेकर उन्हें दोबारा शिक्षा से जोड़ना भी है. इसके लिए पहले बस्तियों की पहचान कर उन्हें संबंधित स्कूलों से जोड़ा जाएगा. इसके बाद शिक्षकों को बस्तियों की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी और परिवारों को सर्वेक्षण के लिए आवंटित किया जाएगा.

स्कूल से बाहर बच्चों की पहचान के लिए सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षक घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगे. वहीं, प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरपी) और संकुल संसाधन केंद्र (सीआरपी) से जुड़े कर्मी कार्यस्थलों का सर्वे करेंगे. इस दौरान परिवारों से बच्चों की शैक्षणिक स्थिति से जुड़ी जानकारी ली जाएगी. स्कूल छोड़ चुके बच्चों के विवरण का सत्यापन भी किया जाएगा, ताकि कोई बच्चा सर्वेक्षण से छूट न जाए. स्कूल से बाहर बच्चों की पहल की राज्य कार्यक्रम प्रबंधक एवं नोडल पदाधिकारी बिनीता तिर्की ने प्रशिक्षण के दौरान अभियान के उद्देश्यों की जानकारी दी. बस्तीवार मैपिंग से यह स्पष्ट किया जाएगा कि किस क्षेत्र के बच्चे किस स्कूल से जुड़े हैं और सर्वेक्षण की जिम्मेदारी किन शिक्षकों को दी गई है. इससे बच्चों की पहचान और उनके नामांकन की प्रक्रिया को व्यवस्थित तरीके से पूरा करने में मदद मिलेगी.

जेईपीसी ने पूरी प्रक्रिया के लिए समयसीमा निर्धारित की है. इसके तहत बस्ती मैपिंग और शिक्षकों को बस्तियों से जोड़ने का काम 9 नवंबर 2026 तक पूरा करना है. इसके बाद 10 नवंबर 2026 से 10 जनवरी 2027 तक घर-घर सर्वेक्षण चलेगा. सर्वेक्षण की प्रगति 20, 40, 60, 80 और 100 प्रतिशत के चरणों में दर्ज की जाएगी. इस व्यवस्था से अभियान की प्रगति पर नजर रखने और निर्धारित समय में काम पूरा करने में मदद मिलेगी. सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग समग्र शिक्षा की वार्षिक कार्ययोजना और बजट 2026-27 तैयार करने में भी किया जाएगा. इससे स्कूल से बाहर बच्चों की स्थिति का आकलन करने और उनकी शिक्षा से जुड़ी जरूरतों के अनुसार योजना बनाने में सहायता मिलेगी. अभियान के तहत जीरो ड्रॉपआउट हैबिटेशन (जेडओडीएचए) यानी ड्रॉपआउट मुक्त बस्ती बनाने का लक्ष्य भी रखा गया है. इसके लिए संबंधित बस्ती के 6 से 18 वर्ष तक के सभी बच्चों का स्कूल में नामांकन सुनिश्चित करना होगा. साथ ही आवंटित सभी परिवारों का सर्वेक्षण और आवश्यक घोषणा की प्रक्रिया पूरी करनी होगी. जेईपीसी का लक्ष्य सर्वेक्षण के माध्यम से ऐसे बच्चों तक पहुंचना है, जो किसी कारणवश स्कूल नहीं जा रहे हैं. बस्तीवार पहचान और परिवारों से सीधे संपर्क के जरिए बच्चों की शैक्षणिक स्थिति सामने आएगी.

रांची में नशे में धुत कार चालक का कहर, टक्कर में दारोगा समेत दो घायल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। मंगलवार की रात राजधानी रांची में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला. जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र में नशे में धुत कार चालक ने दो स्कूटी सवारों को टक्कर मार दी. इस हादसे में 2018 बैच के दारोगा गणेश यादव और एक बुजुर्ग घायल हो गए. टक्कर के बाद कार चालक दारोगा को कुछ दूरी तक घसीटता हुआ ले गया. हादसे में दोनों स्कूटी और कार भी क्षतिग्रस्त हो गई, घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है. मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शी प्रवीण कुमार ने बताया कि सब इंस्पेक्टर गणेश कुमार और एक बुजुर्ग दोनों बहुत किनारे से अपनी स्कूटी से जा रहे थे. इसी दौरान नशे में कार चालक में दोनों को जबरदस्त टक्कर मार दी. चालक नशे में इतना धुत था कि वह स्कूटी में टक्कर मारने के बाद भी उसको कुछ दूर घसीट कर ले गया. स्थानीय लोगों ने जब उसे पकड़ा तब उनके साथ भी उसने हाथापाई की, बाद में मौके पर पुलिस की टीम पहुंची और सबसे पहले घायलों को वहां से इलाज के लिए अस्पताल भेजा.

विधानसभा के थानेदार रह चुके हैं गणेश

इस हादसे में घायल सब इंस्पेक्टर गणेश यादव विधानसभा थाना प्रभारी रह चुके हैं. वह स्कूटी से अपने घर की तरफ जा रहे थे इसी दौरान नशे में धुत कार चालक ने उन्हें भी ठोकर मार दी. इस हादसे में गणेश यादव का पैर बुरी तरह से जख्मी हुआ है. जगन्नाथपुर पुलिस ने चालक को हिरासत में लेते हुए उसकी कार को जब्त कर लिया है.

झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 के सफल, स्वच्छ एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

जिले के 22 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में शामिल होंगे कुल 11,385 अभ्यर्थी



साहिबगंज।झारखंड अधिविध परिषद, राँची द्वारा दिनांक 01 नवंबर, 2026 (रविवार) को जिले में आयोजित होने वाली झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 को स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से समाहरणालय सभागार में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे।बैठक में उपायुक्त ने उड़नदस्ता दल दंडाधिकारी, गश्ती दंडाधिकारी, स्टैटिक दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों को परीक्षा के सफल संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित दिशा-निर्देशों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करें।

22 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में होगी परीक्षा

झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 जिले के कुल 22 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली में उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) के कुल 8,512 अभ्यर्थी तथा द्वितीय पाली में प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) के कुल 2,873 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इस प्रकार जिले में कुल 11,385 अभ्यर्थियों के परीक्षा में सम्मिलित होने की संभावना है।

दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति

परीक्षा के सुचारू संचालन, विधि-व्यवस्था संधारण एवं कदाचार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिले में 44 स्टैटिक दंडाधिकारी, 12 गश्ती दंडाधिकारी एवं 03 उड़नदस्ता दल दंडाधिकारी के साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। साहिबगंज जिले के लिए अपर समाहर्ता विजय कुमार को वरीय नोडल पदाधिकारी तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी नयन कुमार को नोडल पदाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है।

24 घंटे सक्रिय रहेगा जिला नियंत्रण कक्ष

उपायुक्त ने बताया कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या, सूचना अथवा विधि-व्यवस्था से संबंधित स्थिति से त्वरित रूप से निपटने के लिए जिला नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है, जो 24 घंटे कार्यरत रहेगा। जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंबर- 06436-356485 तथा मोबाइल नंबर- 9631155933 एवं 9006963963 है।

परीक्षा केंद्रों पर प्रतिबंधित सामग्रियों के प्रवेश पर रोक

उपायुक्त ने सभी केंद्राधीक्षकों को निर्देश दिया कि परीक्षा केंद्रों के अंदर मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस, एयरफोन, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, कैलकुलेटर, पेजर, डिजिटल डायरी सहित अन्य संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इसके अतिरिक्त पुस्तक, नोटबुक, लॉगबुक, बैग, पर्स, पाउच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी एवं अन्य प्रतिबंधित सामग्रियों को भी परीक्षा केंद्र में ले जाने की अनुमति नहीं होगी। सभी केंद्राधीक्षक परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक जांच एवं निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि परीक्षा के संचालन में झारखंड प्रतियोगी परीक्षा अधिनियम, 2023 के प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन किया जाए। परीक्षा की निष्पक्षता प्रभावित करने वाले किसी भी प्रयास पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, परीक्षा तिथि को परीक्षा केंद्रों के बाहर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत लागू निषेधाज्ञा का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा से संबंधित सभी तैयारियां समय पर पूर्ण कर ली जाएं तथा अभ्यर्थियों को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में परीक्षा देने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। जिला प्रशासन, साहिबगंज सभी अभ्यर्थियों से अपील करता है कि वे परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त परीक्षा के सफल संचालन में सहयोग करें। बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक, आईटीडीए संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता विजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज अमर जॉन आईन्द,अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो सहित जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं केंद्राधीक्षक उपस्थित थे।

जिलेबिया घाटी के गंगा द्वार पर सघन वाहन जांच अभियान, 28 वाहनों का चालान; 72,500 का जुमार्ना वसूला गया



साहिबगंज।जिले में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं यातायात नियमों का अनुपालन कराने के उद्देश्य से जिला परिवहन पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द के निदेर्शानुसार जिलेबिया घाटी स्थित गंगा द्वार पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सभी प्रकार के वाहनों की जांच की गई।जांच के क्रम में मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन के मामले में कुल 28 वाहनों का चालान किया गया। इन वाहनों से कुल 72,500 का जुमार्ना वसूला गया। अभियान का उद्देश्य यातायात नियमों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना एवं आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।इस दौरान वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा सुरक्षित वाहन परिचालन के प्रति सजग रहने की अपील की गई। साथ ही, सड़क सुरक्षा से संबंधित पंपलेट वितरित कर आवश्यक दिशा-निदेर्शों की जानकारी दी गई।उक्त अभियान में मोटरयान निरीक्षक कुमार उत्कर्ष, अभिषेक मुंडा, माइनिंग इंस्पेक्टर राजेश कुमार, थाना प्रभारी शशि कुमार सिंह, ओम प्रकाश चौहान, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित अन्य पुलिस बल के जवान उपस्थित रहे।

उधवा के एक मजदूर की भोपाल में मौत, परिजनों का रो रोकर बुरा हाल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



उधवा/ साहिबगंज। उधवा प्रखंड क्षेत्र के राधानगर गांव निवासी अनिल मंडल के बड़े पुत्र अक्षय कुमार मंडल (28 वर्ष) की मध्य प्रदेश के भोपाल जिले के बिलखिरिया थाना अंतर्गत कान्हासैया में अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। वह परिवार की आजीविका चलाने के लिए करीब एक महीने पहले ही मजदूरी करने भोपाल गया था। युवक की असामयिक मौत की खबर से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं उसके परिवारजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, बीते मंगलवार की रात भोपाल में अक्षय कुमार मंडल की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। वह भोपाल में अपने पिता, जीजा और मामा के साथ मजदूरी करता था। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने और शव को गांव लाने में होने वाले अत्यधिक खर्च को देखते हुए परिजनों ने भोपाल में ही बुधवार को उसका अंतिम संस्कार कर दिया। बताया जाता है कि अक्षय की शादी करीब आठ वर्ष पहले पाकुड़ में हुई थी। शादी के बाद उसकी पत्नी ने एक बेटे को जन्म दिया और जन्म के कुछ ही दिनों के बाद उसे छोड़कर चली गई। इसके बाद परिवारजनों ने बच्चे का पालन-पोषण कर उसे बड़ा किया। वर्तमान में वह सात वर्ष का है। परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने और रोजी-रोटी कमाने की उम्मीद लेकर अक्षय घर से दूर गया था, लेकिन उसकी असामयिक मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।युवक की मौत से परिवार के सामने अब दुख के साथ-साथ भविष्य की चिंता भी खड़ी हो गई है। सात वर्षीय बेटे के सिर से पिता के सहारे का साया उठ जाने से परिजनों का दुख और भी गहरा हो गया है। इस घटना से गांव में भी शोक का माहौल है। मृतक की मां ने अपने पोते का पालन पोषण व भविष्य बेहतर बनाने के लिए प्रशासन से मदद की गुहार लगा रही है।

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष, चाकू लगने से 22 वर्षीय फहीम शेख गंभीर रूप से घायल



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज/साहिबगंज।जिले के राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत हसन टोला में जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट में चाकू लगने से 22 वर्षीय फहीम शेख गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिजन उन्हें आनन-फानन में राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, हसन टोला में जमीन को लेकर फहीम शेख और उनके परिवार के सदस्यों के बीच कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मामला मारपीट तक पहुंच गया। इसी दौरान चाकू से हमला किये जाने के कारण फहीम शेख गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजन उन्हें तत्काल राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। उसके बाद युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया।इधर, घटना की सूचना राजमहल थाना पुलिस को दे दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंच छानबीन शुरू कर दिया।

उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में नगर परिषद् साहिबगंज एवं नगर पंचायत राजमहल और बरहरवा के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित



साहिबगंज।उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में नगर परिषद् साहिबगंज तथा नगर पंचायत राजमहल एवं बरहरवा के कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित नगर निकायों के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।समीक्षा बैठक के दौरान नगर निकायों में पेयजलापूर्ति, स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, शहरी आधारभूत संरचना, सड़क एवं नाली निर्माण, स्ट्रीट लाइट, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), राजस्व संग्रहण तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। साथ ही संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति एवं लंबित कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया गया।उपायुक्त ने नगर निकायों में उपलब्ध नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने, साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा विकास योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित कार्यों की नियमित निगरानी करने तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।बैठक में नगर निकायों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं शहरी क्षेत्रों के समग्र विकास को प्राथमिकता देने पर बल दिया गया।बैठक में नगर प्रशासक, साहिबगंज अभिषेक कुमार सिंह, नगर पंचायत प्रशासक राजमहल दानिश हुसैन सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

तीनपहाड़ थाना में मारपीट और गाली-गलौज के चार अलग-अलग मामले दर्ज

झारखंड उजाला संवाददाता



तीनपहाड़/साहिबगंज।तीनपहाड़ थाना क्षेत्र में आपसी विवाद को लेकर मारपीट और गाली-गलौज के चार अलग-अलग मामले सामने आए हैं। पुलिस ने सभी मामलों में कांड दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पहला मामला पड़रिया प्रमुख टोला का है। जहां राणा सिंह ने पड़रिया निवासी राजेन्द्र सिंह और प्रदीप सिंह पर गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। वहीं दूसरे मामले में पड़रिया प्रमुख टोला की ही उमिली देवी ने राणा सिंह और अभिलासा सिंह पर गाली-गलौज व मारपीट का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है।तीसरा मामला तीनपहाड़ नीचे टोला का है। यहां मुरली गुप्ता ने गोपाल गुप्ता, गरिमा गुप्ता और गोलू गुप्ता पर एकमत होकर घर में घुसकर लाठी-डंडे से मारपीट करने का आरोप लगाया है। वहीं चौथे मामले में गोपाल गुप्ता ने भी मुरली गुप्ता, मुन्नी देवी और मनीष गुप्ता पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। इस संबंध में तीनपहाड़ थाना में कांड संख्या 63/26, 64/26, 65/26 एवं 66/26 दर्ज किया गया है। पुलिस सभी मामलों की जांच कर रही है।

कोटालपोखर में गव्य गोष्ठी, किसानों को पशुपालन से आय बढ़ाने के बताए गए तरीके

80 किसानों ने लिया हिस्सा, विभागीय योजनाओं की दी गई विस्तृत जानकारी

अभिजीत साह संवाददाता बरहरवा



बरहरवा/साहिबगंज। किसानों को पशुपालन के प्रति प्रोत्साहित करने और उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से बुधवार को कोटालपोखर पंचायत में पशुपालन विभाग, साहिबगंज की ओर से एक दिवसीय गव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। पंचायत की मुखिया सेराफिना हेम्ब्रम की अध्यक्षता में आयोजित इस गोष्ठी में करीब 80 किसानों ने भाग लेकर पशुपालन एवं गव्य विकास से जुड़ी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। गोष्ठी के दौरान विभागीय अधिकारियों एवं कर्मियों ने किसानों को गाय पालन को आजीविका का साधन बनाने, पशुपालन को बढ़ावा देने तथा इसके माध्यम से आमदनी में वृद्धि करने के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। किसानों को सरकार की ओर से संचालित पशुपालन एवं गव्य विकास संबंधी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कर्मियों ने पशुपालन क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं के प्रति किसानों को जागरूक किया। गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना और उन्हें पशुपालन के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर डॉ. एहतेशामुल हक, प्राविधिक सहायक अनिल सिन्हा एवं गव्य विभाग के नरेंद्र कुमार सहित पंचायत के विभिन्न वार्डों के वार्ड सदस्य मौजूद रहे। गोष्ठी में किसानों की भागीदारी के माध्यम से पशुपालन को ग्रामीण आजीविका से जोड़ने पर जोर दिया गया।

तालझारी के देव पहाड़ के पास दो टेंपो में आमने-सामने जोरदार टक्कर, महिला समेत तीन घायल



साहिबगंज।तालझारी थाना क्षेत्र के देव पहाड़ के पास दो टेंपो के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में दो पुरुष और एक महिला शामिल हैं। दुर्घटना के बाद इलाके में घटना को लेकर चर्चा होने लगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कृष्णा मंडल (39 वर्ष), पिता नरेश मंडल, निवासी मासकलाइयां, तालझारी की ओर से पहाड़ी के रास्ते से आ रहे थे। इसी दौरान देव पहाड़ के पास सामने से आ रहे दूसरे टेंपो से उनकी आमने-सामने टक्कर हो गई। दूसरे टेंपो में सूरज पहाड़िया (35 वर्ष), पिता इतवारी पहाड़िया, निवासी बाडको पहाड़, थाना तीनपहाड़, साहिबगंज अपनी पत्नी बुधनी पहाड़िन (35 वर्ष) के साथ साहिबगंज से बाडको पहाड़ जा रहे थे। हादसे में एक व्यक्ति के हाथ, सिर और मुंह में चोट लगने की जानकारी मिली है। वहीं, महिला बुधनी पहाड़िन के सिर में चोट आई है, जबकि तीसरे व्यक्ति के हाथ में चोट लगी है। इस तरह दुर्घटना में तीनों लोग घायल हुए हैं।घटना के संबंध में घायलों की पहचान और चोटों का विवरण सामने आया है। हालांकि, घायलों को अस्पताल पहुंचाने, उनकी वर्तमान स्थिति तथा पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई के संबंध में विस्तृत जानकारी की पुष्टि नहीं हो सकी है।

प्राकृतिक खेती से बढ़ेगी किसानों की आय, महिला समूहों को बनाया जाएगा आत्मनिर्भर

बरहरवा में दो दिवसीय डिजिटल फसल सर्वेक्षण सह खेत बचाओ अभियान का प्रशिक्षण समाप्त

अभिजीत साह संवाददाता बरहरवा



बरहरवा/साहिबगंज। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने, खेती की लागत कम करने और ग्रामीण आजीविका को मजबूत बनाने के उद्देश्य से आत्मा एवं जेएसएलपीएस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय डिजिटल फसल सर्वेक्षण सह खेत बचाओ अभियान का बुधवार को समापन हुआ। जेएसएलपीएस के बरहरवा प्रखंड कार्यालय में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों, विशेषकर महिला किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने और सरकारी कृषि योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रबंधक आजीविका अनिरुद्ध कुमार एवं बरहरवा के प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक फैज आलम उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान बीटीएम अनवारुल अंसारी, कृषक मित्र हरेंद्र कुमार साह तथा एफटीसी सनत कुमार माल ने किसानों को डिजिटल फसल सर्वेक्षण और खेत बचाओ अभियान के उद्देश्यों एवं उपयोगिता की जानकारी दी। प्रशिक्षकों ने कहा कि खेती में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर अत्यधिक निर्भरता कम कर प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाना समय की जरूरत है। इसके लिए किसानों को जीवामृत, बीजामृत सहित विभिन्न प्राकृतिक कृषि आदानों के उपयोग, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण के उपायों से अवगत कराया गया। साथ ही कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त करने के लिए टिकाऊ कृषि तकनीकों को अपनाने पर बल दिया गया।

कृषि योजनाओं की दी गई जानकारी

प्रशिक्षण कार्यक्रम में पीएम-कुसुम योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत प्रति बूंद अधिक फसल, किसान समृद्धि योजना तथा ब्लॉकचेन आधारित कृषि व्यवस्था सहित विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी दी गई। किसानों को इन योजनाओं के उद्देश्य, संभावित लाभ और उपयोगिता समझाते हुए आधुनिक कृषि पद्धतियों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

महिला किसानों की आय बढ़ाने पर विशेष जोर

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करना, कृषि लागत में कमी लाना और पर्यावरण के अनुकूल खेती को बढ़ावा देना रहा। इसके साथ ही महिला स्वयं सहायता समूहों की दीदियों को कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उनकी आमदनी बढ़ाने तथा उन्हें लखपति दीदी बनाने के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। आयोजकों के अनुसार, प्राकृतिक खेती और कृषि आधारित रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। यह पहल किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने, खेती को अधिक लाभकारी बनाने और ग्रामीण आजीविका को टिकाऊ आधार प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर आईएफसी एंकर सुनीता मरांडी एवं विशाल मंडल तथा बीआरपी (लाइवलीहुड) रहीम विश्वास, रामू रजवार और मिथुन मंडल सहित अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

बोरियो-साहिबगंज मुख्य मार्ग पर दो टेंपो की आमने-सामने जोरदार टक्कर, ग्राम प्रधान दंपती समेत तीन घायल

बोरियो/साहिबगंज।बोरियो थाना क्षेत्र के बोरियो-साहिबगंज मुख्य पथ पर तेतरिया के समीप बुधवार को दो टेंपो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में ग्राम प्रधान दंपती समेत तीन लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, तालझारी थाना क्षेत्र के बालकों पहाड़ निवासी ग्राम प्रधान सुरजा पहाड़िया (35) अपनी पत्नी बुधनी पहाड़िन (30) के साथ टेंपो से साहिबगंज से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे दूसरे टेंपो से उनकी भिड़ंत हो गई। हादसे में सुरजा पहाड़िया, उनकी पत्नी बुधनी पहाड़िन और मसकलिया निवासी कृष्णा मंडल (39) घायल हो गए।घटना की सूचना मिलने पर पुलिस की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद घायलों को इलाज के लिए भेजा गया।

झारखंड विधानसभा की लोक लेखा समिति ने किया हजारीबाग जिले का दौरा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

विभागीय वित्तीय प्रबंधन, लेखा संबंधी मामलों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए



हजारीबाग। झारखंड विधानसभा की लोक लेखा समिति ने बुधवार को हजारीबाग जिले का दौरा किया। समिति के सभापति बरही विधायक श्री मनोज कुमार यादव की अध्यक्षता में परिसदन भवन में आयोजित बैठक के दौरान जिले के विभिन्न विभागों के वित्तीय प्रबंधन एवं लेखा संबंधी मामलों की समीक्षा की गई। बैठक में समिति के सदस्य मनोहरपुर विधायक श्री जगत मांझी तथा बरकट्ठा विधायक श्री अमित कुमार यादव उपस्थित रहे।बैठक में समिति ने जिले के वरीय पदाधिकारियों के साथ विभागवार वित्तीय मामलों की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विभागीय आय-व्यय, सरकारी राशि के उपयोग में पारदर्शिता, लेखा परीक्षण, वित्तीय दस्तावेजों के मूल्यांकन, वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित कार्रवाई, प्रपत्र-क के गठन, राशि की वसूली, विभागीय कार्रवाई, सर्टिफिकेट केस एवं नीलामी से जुड़े मामलों की समीक्षा की गई। समिति ने संबंधित पदाधिकारियों से इन मामलों में अद्यतन प्रतिवेदन एवं आवश्यक जानकारी प्राप्त की।समिति ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने विभागों से संबंधित लेखा कंडिकाओं की नियमित समीक्षा करें तथा लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी लाएं। साथ ही, वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामलों में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा सरकारी धन के उपयोग में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखने पर बल दिया।समिति ने विभागीय वित्तीय प्रबंधन को सुदृढ़ करने, लेखा संबंधी आपत्तियों के समयबद्ध निष्पादन तथा वित्तीय अनुशासन का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कलियुग में श्रीमद्भागवत कथा श्रवण से मिलता है मोक्ष का मार्ग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



सिंदरी/धनबाद। सिंदरी के डोमगढ़ स्थित शिव मंदिर रोड एवं दामोदर नदी के तट पर आयोजित नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन धार्मिक अनुष्ठानों के बीच शिव-पार्वती विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया गया। अयोध्या से पधारीं अंतरराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता परम पूज्य पंडित गौरांगी गौरी जी ने श्रद्धालुओं को कथा सुनाते हुए भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह की महिमा बताई।कार्यक्रम की शुरूआत सुबह आठ बजे यज्ञशाला में सभी देवी-देवताओं के विधिवत पूजन एवं आरती के साथ हुई। इसके बाद दोपहर दो बजे से श्रीमद्भागवत के 18 हजार श्लोकों के पाठ का क्रम जारी रहा। संध्या तीन बजे से पंडित गौरांगी गौरी जी ने शिव-पार्वती विवाह प्रसंग सुनाया।उन्होंने कहा कि माता पार्वती की कठिन तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया। भगवान शिव की अनोखी बारात में देवी-देवताओं के साथ भूत-प्रेत और विभिन्न प्रकार के जीव भी शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की आराधना से मन को शांति मिलती है तथा जीवन के कष्टों से उबरने की प्रेरणा प्राप्त होती है। कलियुग में श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण व्यक्ति को भक्ति, सदाचार और मोक्ष के मार्ग की ओर प्रेरित करता है।कथा श्रवण के लिए पंडाल में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मुख्य यजमान श्रीकांत सिंह, उनके परिवार के सदस्य, गीता देवी सहित अन्य श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक कथा का श्रवण किया। शिव-पार्वती विवाह प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। पूरे आयोजन स्थल पर भक्तिमय वातावरण बना रहा।

जय श्रीराम समिति के पदाधिकारियों के बीच प्रमाण पत्र का किया गया वितरण



खराब मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में जुटे पदाधिकारी

लोहरदगा: जय श्रीराम समिति, जिला लोहरदगा की बैठक बुधवार को पावरगंज स्थित दुगार्बाड़ी मंदिर परिसर में जिला अध्यक्ष बजरंग करूवा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सत्र 2026-27 के पदाधिकारियों को जिला अध्यक्ष एवं संरक्षकों के हाथों प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। खराब मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष बजरंग करूवा ने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती, एकता और अनुशासन बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने अफवाहों से सतर्क रहने तथा आपसी समन्वय के साथ समाजहित और मानव सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने की अपील की।संरक्षक परमेश्वर साहू, सुषमा सिंह और अजय सोनी ने भी संगठन को मजबूत बनाने, आपसी सहयोग और समर्पण भाव से जनसेवा करने पर जोर दिया। प्रमाण पत्र मिलने पर पदाधिकारियों में उत्साह देखा गया। सदस्यों ने संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने और मानव सेवा के लिए तन, मन और धन से समर्पित होकर कार्य करने का संकल्प दोहराया।कार्यक्रम का संचालन शैलेश कुशवाहा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री चंदन साहू ने किया।मौके पर संरक्षक लक्ष्मी भगत, अनूप गुप्ता, ओम महतो, जिला कोषाध्यक्ष विक्की कसेरा, उपाध्यक्ष प्रकाश राम, सूरज दसौंधी, सुमन उरांव, अनुज कुमार, महिला अध्यक्ष इंदिरा प्रधान, महिला महामंत्री जान्हवी गोयल सहित विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

विधायक ममता देवी ने पत्रकार ओमप्रकाश गुप्ता के पिता के निधन पर जताया शोक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़/गोला। रामगढ़ विधायक ममता देवी ने दैनिक जागरण के पत्रकार ओमप्रकाश गुप्ता के पिता के निधन पर उनके पैतृक आवास बरलांगा पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर इस दुख की घड़ी में उन्हें ढांढस बंधाया और अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। विधायक ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। उन्होंने कहा कि परिवार के किसी सदस्य का बिछड़ जाना बेहद दुखद होता है। ऐसे कठिन समय में अपनों का साथ और संवेदनाएं परिवार को संबल प्रदान करती हैं। ममता देवी ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि दुख की इस घड़ी में वह उनके साथ हैं। उनके आगमन पर स्थानीय लोगों ने भी शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक की इस शिष्टाचार मुलाकात से शोकाकुल परिवार को सांत्वना मिली।

राष्ट्र रक्षा यज्ञ अनुष्ठान का हुआ आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



लोहरदगा: वनवासी रक्षा परिवार फाउंडेशन के तत्वावधान में सोबरन टोली स्थित हनुमान मंदिर परिसर में राष्ट्र रक्षा यज्ञ अनुष्ठान का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ संपन्न हुआ। इसके बाद आरती कर राष्ट्र की सुख-समृद्धि, शांति और सामाजिक एकता की कामना की गई। मंत्रोच्चार विक्की मिश्रा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने की।अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र रक्षा यज्ञ का उद्देश्य सनातन धर्म, हिंदू संस्कृति, पारिवारिक संस्कारों और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी सहयोग, एकता और समरसता मजबूत होती है। समाजसेवी वीरेंद्र प्रजापति ने कहा कि यज्ञ का उद्देश्य धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना विकसित करना भी है। प्रत्येक परिवार से एक मुट्ठी चावल और दाल का सहयोग लेकर जरूरतमंदों के उत्थान में सामूहिक भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए। वहीं, प्रदीप राणा ने कहा कि वन एवं नगरीय वंचित समाज के उत्थान और संपूर्ण हिंदू समाज को एक सूत्र में जोड़ने के लिए ऐसे अनुष्ठान महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सामाजिक एकता, सांस्कृतिक जागरूकता और सेवा भाव के साथ कार्य करने का आह्वान किया।मौके पर दीपक कुमार अग्रवाल, सचिन कुमार, सृष्टि प्रजापति, विद्या रानी प्रजापति, समृद्धि प्रजापति, विनोद राम, प्रमिला, अतुल नरेश, सुमित प्रजापति, अमन प्रजापति, अंकित राज सिंह सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

राष्ट्रीय विद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए देवघर के 10 पहलवान चयनित



देवघर। राष्ट्रीय विद्यालय खेल महासंघ (एसजीएफआई) की राष्ट्रीय विद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए देवघर जिले के 10 पहलवानों का चयन किया गया है। इनमें छह खिलाड़ी दिल्ली में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना हो गए हैं, जबकि शेष चार खिलाड़ी हरियाणा में होने वाली प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। जिले के पहलवानों के चयन से खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है।दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में 31 अक्टूबर से 5 नवंबर तक आयोजित होने वाली राष्ट्रीय विद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता में देवघर के चयनित पहलवान विभिन्न आयु वर्गों और भार वर्गों में अपनी चुनौती पेश करेंगे।प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए दिल्ली रवाना होने वाले खिलाड़ियों में अंडर-14 वर्ग के भविष्य कुमार यादव (35 किलोग्राम) और मानसी टुडू (42 किलोग्राम) शामिल हैं। वहीं, अंडर-17 वर्ग में विक्की कुमार (52 किलोग्राम), मनीष झा (110 किलोग्राम), विद्या कुमारी (65 किलोग्राम) और अंशिका कुमारी पोद्दार (69 किलोग्राम) चयनित हुई हैं। इनमें विद्या कुमारी और अंशिका कुमारी पोद्दार बालिका वर्ग में हिस्सा लेंगी।खिलाड़ियों के दिल्ली रवाना होने के अवसर पर जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष अभिजीत कुमार ने देवघर रेलवे स्टेशन पर उन्हें शुभकामनाएं देकर विदाई दी। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि सभी पहलवान प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर देवघर जिले का नाम रोशन करेंगे।जिला कुश्ती संघ की सचिव पायल कुमारी ने कहा कि राष्ट्रीय विद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए जिले के 10 पहलवानों का चयन होना गौरव की बात है। यह खिलाड़ियों की मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने सभी चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और पदक जीतकर देवघर सहित झारखंड का नाम रोशन करें।उन्होंने विश्वास जताया कि इन खिलाड़ियों की उपलब्धि से जिले के अन्य युवा भी कुश्ती के प्रति प्रेरित होंगे और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित होंगे।राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए देवघर के पहलवानों के चयन को जिले की खेल प्रतिभाओं के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। अब खेल प्रेमियों की निगाहें खिलाड़ियों के प्रदर्शन

हुसैनाबाद से अली हसन ने थामा बीएसपी का दामन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



हुसैनाबाद,पलामू: झारखंड बहुजन समाज पार्टी प्रदेश कार्यालय में हुसैनाबाद पलामू के अली हसन समेत दर्जनों नेताओं ने बहुजन समाज पार्टी के सदस्यता ग्रहण की।पार्टी की ओर से आयोजित मिलन समारोह कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्य प्रभारी डॉ. लालजी मेधानकर ,नर्मदा प्रसाद अग्रवाल रामचंद्र त्यागी,एच एल बौद्ध की मौजूदगी में इन सभी सदस्यों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. लालजी मेधानकर ने इन सभी नेताओं का स्वागत किया। बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले में हुसैनाबाद,हैदरनगर पलामू के दर्जनों वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी शामिल हैं। इस मौके पर लालजी मेधानकर ने कहा कि पार्टी में शामिल होने वाले बहुजन समाज पार्टी से जुड़े परिवारों की पृष्ठभूमि से आते हैं इसलिए ये कोई नए सदस्य नही बल्कि पार्टी को विचारधारा से प्रभावित होकर अपने परिवार में शामिल हुए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि हली हसन के जुड़ने से संगठन मजबूत होगा और बहुजन समाज पार्टी की विचारधारा जन जन थक पहुंचाने में मदद मिलेगी. बहुजन समाज पार्टी में योगदान करने वाले हुसैनाबाद हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी व हुसैनाबाद मिट्टी से जुड़े हुए नेता अली हसन ने कहा कि पार्टी एवं बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कुमारी मायावती अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल में समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया है, उन्होंने बहन कुमारी मायावती के इतिहासिक कार्यकाल का कई उल्लेख किया।आगे उन्होंने कहा की मै पार्टी के नीति सिद्धांतो से प्रभावित होकर अपने परिवार से जुड़े हैं. हमें रग रग में ही बीएसपी है.आज बहुजन समाज पार्टी के झंडे की नीचे आकर हमे गर्व की अनुभूति हो रही है।उन्होंने कहा की जबतक जीवित हूं, बहुजन समाज पार्टी के लिए काम करूंगा.पार्टी जो भी जिम्मेवारी हमे देगी, ईमानदारी पुर्वक निभाऊंगा. एवं पार्टी को राज्य में शीर्ष पर पंहुचाने के लिए काम करूंगा। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार पूर्व विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी शेर अली, हुसैनाबाद नगर पंचायत अध्यक्ष अजय कुमार भारती, बीरेंद्र राम, मदन भारती, मोती कुमार, पियूष सुमन,सगीर अहमद, असलम अंसारी, प्रदीप मेहता,सागर जी,सदाम कादरी समेत सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

छावनी परिषद रामगढ़ के नामित सदस्य बने अनमोल सिंह

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़ ' छावनी परिषद रामगढ़ के पूर्व उपाध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि सरदार अनमोल सिंह को छावनी परिषद रामगढ़ के तदर्थ बोर्ड का नामित सदस्य मनोनीत किया गया है। इस संबंध में भारत सरकार के गजट में अधिसूचना भी प्रकाशित कर दी गई है। मनोनयन के बाद छावनी परिषद में नागरिक प्रतिनिधित्व की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है।जानकारी के अनुसार छावनी परिषद में तदर्थ बोर्ड के गठन के बाद एक महिला नेत्री को नामित सदस्य बनाया गया था। हालांकि, एक आपराधिक मामले में नाम आने के बाद उक्त महिला नेत्री का नाम हटा दिया गया था। इसके बाद से बोर्ड बिना किसी नागरिक प्रतिनिधि के संचालित हो रहा था। इस स्थिति को देखते हुए हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने छावनी परिषद रामगढ़ के नामित सदस्य के रूप में सरदार अनमोल सिंह के नाम का प्रस्ताव दिया था। इसके बाद रक्षा मंत्रालय के रक्षा संपदा विभाग ने सरदार अनमोल सिंह को परिषद के तदर्थ बोर्ड का नामित सदस्य मनोनीत किया है।सरदार अनमोल सिंह के शीघ्र ही पदभार ग्रहण करने की संभावना है। उनके मनोनयन से छावनी परिषद के बोर्ड में नागरिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होने और स्थानीय मुद्दों को परिषद के समक्ष रखने में मदद मिलने की उम्मीद है।

भवन नियमों के उल्लंघन करने वाले 15 लोगों को निगम ने थमाया नोटिस



रांची। रांची नगर निगम ने झारखंड भवन उपविधि, 2016 के अनुपालन को लेकर अवैध निर्माण, स्वीकृत नक्शे में विचलन और आवासीय भवनों के अनधिकृत वाणिज्यिक उपयोग के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 15 भवन प्रतिष्ठानों के मालिक को नोटिस थमाया है।निगम ने बुधवार को मोरहाबादी क्षेत्र में रजिस्ट्री ऑफिस से मान्या पैलेस तक सघन जांच अभियान चलाते हुए यह कार्रवाई की। इस दौरान नियमों के उल्लंघन से संबंधित मामलों में 15 भवनों एवं प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया गया। जांच के दौरान निगम की टीम ने स्वीकृत भवन नक्शे, भवनों के वास्तविक उपयोग और अवैध संरचनाओं की पड़ताल की। निगम की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि बिना स्वीकृत नक्शे के निर्माण, स्वीकृत प्लान से विचलन एवं आवश्यक अनुमति के बिना आवासीय भवनों का व्यावसायिक उपयोग नियमों के विरुद्ध है।नोटिस प्राप्त करने वाले भवन मालिकों और प्रतिष्ठान संचालकों को पत्र मिलने की तिथि से तीन दिनों के भीतर स्वीकृत भवन प्लान और संबंधित वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।नगर निगम के अनुसार, निर्धारित अवधि में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने या नियमों का अनुपालन नहीं करने पर संबंधित भवन को सील कर मालिकों पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।निगम ने भवन मालिकों और प्रतिष्ठान संचालकों से निर्माण एवं भवन के उपयोग संबंधी नियमों का पालन करने की अपील की है। जांच अभियान में सहायक नगर निवेशक, कनीय अभियंता सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

बटाने डैम में एक वृद्ध व्यक्ति का शव पुलिस ने बरामद किया, इलाके मे दहशत का माहौल

झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू



पलामू: जिले के नौडीह बाजार थाना क्षेत्र के बटाने डैम में एक व्यक्ति का शव पानी में तैरता हुआ पुलिस ने बरामद किया है। शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई।सूचना पाकर नौडीहा बाजार थाना प्रभारी नीरज कुमार अपने दल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लिया। शव की पहचान मड़वा पंचायत निवासी ललन भुइयां के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार मृतक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी।पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी कर रही है और मामले की जांच कर रही है।
इधर लगातार डैम से शव मिलने और आत्महत्या की घटनाओं से डैम की खूबसूरत जगह अब दहशत में बदलती जा रही है। इसे लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चा हो रही है।बता दें कि कुछ दिन पहले ही बढ़ती घटनाओं को देखते हुए छतरपुर अनुमंडल पदाधिकारी और छतरपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी द्वारा सराहनीय पहल की गई थी। डैम पर सुरक्षा के लिए एक चौकीदार की तैनाती की गई थी और खतरनाक जगहों को चिन्हित कर सूचना बोर्ड लगाए गए थे। इस मामले में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रशांत कुमार ने कहा कि यह घटना बहुत ही दुखद है।पुलिस मामले की ताहिकात गंभीरता से कर रही है। अत्यन्त परीक्षण रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु का स्पष्ट कारण पता चल सकेगा।संबंधित स्थान पर पहले से चौकीदार की तैनाती एवं चेतावनी बोर्ड की व्यवस्था थी।आम लोगों से अपील है कि गहरे पानी एवं खतरनाक स्थानों से दूर रहें।

फॉमूर्ला कार्ट डिजाइन चैलेंज में भाग लेगी बीआईटी सिंदरी की 16 सदस्यीय टीम स्पिटफायर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बिटसाई और केटीएमपीएल का मिला सहयोग, गो-कार्ट के डिजाइन और निर्माण में प्रतिभा दिखाएंगे विद्यार्थी



सिंदरी/धनबाद। बिरसा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी), सिंदरी के एसएई इंडिया क्लब की 16 सदस्यीय टीम स्पिटफायर तमिलनाडु के कोयंबटूर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की फॉमूर्ला कार्ट डिजाइन चैलेंज प्रतियोगिता में भाग लेगी। प्रतियोगिता में टीम के सदस्य अपने तकनीकी कौशल, नवाचार और अभियांत्रिकी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे।टीम स्पिटफायर का नेतृत्व कप्तान हर्ष राज कर रहे हैं। शुभम मोहंती टीम प्रबंधक और प्रिंस कुमार महतो उपकप्तान की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। टीम के सदस्यों ने गो-कार्ट के डिजाइन, निर्माण और तकनीकी तैयारियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रतियोगिता के दौरान टीम द्वारा निर्मित गो-कार्ट का संचालन करण महतो करेंगे।इस परियोजना को बीआईटी सिंदरी पूर्ववर्ती छात्र संघ (बिटसाई) और कल्याणेश्वरी तसरा माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड (केटीएमपीएल) का सहयोग एवं प्रायोजन प्राप्त हुआ है। टीम को संकाय सलाहकार प्रो. मनोज कुमार और एसोसिएट प्रोफेसर राजन कुमार का मार्गदर्शन मिल रहा है। इसके अलावा प्रो. डॉ. प्रकाश कुमार और प्रो. डॉ. घनश्याम ने भी टीम की तैयारियों में महत्वपूर्ण सहयोग दिया है।टीम ने संस्थान के निदेशक प्रो. पंकज राय के प्रति आभार व्यक्त किया है। उनके सहयोग और प्रोत्साहन से विद्यार्थियों को अपनी तकनीकी प्रतिभा राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है।टीम स्पिटफायर की इस भागीदारी से विद्यार्थियों को वाहन डिजाइन, निर्माण और मोटरस्पोर्ट्स के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा।

मौसम की मार से बदली सोहराय महोत्सव की तारीख, अब 4 और 5 नवंबर को होगा आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बारिश की आशंका और प्रदेश से आने वाले प्रतिभागियों की सुविधा को देखते हुए आयोजन समिति ने लिया निर्णय



हजारीबाग: हजारीबाग में आयोजित होने वाले सोहराय महोत्सव की तिथि में बदलाव किया गया है। पहले यह महोत्सव 30 और 31 अक्टूबर को संत कोलंबस कॉलेज मैदान में आयोजित होने वाला था, लेकिन मौसम की स्थिति और बारिश की संभावना को देखते हुए अब इसका आयोजन 4 और 5 नवंबर को किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार, महोत्सव में झारखंड के विभिन्न जिलों के साथ-साथ दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में कलाकारों और प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। ओडिशा समेत गुमला, सिमडेगा, जमशेदपुर, धनबाद, रांची और अन्य क्षेत्रों से लोग इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचेंगे। बारिश के कारण उन्हें यात्रा करने और कार्यक्रम में शामिल होने में परेशानी हो सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए महोत्सव की तारीख आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।सोहराय महोत्सव का उद्देश्य झारखंड की समृद्ध लोक संस्कृति, कला और परंपराओं को बढ़ावा देना है। इस दो दिवसीय आयोजन में नागपुरी और खोरठा के कलाकारों की प्रस्तुतियों के साथ पारंपरिक नृत्य-संगीत, फैशन शो, हस्तशिल्प तथा झारखंडी व्यंजनों के स्टॉल आकर्षण का केंद्र होंगे। आयोजन समिति ने उम्मीद जताई है कि नई तिथि पर महोत्सव में अधिक से अधिक लोग शामिल होकर झारखंड की लोक संस्कृति और परंपरा का आनंद उठा सकेंगे।

धनबाद सिटी सेंटर के पास एटीएम ठगी: बिहार के दो युवक गिरफ्तार, बुजुर्ग से 49,800 रुपये ठगे



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

धनबाद।धनबाद के सिटी सेंटर के पास बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में मदद के बहाने कार्ड बदलकर ठगी करने वाले बिहार के दो युवकों को पुलिस ने सोमवार गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नवादा जिले के लखमोहना निवासी नितीश कुमार (26) और नवादा न्यू एरिया निवासी सौरभ कुमार (24) हैं।घटना 27 अक्टूबर 2026 की शाम की है। मनोरम नगर निवासी 69 वर्षीय दिनेश कुमार यादव एटीएम से पैसे निकालने गए थे। उनका कार्ड मशीन में फंस गया। पीछे खड़े युवक ने पिन देख लिया, गलत हेल्पलाइन नंबर देकर उन्हें पेट्रोल पंप भेज दिया और कार्ड लेकर भाग गए।इसके बाद पीड़ित के खाते से 15,000 रुपये, रानी सती ज्वेलर्स से 32,800 रुपये और बाटा इंडिया स्टोर से 2,000 रुपये की खरीदारी हुई। कुल 49,800 रुपये ठगे गए। पीड़ित ने परिचितों की मदद से दुकानों पर पहुंचकर दोनों युवकों को पकड़ लिया और धनबाद थाना पुलिस के हवाले कर दियाआरोपियों के पास से तीन जोड़ी चप्पल बरामद हुईं। पूछताछ में उन्होंने बिहार और झारखंड के कई शहरों में इसी तरह की ठगी करने की बात स्वीकार की है। नितीश कुमार के खिलाफ देवघर साइबर क्राइम थाना में 2023 का एक पुराना मामला भी दर्ज है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

खौलते पानी से झुलसी आठ वर्षीय बच्ची



सदर अस्पताल में इलाज जारी

लोहरदगा: बगडू थाना क्षेत्र के पतरातू गांव निवासी अलम मिरदाहा की आठ वर्षीय पुत्री गर्म पानी से झुलस कर घायल हो गई है। बताया जाता है कि बच्ची की मां उसे नहलाने के लिए गर्म पानी ले जा रही थी। इसी दौरान बच्ची ने पानी को हाथ लगा दिया, जिससे खौलता पानी उसके शरीर पर गिर गया। हादसे में बच्ची का करीब आधा शरीर झुलस गया है।घटना के बाद बच्ची को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पिछले दो दिनों से उसका इलाज चल रहा है।

बाजार समितियों की दुकानों के किराये में वृद्धि से व्यवसायी नाराज, मामले पर कृषि मंत्री से बात करेगा चेंबर



रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के वर्तमान सत्र की कार्यकारिणी समिति की तीसरी बैठक चेंबर अध्यक्ष तुलसी पटेल की अध्यक्षता में बुधवार को चेंबर भवन में हुई।राज्य की बाजार समितियों में आवंटित दुकानों और गोदामों के किराये में एकतरफा वृद्धि के निर्णय पर कार्यकारिणी समिति ने आपत्ति जताई। बैठक में कहा गया कि व्यापारियों पर आर्थिक बोझ डालने वाले ऐसे महत्वपूर्ण निर्णय संबंधित व्यापारिक संगठनों और स्टेकहोल्डर्स से विमर्श किए बिना लागू करना उचित नहीं है। इससे व्यापारियों में असंतोष बढ़ने के साथ ही बाजार समितियों की व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित हो सकती हैं। मौके पर चेंबर अध्यक्ष तुलसी पटेल ने इस विषय पर जल्द ही मामले को लेकर कृषि मंत्री से मिलकर वार्ता करने का आश्वासन दिया।मौके पर कोयलांचल प्रमंडल के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह सलूजा ने गिरिडीह में सुबह आठ बजे से रात 10 बजे तक नो-इंट्री के कारण औद्योगिक इकाइयों को कच्चे माल की ढुलाई में हो रही परेशानी एवं डेमरेज तथा व्हार्फेज शुल्क से बढ़ती लागत पर चिंता जताई। उन्होंने जिले में बाईपास सड़क निर्माण को आवश्यक बताया और न्यू गिरिडीह होकर स्वीकृत गयाझसंतरागाछी एक्सप्रेस एवं मधुपुरझचोपन रेल सेवाओं का परिचालन जल्द शुरू कराने की मांग की।वहीं नॉर्थ छोटानागपुर प्रमंडल के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विनय अग्रवाल ने रामगढ़ जिले के गोला क्षेत्र में नए औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना और बोकारो औद्योगिक क्षेत्र की बदहाल स्थिति में सुधार के लिए जियाडा से आवश्यक हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने रांचीझहजारीबाग मार्ग से राजधानी एक्सप्रेस के परिचालन, रांची रोड रेलवे स्टेशन की स्थिति में सुधार और हजारीबागझचतराझगया नई रेल लाइन के निर्माण के लिए संबंधित रेलवे प्राधिकार से आवश्यक कार्रवाई का आग्रह किया। चेंबर अध्यक्ष ने इन सभी मुद्दों पर फेडरेशन के स्तर से हरसंभव पहल करने का आश्वासन दिया।साउथ छोटानागपुर प्रमंडल के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष दामोदर कसेरा ने जिले में सिक्कों की कमी के कारण छोटे दुकानदारों को हो रही परेशानियों से अवगत कराया। पलामू प्रमंडल के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित जायसवाल ने मेदिनीनगर में यातायात व्यवस्था की बदहाल स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए ट्रैफिक डीएसपी की पदस्थापना की आवश्यकता बताई। साथ ही जिले में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए नए औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना में फेडरेशन से सहयोग का आग्रह किया।बैठक में चेंबर के उपाध्यक्ष विकास विजयवर्गीय, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव अमित शर्मा, सह सचिव पूजा ढाढा, कोषाध्यक्ष नवजोत अलंग, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह सलूजा, विजय आनंद मुनका, विनय अग्रवाल, दामोदर कसेरा, अमित जायसवाल, डॉ. अभिषेक रामाधीन सहित अन्य उपस्थित थे।

केरेडारी में एसीबी की बड़ी कार्रवाई — 9000 रुपये रिश्वत लेते पंचायत सेवक रंगे हाथों गिरफ्तार



जागेश्वर कुमार @ झारखंड उजाला हजारीबाग ब्यूरो।

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने बड़ी कार्रवाई की है। ACB की टीम ने कराली और पाताल पंचायत के पंचायत सेवक तालेश्वर दास को 9000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।बताया जा रहा है कि किसी कार्य के एवज में पंचायत सेवक द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही थी, जिसकी शिकायत ACB से की गई थी। शिकायत के सत्यापन के बाद ACB ने जाल बिछाकर पंचायत सेवक को रिश्वत की राशि के साथ दबोच लिया।गिरफ्तारी के बाद ACB की टीम आरोपी पंचायत सेवक को अपने साथ हजारीबाग ले गई है, जहां आगे की पूछताछ जारी है। इस कार्रवाई से प्रखंड में हड़कंप मच गया है।

बड़कागांव विधायक श्री रोशन लाल चौधरी जी के कर-कमलों द्वारा पीसीसी सड़क का शिलान्यास

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



केरेडारी/हजारीबाग :- केरेडारी प्रखंड के ग्राम चट्टीबारियातु में विकास कार्यों की कड़ी में आज एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया। खैर पवार से बाला महतो के घर तक PCC पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास माननीय विधायक बड़कागांव श्री रोशन लाल चौधरी जी के कर-कमलों द्वारा नारियल फोड़कर विधिवत रूप से किया गया। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान विधायक जी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि DMFT फंड का उपयोग पूरी पारदर्शिता के साथ क्षेत्र के विकास के लिए किया जा रहा है। इस ढउउ सड़क के बन जाने से चट्टीबारियातु के ग्रामीणों को कीचड़ और जलजमाव की समस्या से निजात मिलेगी और आवागमन सुगम होगा। इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीणों ने विधायक जी का फूल-मालाओं से स्वागत किया और आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रखंड के मंडल अध्यक्ष बाल गोविंद सोनी, भारतीय जनता पार्टी जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र सिंह, आजसू केंद्रीय सदस्य भोला महतो,केंद्रीय सदस्य लीलाधन साव,गुरु मंडल अध्यक्ष बद्री नारायण सिंह, आजसू प्रखंड अध्यक्ष पंकज साहा, कैलाश महतो ,विश्वनाथ कुमार बादल, विधायक मीडिया प्रतिनिधि जागेश्वर कुमार सहित गणमान्य लोग, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जनता उपस्थित थे।

हजारीबाग में जनगणना कार्यों को लेकर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



हजारीबाग: उपायुक्त-सह-जिला जनगणना पदाधिकारी श्री हेमंत सती के निदेर्शानुसार आज दिनांक 28 अक्टूबर 2026 को पंचायत प्रमंडल प्रशिक्षण केंद्र, जबरा, हजारीबाग में दो दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। दिनांक 28 से 29 अक्टूबर 2026 तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन अपर समाहर्ता श्री महेंद्र छोटन उरांव द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर प्रशिक्षक के रूप में श्री ज्ञान चन्द महतो, सहायक निदेशक, जनगणना निदेशालय, झारखंड, रांची तथा श्री नीरज कुमार साहू, जिला समन्वयक, हजारीबाग उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना कार्यों के सुचारू, व्यवस्थित एवं प्रभावी संचालन के लिए संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला सांख्यिकी पदाधिकारी-सह-अपर जिला जनगणना पदाधिकारी, हजारीबाग, अनुमंडल पदाधिकारी-सह-अनुमंडल जनगणना पदाधिकारी, बरही, जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-चार्ज जनगणना पदाधिकारी, सभी अपर चार्ज जनगणना पदाधिकारी, जिला स्तरीय तकनीकी कोषांग के कर्मी तथा जनगणना कोषांग के पदाधिकारी, कर्मी एवं कंप्यूटर ऑपरेटर शामिल हुए। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जनगणना से संबंधित कार्यों के लिए पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्रशिक्षित करना तथा जनगणना प्रक्रिया को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रभावी ढंग से संपादित करने हेतु आवश्यक तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराना है।

शंख नदी के समीप चला सघन वाहन जांच अभियान



झारखण्ड उजाला, संवाददाता

वसूला गया 70.000 रुपए फाइन

लोहरदगा: सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए जिला प्रशासन ने लोहरदगा-रांची मुख्य सड़क पर शंख नदी के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया। उपायुक्त संदीप कुमार मीणा के निर्देश पर डीटीओ के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से करीब 70 हजार रुपये जुमार्ना वसूला गया। इस दौरान बिना हेलमेट, ट्रिपल लोडिंग और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन चालान काटा गया। वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन के आवश्यक कागजात साथ रखने की हिदायत दी गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जांच अभियान जारी रहेगा।
मौके पर डीआरएसओ अमृतेश्वर गिरी, रोड सेफ्टी इंजीनियर कृष्ण कुमार और पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

जमीन, शिक्षा और अत्याचार से जुड़े 70 मामलों की एनसीएसटी में सुनवाई, कई शिकायतों का निपटारा



रांची। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की ओर से सर्कुलर रोड स्थित परिसदन में दो दिवसीय सुनवाई आयोजित की गई। इसमें जमीन विवाद, शिक्षा, विश्वविद्यालय, खेलकूद, युवा कार्य विभाग और सीसीएल से जुड़े कुल 70 मामलों की सुनवाई हुई। आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने बुधवार को बताया कि रांची जिले के 30 से 32 मामलों की सुनवाई की गई। इनमें जमीन पर कब्जा, पीएचडी का वायवा, सरकारी योजनाओं और अन्य समस्याओं से जुड़े मामले शामिल थे।डॉ. आशा लकड़ा ने बताया कि आयोग के हस्तक्षेप से कई मामलों में लोगों को राहत मिली है। निर्मला और सुनीता सांगा की जमीन का दखल-दिहानी कराया गया। रांची नगर निगम क्षेत्र में एक रैयती जमीन पर सड़क बनाई जा रही थी। आयोग के हस्तक्षेप के बाद निर्माण कार्य पर रोक लगाई गई और संबंधित रैयत को जमीन वापस दिलाई गई। निर्माण सामग्री भी वहां से हटा दी गई।रांची विश्वविद्यालय से पीएचडी कर रहीं शकुंतला उरांव का वायवा लंबे समय से नहीं हो रहा था। आयोग के हस्तक्षेप के बाद विश्वविद्यालय ने उनका वायवा घोषित कर दिया। उन्हें एक-दो दिन में डिग्री दिए जाने की बात कही गई। वहीं, मांझी को उनकी बकाया राशि का भुगतान भी कराया गया।पांकी निवासी सीताराम भगत की सरना, मसना और हड़गड़ी से जुड़ी भूमि पर कब्जा कर बंदोबस्ती कर दी गई थी। आयोग के हस्तक्षेप के बाद बंदोबस्ती निरस्त कर दी गई। कांके में सात लोगों की जमीन पर एक जमीन दलाल ने कब्जा कर लिया था। अब आयोग के हस्तक्षेप के बाद संबंधित लोग अपनी जमीन पर खेती कर रहे हैं।रामगढ़ में करमाली समुदाय के करीब 100 परिवारों के पास शौचालय की सुविधा नहीं थी। आयोग के हस्तक्षेप के बाद शौचालय निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई है। दिसंबर तक निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।वहीं, गिरिडीह जिले से जुड़े एक एससी मामले में आयोग ने सुनवाई के दौरान उपस्थित डीएसपी को निर्देश दिया कि एससी-एसटी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई जाए। मामले की जांच कर चार्जशीट दाखिल करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने को भी कहा गया।वहीं, मंटू मुर्मू ने आयोग के समक्ष शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी के विरोध में राज्य सरकार का पुतला दहन करने के दौरान उनके और उनके सहयोगियों के साथ मारपीट की गई। उनका आरोप है कि पार्टी का पट्टा पहने कुछ लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया और मॉब लिंचिंग की तैयारी में थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एससी-एसटी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने जाने पर पुलिस ने इनकार कर दिया था। इसके बाद उन्होंने आयोग से शिकायत की।डॉ. आशा लकड़ा ने बताया कि आयोग देशभर के आदिवासी समुदायों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुन रहा है। झारखंड के करीब 19-20 जिलों की समीक्षा की जा चुकी है। रांची के अलावा गढ़वा, पलामू, पश्चिमी सिंहभूम, धनबाद, बोकारो, पूर्वी सिंहभूम और गिरिडीह के लोग भी अपनी शिकायतें लेकर आयोग पहुंच रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश – सिकरी में वृक्ष रक्षाबंधन सह वन मेला संपन्न

केरेडारी (हजारीबाग) झारखंड उजाला



बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के केरेडारी प्रखंड अंतर्गत सिकरी स्थित पतरा कला चौक बस स्टैंड के समीप सोमवार को वन पर्यावरण मेला सह वृक्ष रक्षाबंधन समिति के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बड़कागांव के लोकप्रिय विधायक माननीय श्री रोशन लाल चौधरी जी शामिल हुए। समिति के सदस्यों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने मुख्य अतिथि का फूल-माला एवं अंगवस्त्र देकर भव्य स्वागत किया। अपने संबोधन में विधायक श्री चौधरी ने कहा कि ₹वृक्ष हमारे जीवन के प्राण हैं। वृक्षों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। आज आवश्यकता है कि हम विकास के साथ-साथ पर्यावरण का संतुलन भी बनाए रखें। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी कृतज्ञता और आने वाली पीढ़ी के प्रति हमारे दायित्व का प्रतीक है। हर व्यक्ति को कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए और उसकी रक्षा करनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित गणमान्य लोगों ने अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। मौके पर पर्यावरण मेला समिति के अध्यक्ष, सचिव, कोषाअध्यक्ष, दक्षिणी जिला परिषद अनीता सिंह, मुखिया श्री हित नारायण साव, उप मुखिया कैलाश महतो, विश्वनाथ कुमार बादल,तुलसी महतो, वन समिति के पदाधिकारी गण विधायक मीडिया प्रतिनिधि जागेश्वर कुमार सहित सैकड़ों महिला पुरुष उपस्थित थे। अंत में आयोजक समिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया।

चतरा में 164 किलो गांजा जब्त, तस्कर फरार



चतरा। नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन के तहत चतरा पुलिस ने 164 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। गांजा एक सफेद रंग की वरना कार में लादकर ले जाया जा रहा था। पुलिस को देखकर चालक समेत तीन लोग वाहन छोड़कर फरार हो गए। पुलिस फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सन्नी वर्धन ने बुधवार को प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि एक लग्जरी वाहन में गांजे की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर एसपी के निर्देश पर विशेष छापेमारी दल (एसआईटी) का गठन किया गया और सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान चतरा शहर की ओर से आ रही सफेद रंग की वरना कार के चालक ने तेज गति से वाहन निकालने का प्रयास किया।पुलिस टीम ने वाहन को रोकने की कोशिश की लेकिन चालक चकमा देकर भागने लगा। पुलिस ने पीछा किया तो चालक और वाहन में सवार दो अन्य लोग ग्राम सिकिद स्थित नदी के किनारे कार छोड़कर जंगल की ओर फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने वाहन की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार से 82 पैकेट गांजा बरामद हुआ। जिसका कुल वजन 164 किलोग्राम बताया गया। पुलिस ने गांजा और यूपी नंबर की वरना कार (रजिस्ट्रेशन नंबर यूपी-14सीएफ-5803) को विधिवत जब्त कर लिया। इस मामले में सदर थाना (कांड संख्या 448/2026) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। फरार आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। छापेमारी टीम में सदर थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक अनिल उरांव, वशिष्ठनगर थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह, सदर थाना के सहायक अवर निरीक्षक सफिक अंसारी तथा सदर थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

यूरोप में यूपी के 'योगी मॉडल' पर अमल के अंतरराष्ट्रीय निहितार्थ



स्मिता सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

यूरोप में कानून-व्यवस्था, हिंसक प्रदर्शनों, संगठित अपराध और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने की घटनाओं के संदर्भ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शासन-शैली पर चर्चा एक महत्त्वपूर्ण राजनीतिक और नीतिगत विषय है। लेकिन इसका विश्लेषण करते समय एक बुनियादी सवाल समझना आवश्यक है कि क्या यूरोप को यूपी के 'योगी मॉडल' की सख्ती अपनाने की जरूरत है, या उसे उस मॉडल के कुछ चुनिंदा प्रशासनिक उपायों से सीख लेनी चाहिए? यहां पर यह बुनियादी सवाल इसलिए ज्यादा महत्वपूर्ण है, क्योंकि वर्ष 2017 के बाद अमेरिका-यूरोप ने योगी मॉडल की आलोचना की थी!

लिहाजा, इस प्रश्न का उत्तर यूरोप की राजनीतिक व्यवस्था, मानवाधिकार संबंधी प्रतिबद्धताओं और उत्तर प्रदेश में अपनाई गई नीतियों के वास्तविक परिणामों को साथ रखकर ही दिया जा सकता है। लेकिन जब 'इस्लामिक अतिवादी' स्थानीय असंतुष्ट लोगों के साथ मिलकर यूरोप का इस्लामीकरण पर उतारू हों और ईरान का परोक्ष बरदहस्त उन्हें प्राप्त हो तो अमेरिका के बाद यूरोपीय विवशता समझी जा सकती है। सबसे पहला सवाल यह है की योगी मॉडल से हमारा आपका क्या आशय है? तो माकूल जवाब यही होगा कि राजनीतिक विमर्श में योगी मॉडल का प्रयोग मुख्यतः उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देने, अपराधियों के विरुद्ध पुलिस कार्रवाई, संगठित अपराध पर नियंत्रण, प्रशासनिक सख्ती और अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई जैसी नीतियों के लिए किया जाता है।

हालाँकि, इन सभी उपायों को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं है। अपराध की जाँच, दोषसिद्धि, सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना और संपत्ति संबंधी विवादों का निपटारा अलग-अलग कानूनी प्रक्रियाएँ हैं। चूंकि यूपी में बेलगाम अल्पसंख्यक अपराधियों, सत्ता संरक्षित बाहुबलियों, इनसे जुड़े मनबढ़ युवाओं और शातिर अपराधियों के इशारे पर अपराध कर रहे बहुसंख्यक अपराधियों को नियंत्रित करने में यूपी के योगी मॉडल ने आशातीत सफलता प्राप्त की



है, इसलिए चारो तरफ से जल रहे फ्रांस, इटली जैसे यूरोपीय देशों के पास कोई दूसरा चारा भी नहीं है।

सर्वप्रथम इटली की प्रमुख और मोदी की मित्र जॉर्जिया मेलोनी ने यूपी के योगी मॉडल पर अमल करने की घोषणा की, तत्पश्चात मोदी के दूसरे मित्र फ्रांस के प्रमुख मैक्रो ने जब यूपी के योगी मॉडल की अच्छी नीतियों पर अमल करना शुरू किया तो अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार 'गैंग' सक्रिय हो गया और यूरोपीय देशों को उस नकारा लोकतंत्र की दुहाई देने लगा, जहां के बेलगाम लोग 'जुल्मी पूंजीवादी अड्डों' को फूंकने के बजाय अपने देश के सार्वजनिक जगहों, नागरिक सुविधाओं और ठिकानों को ही फूंक रहे हैं!

यूरोप में इस मॉडल की चर्चा के तीन संभावित कारण हैं:-

एक, कानून का प्रभावी प्रवर्तनः हिंसा, लूटपाट और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वालों के विरुद्ध त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई करना।

दो, प्रशासनिक जवाबदेहीः पुलिस और स्थानीय प्रशासन की तैयारी, समन्वय तथा निर्णय लेने की क्षमता में सुधार करना।

तीन, राज्य की विश्वसनीयताः नागरिकों को यह भरोसा दिलाना कि शांतिपूर्ण जीवन, सार्वजनिक परिवहन और व्यापारिक गतिविधियों की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन किसी मॉडल का प्रभाव उसके नाम या राजनीतिक लोकप्रियता से नहीं, बल्कि उसके परिणामों और कानूनी प्रक्रियाओं के पालन से मापा जाना चाहिए।

दूसरा प्रासंगिक सवाल यह है कि यूरोप के लिए इसके क्या अंतरराष्ट्रीय निहितार्थ हो सकते हैं?

एक, कानून-व्यवस्था की बहस में बदलावः यदि यूरोपीय देश उत्तर प्रदेश की तरह अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई की गति, पुलिस-प्रशासन के समन्वय और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा पर अधिक ध्यान देते हैं, तो उनकी आंतरिक सुरक्षा नीतियों में बदलाव आ सकता है। इससे भारत के प्रशासनिक अनुभवों में अंतरराष्ट्रीय रुचि बढ़ सकती है।

दो, भारत की सॉफ्ट पावर और नीतिगत प्रतिष्ठाः भारत के किसी राज्य की प्रशासनिक नीति पर यूरोप में गंभीर चर्चा होना भारतीय संघीय व्यवस्था के अनुभवों को आंतरिक सुरक्षा नीतियों में बदलाव आ सकता है। इससे भारत के प्रशासनिक अनुभवों में अंतरराष्ट्रीय रुचि बढ़ सकती है।

तीन, मानवाधिकार और कानून के शासन पर बहसः यूरोप में पुलिस कार्रवाई के साथ नागरिक स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण प्रदर्शन और न्यायिक समीक्षा का विशेष महत्त्व है। यूरोप की परिषद ने 23 अक्टूबर 2026 के आसपास जारी अपने हालिया वक्तव्य में भी शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और हिंसा करने वाले व्यक्तियों के बीच अंतर करने तथा पुलिस बल के कानूनी और आनुपातिक इस्तेमाल पर जोर दिया है।

चार, भारत-यूरोप संबंधों में नई चर्चाः यदि यूरोपीय सरकारें भारतीय राज्यों के पुलिस प्रशिक्षण, डिजिटल निगरानी के कानूनी ढाँचे या प्रशासनिक समन्वय जैसे क्षेत्रों में उपयोगी अनुभव पाती हैं, तो तकनीकी सहयोग और नीतिगत संवाद के अवसर बन सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिज्ञ बताते हैं कि इसे अभी एक संभावित दिशा समझना चाहिए, न कि यूरोप द्वारा योगी मॉडल स्वीकार कर लेने का प्रमाण!

तीसरा अहम सवाल है कि क्या यूरोप में बुलडोजर नीति भी अपनाई जा सकती है? तो जवाब होगा कि यहीं पर इस बहस का सबसे संवेदनशील पक्ष सामने आता है। उत्तर प्रदेश में अवैध निमार्णों के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर ह्यबुलडोजर मॉडलह्न राजनीतिक विमर्श का प्रमुख हिस्सा रहा है। लेकिन अवैध निर्माण हटाना और किसी आपराधिक मामले में आरोपी व्यक्ति को दंडित करने के लिए उसकी संपत्ति गिराना, दोनों अलग बातें हैं।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 13 नवंबर 2024 को स्पष्ट किया कि केवल किसी आपराधिक मामले में आरोपी होने के आधार पर, कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना, किसी की संपत्ति गिराना असंवैधानिक है। न्यायालय ने नोटिस, सुनवाई और न्यायिक समीक्षा से जुड़े निर्देश भी दिए। लिहाजा, यूरोप में भी ऐसी किसी नीति को लागू करने के लिए स्थानीय कानून, संपत्ति अधिकार, निष्पक्ष सुनवाई और आनुपातिक कार्रवाई के मानकों का पालन आवश्यक होगा। इसलिए यूरोप के लिए संभावित सीख यह नहीं कि वह बिना कानूनी प्रक्रिया के कठोर दंडात्मक कार्रवाई अपनाए, बल्कि यह कि अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई प्रभावी, प्रमाण-आधारित और न्यायिक समीक्षा के अधीन हो। चौथा महत्वपूर्ण सवाल है कि योगी मॉडल बनाम यूरोपीय व्यवस्था की तुलनात्मक दृष्टि क्या है?

आज का राशिफल



स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली।

मेष राशि :- दोस्तों और भाइयों से सहयोग मिलेगा. नए काम शुरू होंगे और सोचे हुए काम भी पूरे होंगे. काम भी पूरे हो सकते हैं. संपत्ति के कामकाज पर ध्यान देंगे. आपका पराक्रम बढ़ सकता है. सौदेबाजी में बहुत अच्छी सफलता भी मिलने के योग हैं. आपका दिन परिवार, निजी जीवन और पैसों के मामले में ही बीत सकता है. जरूरी कामों की योजना बन सकती है. अपनी जिम्मेदारियों पर पूरा ध्यान दें. पार्टनर के लिए समय निकालें. सेहत के मामले में सावधानी जरूर रखें.

वृषभ राशि :- आज भागीदारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है. इस कारण आप बेचैन और अनिश्चित हो सकते है. आर्थिक पक्ष अस्थिर हो सकता है. व्यापारी वर्ग को सार्वजनिक समर्थन हासिल करने के लिए अथक प्रयास करने की आवश्यकता हैं. आपके आलोचक और शत्रु आपके लिए समस्याएं पैदा करेंगे, वह आप पर हावी हो सकते हैं. किन्तु आप कूटनीति के प्रयोग से उन्हें चुप करा सकते हैं.

मिथुन राशि :- आज अचल संपत्ति में लाभ के योग आपकी राशि में दिखाई देते हैं. आज का दिन प्यार मामलों के मामले में बहुत खास होगा. भाई-बहनों के साथ तर्क आपको काफी उदास कर सकता है और आप असहाय महसूस कर सकते हैं. परिवार में किसी को सुधारने का जिम्मा आप खुद उठा सकते हैं. रिश्तों के बीच आपसी समझ बढ़ाने के लिये भी दिन अच्छा है. आपको किसी प्रॉपर्टी से मुनाफा हो सकता है. आज आपको विवाह प्रस्ताव भी मिल सकते हैं?.

कर्क राशि :- नए काम और नई बिजनेस डील सामने आ सकती है.परेशानियों से निपटने के लिए दिन अच्छा रहेगा. कोई नया ऑफर भी मिल सकता है. सोचे हुए काम शुरू कर दें, आपके काम जल्दी ही पूरे हो जाएंगे.रोजमर्रा के काम पूरे होने में कोई रुकावट नहीं आएगी. आप आगे भीबढ़ेंगे. महत्वपूर्ण मीटिंग और काम करने के लिए दिन शुभ है. समस्याएं भी जल्दी ही खत्म हो जाएंगी.

सिंह राशि :- यह आपके लिए बाधाओं और मुश्किल से निपटने के लिए एक कठिन समय है. आज कार्यस्थल पर दूसरों की आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने से बचें. अपने लक्ष्यों को प्राथमिकताओं दें. दूसरों से उपहार प्राप्त करने का यह अच्छा समय है. लंबे समय से लंबित अदालती मामले आपके पक्ष में सुलझेंगे. जो लोग नौकरी की तलाश कर रहे हैं, उन्हें मौका मिलेगा. पारिवारिक एवं सामाजिक संदर्भ में आप किसी भी गलती के लिए सवालों के घेरे में आएंगे.

कन्या राशि :- नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है. आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं. प्रेमियों के मध्य कुछ मनमुटाव हो सकता है. आप नया वाहन खरीद सकते हैं. खर्च की मात्रा बढ़ने से आर्थिक तंगी का अनुभव हो सकता है. इष्टदेव की आराधना करें. शारीरिक परिश्रम की अधिकता रहेगी. आज पारिवारिक समस्याओं को लेकर भी आप परेशान हो सकते हैं लेकिन ध्यान रखें किसी भी परेशानी का हल करने में सक्षम हैं.

तुला राशि :- दिन आपके लिए अच्छा है. आप परिस्थितियों का फायदा उठाकर अपने काम पूरे कर सकते हैं. कामकाज में भी आपका मन लगेगा.आज आपको अचानक कुछ अच्छे अवसर मिल सकते हैं. आप उनका फायदा उठाने के लिए तैयार रहें. अचानक मन में बदलाव आ सकते हैंजो कि आपके लिए फायदेमंद रहेंगे. जीवनसाथी से संबंधों में अनुकूलता रहेगी. दिन आपके लिए अच्छा है. पार्टनर से सरप्राइज मिलने के योग हैं. आपकी सेहत अच्छी रहेगी.

वृश्चिक राशि :- आप सभी गतिविधियों में चमकेंगे और आज भाग्य आपका साथ देगा. नौकरीपेशा जातकों के लिए कोई विशेष कार्य सफलता प्रदान कर सकता हैं. विदेशी संपर्क वाले लोगों को कुछ अचानक लाभ मिलेगा और यात्रा भी हो सकती है. आय अच्छी रहेगी और स्वरोजगार में लिप्त जातक एक आकर्षक सौदे को अंतिम रूप प्रदान कर सकते हैं. पारिवारिक सदस्यों के मध्य सामंजस्य रहेगा और पारिवारिक उत्सव आपको व्यस्त रखेंगे.

धनु राशि :- आपके खर्चे बजट को बिगाड़ सकते हैं और इसलिए कई योजनाएँ बीच में अटक सकती हैं. आर्थिक निवेश और लेन-देन से बचें, नुकसान होने संभावना है. कमाई घट सकती है और धन अवरुद्ध हो सकता है. प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त कर सकेंगे. आज आपकी राशि में वाहन सुख दिखाई देता है आज खर्च की आशंकाएं आपके साथ हैं इसलिए खर्च करते समय आपको थोड़ा सावधानी बरतनी चाहिए. संबंधो में भावनाओं की प्रधानता रहेगी.

मकर राशि :- आज आपको दिनभर सावधान रहना होगा. कुछ लोग अपने स्वार्थ के कारण आपके ही लिए परेशानी खड़ी करने की कोशिश करेंगे, सावधान रहें. आपके मन में उथल-पुथल हो सकती है. पुरानी बातों में आज आप उलझे हुए रहेंगे. किसी समस्या का समाधान हाथों-हाथ नहींहोगा. कुछ खास काम आज अधूरे रह सकते हैं. काम में आपका मन नहीं लगेगा. बिजनेस में नए एग्रीमेंट अभी न करें तो ही अच्छा है. सेहत के मामले में दिन ठीक-ठाक रहेगा.

कुम्भ राशि :- आपका रचनात्मक कौशल आज चरम पर होगा और आप इसका उपयोग अपने सभी कामों में करेंगे. रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोग अच्छा करेंगे और अच्छा लाभ भी प्राप्त करेंगे. आप बैठकों, प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों और सम्मेलनों में लोकप्रिय रहेंगे. आप अपने घर को ठीक करने की योजना बनाएंगे और कुछ कलाकृतियों की खरीदारी भी करेंगे. आज आपकी सहभागिता बढ़ेगी और आप अपने दोस्तों या परिवार के साथ एक छोटी यात्रा कर सकते हैं.

मीन राशि :- आज कोई भी बड़ा कदम उठाने से पहले आपको उससे जुड़े जोखिम के उपर भी विचार करना चाहिए. कार्य स्थल पर किसी से झगड़ा और टकराव से बचने की कोशिश करें. आगे बढ़ने का दौर है. जो काम आपको दिया जाएगा, उसे आप निपटा लेंगे. आप जो भी करेंगे, उसके साथ कुछ एक्स्ट्रा जिम्मेदारी भी रहेगी. प्रेम संबंधों में सावधानी बरतें. आप अपने दिनभर के कामों की एक लिस्ट तैयार कर लें. परिवार की कुछ जिम्मेदारियां जीवनसाथी को सौंप सकते हैं.

ब्रिक्स संसदीय मंच है शांति और न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था का संकल्प

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का संसदीय संवाद, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनहित को प्राथमिकता देने पर बल इसी दृष्टि से विशेष प्रासंगिकता रखता है। संसद लोकतंत्र की आत्मा है। वह केवल कानून बनाने वाली संस्था नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं, पीड़ाओं, अधिकारों और अपेक्षाओं की प्रतिनिधि है। आज जब दुनिया युद्धों, क्षेत्रीय संघर्षों, आर्थिक अस्थिरता, आतंकवाद, व्यापारिक तनाव और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों से घिरी हुई है, तब अंतरराष्ट्रीय सहयोग की सार्थकता केवल कूटनीतिक घोषणाओं में नहीं, बल्कि आम आदमी के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में निहित है। ऐसे समय में 26-27 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली के संविधान सदन में आयोजित 12वां ब्रिक्स संसदीय मंच वैश्विक लोकतांत्रिक संवाद, जन-केंद्रित विकास और बहुपक्षीय सहयोग की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण अवसर बनकर सामने आया है। भारत की अध्यक्षता में आयोजित यह सम्मेलन इस विश्वास को सुदृढ़ करता है कि दुनिया की समस्याओं का स्थायी समाधान टकराव, वर्चस्व और संकीर्ण राष्ट्रीय हितों में नहीं, बल्कि संवाद, सहमति और साझा जिम्मेदारी में निहित है। इस संसदीय मंच का सबसे महत्त्वपूर्ण संदेश है कि विकास का वास्तविक उद्देश्य केवल आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सम्मान, सुरक्षा, अवसर और खुशहाली सुनिश्चित करना है। सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि, तकनीकी प्रगति, व्यापार का विस्तार और बुनियादी ढाँचे का विकास तभी सार्थक हैं, जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। विकास की चमक के बीच यदि गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी, असमानता और सामाजिक वंचना बनी रहती है, तो प्रगति का दावा अधूरा है। इसलिए जन-केंद्रित विकास की अवधारणा आज वैश्विक नीतियों की अनिवार्य कसौटी बननी चाहिए।



लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का संसदीय संवाद, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनहित को प्राथमिकता देने पर बल इसी दृष्टि से विशेष प्रासंगिकता रखता है। संसद लोकतंत्र की आत्मा है। वह केवल कानून बनाने वाली संस्था नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं, अधिकारों और अपेक्षाओं की प्रतिनिधि है। सांसदों का दायित्व सरकारों के निर्णयों का समर्थन करना भर नहीं, बल्कि उनकी समीक्षा करना, जनहित के प्रश्न उठाना और सत्ता को जवाबदेह बनाए रखना भी है। जब विभिन्न देशों के निर्वाचित प्रतिनिधि एक मंच पर बैठकर अनुभवों और विचारों का आदान-प्रदान करते हैं, तब संसदीय लोकतंत्र की शक्ति राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़कर वैश्विक कल्याण का माध्यम बन सकती है। इस मंच की प्रासंगिकता इसलिए भी बढ़ जाती है कि वर्तमान विश्व व्यवस्था अनेक विरोधाभासों से जूझ रही है। एक ओर विज्ञान, संचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने मानव जीवन को अभूतपूर्व क्षमताएँ प्रदान की हैं, वहीं दूसरी ओर युद्धों, अविश्वास, हथियारों की प्रतिस्पर्धा और आर्थिक विषमताओं ने मानवता के भविष्य को अनिश्चित बनाया है। ऐसे वातावरण में सांसदों का साझा दायित्व है कि वे अपने-अपने देशों की नीतियों को मानवीय संवेदनाओं, शांति और न्याय के व्यापक उद्देश्यों से जोड़ें। संसदों के बीच संवाद कार्यपालिका की कूटनीति को जनप्रतिनिधियों के अनुभवों से समृद्ध करता है और अंतरराष्ट्रीय निर्णयों में पारदर्शिता तथा लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करता है।

ब्रिक्स संसदीय मंच के चार प्रमुख आधार-संस्थागत लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास-भविष्य की वैश्विक राजनीति के लिए विशेष महत्त्व रखते हैं। संस्थागत लचीलापन लोकतांत्रिक संस्थाओं को संकटों के बीच भी सक्षम और उत्तरदायी बनाएगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के उपयोग में नैतिकता, पारदर्शिता तथा मानवीय हितों की रक्षा आवश्यक है, ताकि तकनीक सुविधा का माध्यम बने, असमानता और नियंत्रण का नहीं। इसी प्रकार सतत विकास का अर्थ आर्थिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना है। जलवायु संकट का सामना कोई देश अकेले नहीं कर सकता, इसके लिए संसाधनों, ज्ञान और उत्तरदायित्व का न्यायपूर्ण बँटवारा जरूरी है। इस सम्मेलन का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष ग्लोबल साउथ अर्थात विकासशील देशों की आवाज को अंतरराष्ट्रीय निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रभावशाली बनाना है। विश्व की बड़ी आबादी इन देशों में निवास करती है, लेकिन वैश्विक वित्तीय व्यवस्था, व्यापारिक नियमों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में उनकी अपेक्षाओं को हमेशा पर्याप्त स्थान नहीं मिला है। खाद्य सुरक्षा, उर्वरक उपलब्धता, ऊर्जा की सुलभता, ऋण का बोझ और विकास के लिए वित्तीय संसाधनों की कमी जैसी समस्याएँ करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित करती हैं। ऐसे में ब्रिक्स देशों के सांसदों को यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि वैश्विक नीतियाँ शक्तिशाली देशों के हितों तक सीमित न रहें, बल्कि विकासशील समाजों की वास्तविक आवश्यकताओं को भी प्रतिबिंबित करें। भारत की भूमिका इस संदर्भ में विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

दुखद हिंसा

कश्मीर में आतंकी हमलों का नया दौर दुखद ही नहीं, शर्मनाक भी है। बाहरी लोगों और विशेष रूप से बिहारवासियों को जिस तरह से निशाना बनाया गया है, उससे चिंता का दायरा बहुत बढ़ जाता है। मजदूरों और छोटे-मोटे धंधे करने वाले लोगों को मारने से किसका गौरव बढ़ रहा है? गरीबों की हत्या को आखिर किस आधार पर जायज ठहराया जा सकता है? कौन सा मजहब या कौन से राज्य की संस्कृति ऐसी हत्याओं का पक्ष ले सकती है? एक संदिग्ध संगठन ने प्रवासी मजदूरों पर हुए ताजा हमलों की जिम्मेदारी ली है और जो बहाना बनाया गया है, वह निंदनीय व हास्यास्पद है। इंसानियत पर धब्बा साबित हुए आतंकी चाहते हैं कि प्रवासी कश्मीर छोड़ जाएं, मानो कश्मीर उनकी व्यक्तिगत जायदाद हो? यह भी कहा गया है कि चूंकि बिहार में मुस्लिमों की हत्या हुई है, उसी का बदला लिया जा रहा है। बिहार या इतने बड़े देश में कहीं भी मुस्लिमों को निशाना बनाने जैसी कोई घटना नहीं है, इक्का-दुक्का हिंसक घटनाएं जो सामान्य रूप से होती आई हैं, उनमें पुलिस यथोचित कार्रवाई कर रही है। यह नहीं कहा जा सकता कि कश्मीर से बाहर देश में कहीं भी धार्मिक आधार पर विद्वेष की हवा चल रही हो। फिर भी अगर मजहब ही हत्या का आधार है, तो फिर सहारनपुर के सगीर अहमद को क्यों मारा गया? अपनी कुत्सित सुविधा के अनुसार, कभी बाहरी लोगों को, तो कभी गैर-मुस्लिमों को निशाना बनाना हर लिहाज से नाकाबिले बर्दाश्त है।

इन वारदात को अंजाम देकर आखिर कहां मुंह छिपाएंगे आतंकी? उन्हें ठिकाने लगाए बिना भारत में न्यायप्रियता स्थापित नहीं हो सकती। उनके कुतर्कों का जवाब सजा से ही देना चाहिए। कश्मीर में इस महीने मारे गए सभी 11 नागरिकों को न्याय मिलना चाहिए। अब सदी बदल चुकी है, आतंकवाद को भारत में कतई कामयाबी नहीं मिलने वाली। जो लोग हिम्मत करके कश्मीर पहुंचे हैं, जो लोग वहां अर्थव्यवस्था को बल प्रदान कर रहे हैं, उनके साथ नाइंसाफी दरअसल कश्मीर के साथ नाइंसाफी है। कश्मीर के लोगों को स्वयं ऐसी हिंसा का विरोध करना चाहिए। मानवीय और तार्किक आधार पर सोचना चाहिए। कश्मीर के दुश्मन हैं वे लोग, जो बाहरी या मजहबी आधार पर हिंसा कर रहे हैं। उनका चेहरा आज से तीस साल पहले छिप गया था, लेकिन अब नहीं छिपना चाहिए। भारत में हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह ऐसी हिंसा या सांप्रदायिकता के खिलाफ सावधान रहे। जो लोग कश्मीर में अमन चाहते हैं, उनके लिए यह परीक्षा की घड़ी है। यह अच्छी बात है कि बिहार सरकार अब कश्मीर में मारे जा रहे बिहारवासियों के परिजनों के साथ खड़ी हो गई है। हर राज्य को अपने नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान के प्रति सचेत रहना ही चाहिए। अगर बिहारवासी को कहीं सताया जा रहा है, तो इसकी चिंता बिहार के लोगों के साथ-साथ सरकार को भी होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड के लोगों का इस देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान है, इनके हित में देश में नई सजगता आनी चाहिए। कश्मीर में जो मजदूर मारे गए, उन्हें बिहार सरकार ही अकेले मुआवजा क्यों दे, क्या केंद्र सरकार को भी आगे नहीं आना चाहिए? कश्मीर में पूरी राजनीतिक बिरादरी को एकजुट होकर आगे आना होगा, ताकि हिंसा के नए दौर को समय रहते समाप्त किया जा सके और कश्मीरियत के दामन पर और दाग न लगे।

वामपंथियों के शिकंजे में जकड़ी कांग्रेस

देश के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू जी वामपंथ के साथ समाजवाद से भी प्रभावित थे, लेकिन उन्होंने कांग्रेस पार्टी की छवि मध्यमार्गीय दल की बनाए रखी और इसी कारण सभी वर्गों के बीच उसका जनाधार था। इंदिरा गांधी ने भी मध्यमार्ग पर ही चलना पसंद किया। यह बात और है कि एक समय सत्ता बचाए रखने के लिए उन्होंने वामपंथियों का साथ लिया। इसके बदले में उन्होंने शिक्षा एवं अकादमिक संस्थान वामपंथियों के हवाले कर दिए, लेकिन वे जानती थीं कि कांग्रेस की शक्ति मध्यमार्गीय दल बने रहने में ही है। इंदिरा जी के बाद राजीव गांधी ने भी कांग्रेस को मध्यमार्ग में ही रखने की कोशिश की, पर उनके कुछ करीबी वामपंथी भी थे।

नरसिंह राव को अपनी अल्पमत सरकार चलाए रखने के लिए वाम दलों का साथ लेना पड़ा, लेकिन वे उनके प्रभाव-दबाव में नहीं आए और इसी कारण देश का कायाकल्प करने वाले आर्थिक सुधार लागू कर पाए। मनमोहन सिंह को भी वाम दलों का सहयोग लेना पड़ा, लेकिन वे एक सीमा से अधिक उनके दबाव में नहीं आए। उन्होंने अमेरिका से परमाणु समझौते पर वाम दलों के विरोध की परवाह नहीं की।

हालांकि इसी दौर में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की 'सुपर सरकार' कही जाने वाली राष्ट्रीय सलाहकार परिषद में वामपंथियों का बोलबाला था। इस परिषद में ज्यां द्रेज, हर्ष मंदर, अरुणा राय जैसे वामपंथी रुझान वाले शामिल थे और उनके प्रभाव में मनमोहन सरकार की कई नीतियां भी बनीं। जब घोषित और अघोषित रूप से कांग्रेस की कमान राहुल गांधी के हाथों में आई तो प्रारंभ में उनके करीबी कांग्रेस के दूसरी पीढ़ी के युवा नेता थे, लेकिन एक-एक करके वे उनका साथ छोड़ गए। इनका स्थान लेना शुरू किया वाम विचार वाले नेताओं ने।

अन्ना आंदोलन के समय जिन धुर वामपंथी प्रशांत भूषण ने आंदोलनजीवी के रूप में उभरे योगेंद्र यादव के साथ मिलकर कांग्रेस की ईंट से ईंट बजाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, वे आज राहुल के प्रमुख सहयोगियों में से हैं। इन्हीं योगेंद्र यादव ने एक बार कहा था कि कांग्रेस को मर जाना चाहिए। हाल के वर्षों में राहुल के आसपास वामपंथी विचार वाले नेताओं की जुटान भी बढ़ी है और कांग्रेस में उनका प्रभाव भी।

वामपंथी छात्र नेता कन्हैया कुमार को कांग्रेस में आए लंबा समय हो गया है, लेकिन फिलहाल वे हाशिए पर दिखते हैं। उनकी जगह नई एंट्री नेहा बोरा की होती दिख रही है। बीते दिनों राहुल ने वोट चोरी के अपने शिगूफे के तहत जो धरना-प्रदर्शन किए, उसमें नेहा की खासी भूमिका रही। नेहा ने काकरोच जनता पार्टी के धरना-प्रदर्शन में भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। राहुल वाम रुझान वाले इस समूह को भी करीब लाने जा रहे हैं। राहुल ने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में नेहा और प्रशांत भूषण को बोलने का खास तौर पर अवसर दिया। इससे यही लगा कि उन्हें अपने छात्र संगठन के नेताओं पर उतना भरोसा नहीं, जितना वामपंथी छात्र नेता नेहा पर है।

कन्हैया भाकपा के छात्र संगठन के नेता थे तो नेहा वामपंथी छात्र संगठन आइसा की अध्यक्ष हैं। यह संगठन भाकपा (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन से जुड़ा हुआ है। वामपंथ की यह धारा नक्सलबाड़ी के हिंसक संघर्ष से निकली मानी जाती है। इस दल ने हिंसक माओवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों के अभियानों को रोके जाने की मांग की थी और आइसा ने तो बाटला हाउस एनकाउंटर में मारे गए आतंकियों के लिए न्याय की मांग करते हुए जुलूस निकाला था। आपको यह याद ही होगा कि एक बार सलमान खुर्शीद ने कहा था कि उन्होंने जब बाटला हाउस में मारे गए युवकों के फोटो सोनिया जी को दिखाए तो उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े।



31 अक्तूबर तक कहां-कहां आंधी-बारिश का अलर्ट, पटना में कब-कैसा रहेगा मौसम

एजेंसी

पटना। बिहार में अगले चार दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रह सकता है। मौसम विभाग ने आज से ही कई जिलों में बारिश की संभावना जताई है। कई जिलों में तेज हवा, मेघगर्जन और वज्रपात का अलर्ट जारी किया गया है। अधिकतम तापमान दो से चार डिग्री तक गिर सकता है। जानिए पटना समेत किस जिले में 31 नवंबर तक कैसा रहेगा मौसम? बिहार में चक्रवाती तूफान ह्यअर्नबह्ल के प्रभाव से आज से मौसम बदलने वाला है। सुबह से कई जिलों में धूप-छांव का खेल जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 28 अक्तूबर से एक नवंबर तक राज्य में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी। इस दौरान अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश, जबकि कुछ जगहों पर भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। कई जिलों में मेघगर्जन, वज्रपात और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से



झोंकेदार हवा चलने की आशंका है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। आज पटना समेत किन जिलों में बारिश का अलर्ट? मौसम विभाग के अनुसार, 28 अक्तूबर को पटना, जहानाबाद, गया, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, बेगूसराय, लखीसराय, जमुई, मुंगेर, खगड़िया, बांका और भागलपुर में तेज हवा के साथ बारिश होने की संभावना है। इन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। लोगों को खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। 29 अक्टूबर को किन जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट 29 अक्तूबर को राज्य के सभी हिस्सों में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, भोजपुर और बक्सर में आंधी, बारिश और वज्रपात को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, पटना, जहानाबाद, गया, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, जमुई, बांका, मुंगेर, भागलपुर, कटिहार, पूर्णिया, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, बेगूसराय, दरभंगा, मधुबनी, वैशाली, सारण, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज और सिवान में बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। 30 और 31 अक्तूबर को कैसा रहेगा मौसम मौसम विभाग के अनुसार, 30 और 31 अक्तूबर को भी पटना समेत बिहार के कई जिलों में बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। इस दौरान राज्य के कई हिस्सों में बारिश, मेघगर्जन और वज्रपात हो सकता है। लगातार बारिश के कारण निचले इलाकों में जलजमाव और सड़कों पर पानी भरने की आशंका है। इससे यातायात और परिवहन व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। तेज हवा से कमजोर और असुरक्षित संरचनाओं को नुकसान पहुंचने की भी आशंका है। मौसम विभाग ने किसानों को क्या चेतावनी दी? मौसम विभाग ने किसानों को चेतावनी दी है कि भारी बारिश और तेज हवा से खड़ी फसलों, बागानों और फलोद्यानों को नुकसान हो सकता है। केले, पपीते, सहजन और आम जैसे पेड़ों पर भी इसका असर पड़ने की आशंका है। किसानों को अपनी फसलों और बागानों की सुरक्षा के लिए जरूरी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। चक्रवाती तूफान ह्यअर्नब' को लेकर अलर्ट, 28 से 31 तक बारिश-वज्रपात की चेतावनी, प्रशासन की एडवाइजरी जारी अगले तीन दिनों में कितना गिरेगा तापमान? मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान बिहार में मौसम शुष्क रहा। राज्य में अधिकतम तापमान 29.8 से 35.4 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। सुपौल और भभुआ (कैमूर) में सर्वाधिक 35.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। वहीं, किशनगंज के अर्राबरी में न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस रहा। अगले दो दिनों तक अधिकतम तापमान में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। अगले पांच दिनों तक न्यूनतम तापमान में विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय है चक्रवाती तूफान मौसम विभाग के मुताबिक, अति प्रचंड चक्रवाती तूफान ह्यअर्नबह्ल 27 अक्टूबर की सुबह पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में सक्रिय था। यह विशाखापत्तनम से लगभग 220 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व और काकीनाडा से 240 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में स्थित था। इसके 28 अक्टूबर की पूर्वाह्न तक बापटला और विशाखापत्तनम के बीच यानम के निकट आंध्र प्रदेश के तट को पार करने की संभावना जताई गई थी। इस दौरान हवा की अधिकतम निरंतर गति 125 से 135 किलोमीटर प्रति घंटे और झोंकों की गति 150 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान था। मौसम विभाग ने आम लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है

सरकारी स्कूलों के अतिथि शिक्षकों को अनुभव का लाभ नहीं मिलेगा, पटना हाईकोर्ट का अहम फैसला

एजेंसी

पटना। पटना हाईकोर्ट ने बिहार के सरकारी स्कूलों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को स्थायी शिक्षक भर्ती में अनुभव के आधार पर अतिरिक्त अंक देने की मांग खारिज कर दी। न्यायमूर्ति हरीश कुमार की एकलपीठ ने स्पष्ट किया कि सभी अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त करना अनिवार्य है और भर्ती नियमों में छूट नहीं दी जा सकती। पटना उच्च न्यायालय ने राज्य के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को स्थायी शिक्षक भर्ती में अनुभव के आधार पर अतिरिक्त अंक देने की मांग पूरी तरह खारिज कर दी है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया में न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त करना सभी अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य है। अनुभव का लाभ लेने से पहले अभ्यर्थियों को अपनी विषयगत योग्यता साबित करनी होगी। भर्ती प्रक्रिया में वेटेज देने से इन्कार न्यायाधीश हरीश कुमार की एकलपीठ ने अभिषेक कुमार सिंह तथा 29 अन्य अभ्यर्थियों की ओर से दायर रिट याचिका पर सुनवाई के उपरांत यह निर्णय सुनाया। याचियों ने विज्ञापन संख्या 22/2024 के तहत आयोजित शिक्षक भर्ती में प्रत्येक कार्य वर्ष के लिए पांच अंक और अधिकतम 25 अंक तक अनुभव वेटेज देने का अनुरोध किया था। याचियों की दलील थी कि वे बिहार के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में विभिन्न विषयों के अतिथि शिक्षक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना था कि अनुभव के अंक जुड़ने से वे तय कटऑफ से अधिक अंक प्राप्त करके चयन सूची में स्थान पा सकते थे। न्यूनतम अर्हता अंक हासिल करना अनिवार्य मामले की सुनवाई के दौरान बिहार लोक सेवा आयोग ने अपना पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया कि भर्ती विज्ञापन की कंडिका 4 में न्यूनतम अर्हता अंकों की शर्त पूरी तरह साफ है। आयोग ने अपने तर्क के समर्थन में कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के 6 जुलाई 2007 के संकल्प संख्या 2374 तथा 1 अक्तूबर 2008 के पत्र संख्या 6706 का संदर्भ दिया। आयोग का कहना था कि किसी भी अभ्यर्थी के लिए भर्ती परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम उत्तीर्ण अंक हासिल करना वैधानिक रूप से अनिवार्य है। इस शर्त में किसी भी प्रकार की छूट देना भर्ती नियमों के सर्वथा प्रतिकूल होगा।

ई-चालान न भरने पर बिहार में गाड़ियां होंगी ब्लैकलिस्ट, रुकेंगी ऑनलाइन सेवाएं

एजेंसी

पटना। बिहार में बकाया ई-चालान का भुगतान नहीं करने वाले वाहन मालिकों पर परिवहन विभाग सख्ती करेगा। ऐसे वाहनों को पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट कर नवीनीकरण, फिटनेस, प्रदूषण प्रमाण-पत्र और स्वामित्व हस्तांतरण जैसी सेवाएं रोकी जा सकती हैं। बार-बार नियम तोड़ने वालों के लाइसेंस पर कार्रवाई और जांच के दौरान वाहन जब्ती का भी प्रावधान है। यातायात नियमों के उल्लंघन पर जारी होने वाले ई-चालान का समय पर भुगतान न करने वाले वाहन स्वामियों के खिलाफ बिहार परिवहन विभाग अब कड़ा रुख अपनाने जा रहा है। बकाया जुमार्ना न भरने वाली गाड़ियों को परिवहन विभाग के पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा और उनकी सभी ऑनलाइन सेवाएं रोक दी जाएंगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जब



तक लंबित जुमार्ने का पूरा भुगतान नहीं होगा, तब तक वाहनों से संबंधित किसी भी प्रशासनिक या ऑनलाइन प्रक्रिया की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऑनलाइन सेवाओं पर लगेगी पूर्ण रोक सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित हालिया आदेश के बाद राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसन ने इस संबंध में सभी क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार के सचिवों और जिला परिवहन अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। विभागीय निदेर्शों के अनुसार, बकाया यातायात जुमार्ने की राशि रखने वाले वाहनों के निबंधन प्रमाण-पत्र के नवीकरण, निबंधन प्रमाण-पत्र की द्वितीयक प्रति जारी करने और वाहन स्वामी के पत्राचार पते में बदलाव जैसी सेवाओं को पूरी तरह रोक दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, बकाया जुमार्ने का पूर्ण भुगतान होने तक वाहन का अद्यतन दुरुस्ती प्रमाण-पत्र अर्थात फिटनेस प्रमाण-पत्र और प्रदूषण प्रमाण-पत्र भी निर्गत नहीं किया जाएगा। लाइसेंस निलंबन और वाहन जब्ती का प्रावधान परिवहन विभाग ने लंबित जुमार्ने वाले वाहनों को पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट करने के साथ-साथ उनके स्वामित्व हस्तांतरण की प्रक्रिया पर भी रोक लगाने का निर्देश दिया है। इससे बकाया राशि का भुगतान किए बिना वाहन की खरीद-बिक्री या हस्तांतरण संभव नहीं हो सकेगा। बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों पर शिकंजा कसते हुए उनके ड्राइविंग लाइसेंस के नवीकरण पर रोक लगाने तथा नियमानुसार लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा सड़कों पर वाहनों की रैंडम जांच की जाएगी। जांच के दौरान यदि किसी वाहन पर ई-चालान का भुगतान लंबित मिलता है, तो अधिकारी उस वाहन को मौके पर जब्त करने की कार्रवाई करेंगे।

लोकतंत्र बचाने के लिए सड़क पर उतरे भाजपा नेता, सीएम सम्राट ने संभाला मोर्चा

एजेंसी

पटना। राजधानी पटना में भाजपा ने विपक्ष के खिलाफ मोर्चा खोला है। ह्यलोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओह्ल अभियान के तहत निकाली जा रही पदयात्रा में सीएम सम्राट चौधरी शामिल हुए। भाजपा ने विपक्ष पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। पटना में भाजपा की ओर से बुधवार को ह्यलोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओह्ल अभियान के तहत पदयात्रा निकाली जा रही है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं। पदयात्रा शुरू होने से पहले वह मंच से पार्टी कार्यकताओं को संबोधित कर रहे हैं। कार्यक्रम के लिए गांधी मैदान स्थित कारगिल चौक पर कार्यकताओं का जुटना शुरू हो गया है। पदयात्रा कारगिल चौक से शुरू होकर मौर्या होटल के पास स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा तक जाएगी। भाजपा ने इस आयोजन के



जरिए लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं और मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर जनता के बीच अपना पक्ष रखने की तैयारी की है। विपक्ष पर बरसे मंत्री दिलीप जायसवाल कार्यक्रम के दौरान मंत्री दिलीप जायसवाल ने विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों में विपक्ष की ओर से देश में अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश की गई है। जायसवाल ने कहा कि सत्ता पाने की बेचैनी में विपक्ष मानसिक दिवालियापन की स्थिति में पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि इन्हीं परिस्थितियों के विरोध में भाजपा ने लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा आयोजित की है। भाजपा का कहना है कि अभियान का उद्देश्य लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों का विश्वास मजबूत करना और संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। पार्टी इस कार्यक्रम के माध्यम से विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे राजनीतिक मुद्दों पर भी जनता के सामने अपना पक्ष रखना चाहती है।

परीक्षा शुरू होने के बाद पूर्णिया से लीक हुआ प्रश्नपत्र, केंद्राधीक्षक और कर्मी की मिलीभगत

एजेंसी

पटना। बिहार दरोगा भर्ती परीक्षा में धांधली की जांच के दौरान आर्थिक अपराध इकाई ने पूर्णिया के परीक्षा केंद्र से प्रश्नपुस्तिकाएं बाहर भेजे जाने का खुलासा किया है। रिपोर्ट में केंद्राधीक्षक और कार्यालय कर्मी की कथित मिलीभगत सामने आई। दो अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ मिलने की बात भी सामने आई है। मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग द्वारा आयोजित दरोगा भर्ती की प्रारंभिक परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक करने और सॉल्वर गिरोह से हल कराने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। आर्थिक अपराध इकाई की विशेष जांच टीम ने पाया है कि परीक्षा शुरू होने के बाद पूर्णिया के एक केंद्र से अनधिकृत रूप से प्रश्नपुस्तिकाएं बाहर भेजी गईं। इन प्रश्नपत्रों के उत्तर तैयार करा अभ्यर्थियों तक पहुंचाए गए, जिससे वे परीक्षा में सफल भी हो गए। प्राथमिकी दर्ज और जांच प्रक्रिया इस मामले में आर्थिक अपराध इकाई ने मंगलवार को भारतीय न्याय संहिता, 2023 और बिहार लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम, 2024 की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। जांच रिपोर्ट के अनुसार, 18 जनवरी 2026 को आयोजित प्रारंभिक परीक्षा के दौरान प्रथम पाली में प्रश्नपुस्तिका संख्या 51212241 और द्वितीय पाली में प्रश्नपुस्तिका संख्या 52212038 को परीक्षा केंद्र से अनधिकृत रूप से बाहर भेजा गया। यह धांधली पूर्णिया सिटी स्थित 2 आरपीसी हाई स्कूल केंद्र पर परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से अंजाम दी गई। केंद्राधीक्षक और कर्मी की मिलीभगत विशेष जांच टीम ने पड़ताल में केंद्राधीक्षक मो. मुज्जफर आलम और उनके सहयोगी कार्यालय कर्मी विवेक कुमार की संलिप्तता पाई है। धांधली को अंजाम देने के लिए वास्तविक सीटिंग प्लान से छेड़छाड़ कर नया सीटिंग प्लान तैयार किया गया था। इसके साथ ही साक्ष्य छिपाने और आयोग को गलत प्रतिवेदन भेजने के प्रमाण मिले हैं। केंद्र पर निर्धारित नियमों की अनदेखी कर अभ्यर्थियों को गलत तरीके से बैठाया गया, वीक्षकों की मनमाने ढंग से नियुक्ति की गई और ड्यूटी चार्ट पर गलत हस्ताक्षर कराए गए। इसके अलावा सीसीटीवी फुटेज, अभिलेखों और वीक्षकों के लिखित बयानों की गहन जांच से इस पूरे मामले की पुष्टि हुई है। परीक्षा शुरू होने के बाद हुआ लीक जांच में यह बात स्पष्ट हुई है कि परीक्षा शुरू होने से पहले प्रश्नपत्रों की सुरक्षा शृंखला टूटने का कोई साक्ष्य नहीं मिला है। दोनों प्रश्नपुस्तिकाएं परीक्षा आरंभ होने के उपरांत ही केंद्र से बाहर निकाली गई थीं। इस धांधली से अनुचित लाभ उठाने वाले अभ्यर्थी रूपेश कुमार और नरेश कुमार प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुए थे, जिनमें से रूपेश ने मुख्य परीक्षा भी पास कर ली थी। दोनों अभ्यर्थियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई के लिए आयोग को अनुशंसा भेजी जा रही है। गौरतलब है कि 2 सितंबर को गठित एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर आयोग द्वारा मुख्य परीक्षा को पहले ही रद्द किया जा चुका है।

अनंत सिंह का एलान- जन सुराज प्रत्याशी हार गए; जदयू में वापसी और नीरज से दुश्मनी पर क्या बोले

एजेंसी

पटना। बिहार विधान परिषद चुनाव में चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के परिणाम घोषित हो गए हैं। पटना शिक्षक सीट पर राजद के डॉ. संजीव ने भाजपा के नवल किशोर यादव को 1,057 मतों से हराया। तिरहुत शिक्षक सीट पर भाजपा के नरेंद्र सिंह ने 600 मतों से जीत दर्ज की, जबकि सारण शिक्षक सीट पर निर्दलीय राहुल राज 1,815 मतों से विजयी हुए। बिहार विधान परिषद की आठ सीटों पर हुए चुनाव की मतगणना के बीच चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के परिणाम घोषित हो चुके हैं। पटना शिक्षक सीट पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के डॉ. संजीव ने भाजपा के नवल किशोर यादव को 1,057 मतों से हराकर जीत दर्ज की। इस नतीजे के साथ पटना शिक्षक सीट पर भाजपा को



करीब तीन दशक बाद हार का सामना करना पड़ा है। वहीं, तिरहुत शिक्षक सीट पर भाजपा के नरेंद्र सिंह, सारण शिक्षक सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी राहुल राज और दरभंगा शिक्षक सीट पर जन सुराज के सुरेश प्रसाद राय ने जीत हासिल की है। दूसरी ओर, स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना जारी है। इसी बीच मोकामा के विधायक अनंत सिंह ने नीरज कुमार को बधाई देने से इनकार करते हुए अपनी नाराजगी की वजह भी बताई। पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में राजद के डॉ. संजीव ने भाजपा प्रत्याशी नवल किशोर यादव को 1,057 मतों से पराजित किया। इस जीत के साथ पटना शिक्षक सीट पर भाजपा का करीब तीन दशक पुराना कब्जा समाप्त हो गया। चुनाव परिणाम को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा है। तिरहुत शिक्षक सीट पर भाजपा के नरेंद्र सिंह जीते तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी नरेंद्र सिंह ने जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 600 मतों के अंतर से हराया। सारण शिक्षक सीट पर निर्दलीय राहुल राज की जीत सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा से अलग होकर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे राहुल राज ने जीत हासिल की। उन्होंने 1,815 मतों के अंतर से मुकाबला अपने नाम किया। दरभंगा शिक्षक सीट से जन सुराज के सुरेश प्रसाद राय निर्वाचित दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जन सुराज के प्रत्याशी सुरेश प्रसाद राय ने जीत दर्ज की है। इसके साथ ही चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के परिणाम सामने आ चुके हैं।

रैगिंग पर बड़ी कार्रवाई, 146 छात्र निलंबित, छात्रावास खाली करने के निर्देश

एजेंसी

पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज में रैगिंग के आरोपों पर प्रशासन ने वर्ष 2025 बैच के 146 विद्यार्थियों को तीन महीने के लिए निलंबित कर छात्रावास खाली करने का निर्देश दिया है। 2023 और 2024 बैच की छात्राओं पर भी कार्रवाई हुई। मामले के साक्ष्य साइबर सेल को जांच के लिए सौंपे गए हैं। नालंदा मेडिकल कॉलेज में नए दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के साथ रैगिंग के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। संस्थान की प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. उषा कुमारी ने वर्ष 2025 बैच के सभी 146 विद्यार्थियों को तीन महीने के लिए कक्षाओं से निलंबित कर दिया है। इन आरोपित विद्यार्थियों की कक्षाएं जनवरी 2027 तक निलंबित रहेंगी। कॉलेज प्रशासन ने इन सभी छात्रों को 24 घंटे के भीतर छात्रावास खाली करके परिसर छोड़ने का कड़ा निर्देश जारी किया है। नालंदा मेडिकल कॉलेज में हाल ही में एमबीबीएस की सीटें 150 से बढ़ाकर 200 की गई थीं। बढ़ी हुई सीटों पर वर्ष 2026 में दाखिला लेने वाले छात्र-छात्राओं के साथ वर्ष 2025 बैच के विद्यार्थियों ने विभिन्न तरीकों से रैगिंग की घटना को अंजाम दिया। कॉलेज प्रशासन ने आधी रात को छात्रावास की छत पर नवनामांकित छात्राओं को ले जाकर रैगिंग करने के आरोप में वर्ष 2023 और वर्ष 2024 बैच की सभी छात्राओं पर भी कठोर कदम उठाया है। इन वरिष्ठ छात्राओं को अगले आदेश तक के लिए कक्षाओं से निलंबित करते हुए तत्काल प्रभाव से छात्रावास खाली करने का आदेश दिया गया है। इन छात्राओं पर नए सत्र की छात्राओं को रोककर उनका नाम और पता पूछने तथा आधी रात में छत पर ले जाकर परेशान करने के गंभीर आरोप लगे हैं।

संक्षिप्त डायरी

दुबई से लौटते ही स्मैक तस्करी में जुटा आकिब, मुर्गा फार्म हाउस में छिपा रखी थी 3 करोड़ की खेप

एजेंसी

पटना 3 करोड़ की स्मैक के साथ मुर्गा फार्म हाउस से एक तस्कर गिरफ्तार. पुलिस विदेशी संपर्कों और तस्करी के नेटवर्क की जांच कर रही है. जानिए पूरी कहानी. पटना. फुलवारीशरीफ में स्मैक तस्करी के आरोप में गिरफ्तार आकिब खान से पूछताछ में पुलिस को नशे के कारोबार से जुड़े कई अहम सुराग मिले हैं. पुलिस के अनुसार, गिरोह दूसरे राज्यों से स्मैक की खेप लाकर पटना में कॉलेजों, लॉज और होटलों के आसपास खपाता था. पुलिस की नजरों से बचने के लिए आकिब ने ग्यास नगर में लीज पर मुर्गा फार्म हाउस ले रखा था, जहां स्मैक छिपाकर रखी जाती थी. आकिब काम के सिलसिले में दुबई भी जा चुका है और इसी साल भारत लौटा है. अब पुलिस उसके विदेशी संपर्कों और तस्करी के नेटवर्क की जांच कर रही है. वहीं, फरार साथी और गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है. मुर्गा फार्म हाउस से 1.776 किलो स्मैक बरामद एसपी सेंट्रल चंद्र प्रकाश ने बताया कि 26 अक्टूबर को पुलिस को सूचना मिली थी कि फुलवारीशरीफ की मिल्लत कॉलोनी में कुछ लोग स्मैक की तस्करी कर रहे हैं. इसके बाद एसडीपीओ फुलवारीशरीफ-1 के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी कर नया पठान टोली निवासी आकिब खान उर्फ मोहम्मद साकिब खान को गिरफ्तार किया. आरोपित की निशानदेही पर ग्यास नगर स्थित मुर्गा फार्म हाउस की तलाशी ली गयी. वहां से 1.776 किलोग्राम स्मैक, एक देसी पिस्टल, दो मैगजीन, दो एयर गन और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया. पुलिस के अनुसार, बरामद स्मैक की कीमत करीब दो से तीन करोड़ रुपये आंकी गयी है. हालांकि, छापेमारी के दौरान उसका एक साथी फरार हो गया. दो साल से चल रहा था नशे का कारोबार पुलिस की छानबीन में सामने आया है कि गिरोह करीब दो साल से स्मैक की तस्करी कर रहा था. तस्कर ट्रेन और निजी वाहनों से पश्चिम भारत के राज्यों से स्मैक की खेप पटना लाते थे. इसके बाद स्मैक की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर कॉलेजों, लॉज और होटलों के आसपास बेची जाती थी. पुलिस के अनुसार, आकिब के फरार साथी के खिलाफ तस्करी समेत अन्य मामलों में पहले से पांच केस दर्ज हैं. पुलिस अब गिरोह के दूसरे सदस्यों की पहचान करने और नशे के कारोबार से जुड़े अन्य ठिकानों का पता लगाने में जुटी है. दुबई में संपर्कों की भी होगी जांच आकिब काम के सिलसिले में दुबई जा चुका है और इसी साल भारत लौटा है. पुलिस उसके मोबाइल फोन की जांच कर रही है, ताकि तस्करी के नेटवर्क और उसके संपर्कों के बारे में जानकारी मिल सके. जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि दुबई में रहने के दौरान उसके संपर्क में कौन-कौन लोग आये थे और क्या इन संपर्कों का नशे के कारोबार से कोई संबंध है. इसके अलावा पुलिस बरामद देसी पिस्टल और मैगजीन के स्रोत का पता लगा रही है. एयर गन रखने के उद्देश्य की भी जांच की जा रही है. फरार आरोपित और गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है

मसौढ़ी में दो फ्लैटों में चोरी, एक से 2 लाख नकद समेत 40 लाख के जेवरात ले उड

एजेंसी

पटना मसौढ़ी में दिनदहाड़े हुई चोरी की घटना ने सनसनी फैला दी है. चोरों ने दो फ्लैटों के ताले तोड़कर लाखों के जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया. मसौढ़ी. नगर के अनुमंडल अस्पताल रोड स्थित आदर्शनगर में मंगलवार की दोपहर चोरों ने दिनदहाड़े एक मकान के दो फ्लैटों का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया. एक फ्लैट से 2.11 लाख रुपये नकद और करीब 40 लाख रुपये के जेवरात चोरी होने की बात सामने आयी है. वहीं, इसी मकान में स्थित दूसरे फ्लैट का ताला भी टूटा मिला. वहां से एक कान की बाली चोरी होने की सूचना है. दिनदहाड़े हुई इस वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया. किरायेदार के फोन से मिली चोरी की जानकारी जानकारी के अनुसार, धनरूआ प्रखंड के दमड़ीचक गांव निवासी स्वर्गीय भोला सिंह के पुत्र अजीत कुमार का मकान मसौढ़ी कोर्ट हॉल्ट के सामने स्थित है. मंगलवार को वह अपने गांव दमड़ीचक गये हुए थे. इसी दौरान दोपहर करीब एक बजे उनके किरायेदार ने फोन कर फ्लैट का ताला टूटे होने की सूचना दी. सूचना मिलते ही अजीत कुमार मकान पर पहुंचे. अंदर जाने पर उन्होंने देखा कि घर का सामान बिखरा पड़ा था और गोदरेज तथा अलमारियां टूटी हुई थीं. उनके अनुसार, बदमाश घर से 2.11 लाख रुपये नकद और करीब 40 लाख रुपये के जेवरात चोरी कर ले गये. इसके बाद उन्होंने पुलिस को घटना की जानकारी दी. होमगार्ड जवान के फ्लैट का भी ताला टूटा इसी मकान में होमगार्ड जवान पूनम कुमारी का भी फ्लैट है. वह मसौढ़ी कोर्ट के हाजत में ड्यूटी करती हैं. चोरों ने उनके फ्लैट का ताला भी तोड़ दिया था. पूनम कुमारी की ओर से वहां से एक कान की बाली चोरी होने की सूचना दी गयी है. एक ही मकान के दो फ्लैटों को निशाना बनाये जाने से स्थानीय लोगों में दहशत है. एसडीपीओ पहुंचे, एफएसएल टीम ने जुटाये साक्ष्य घटना की सूचना मिलने पर एसडीपीओ राघव दयाल, सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार और पुलिस बल मौके पर पहुंचे. पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर छानबीन शुरू की. मामले की वैज्ञानिक जांच के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया, जिसने मौके से साक्ष्य जुटाये. एसडीपीओ राघव दयाल ने बताया कि चोरी की घटना की जांच की जा रही है. पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वारदात में कौन-कौन शामिल थे और चोर किस रास्ते से आये तथा फरार हुए.

पुटा चुनाव में सात पदों के सभी 34 उम्मीदवार वैध, एक प्रत्याशी का नामांकन रद्द, जानें वजह

एजेंसी

पटना पुटा चुनाव के लिए 34 उम्मीदवारों के दस्तावेज वैध पाए गए. अध्यक्ष पद के लिए 4, उपाध्यक्ष 6, महासचिव 6 और संयुक्त सचिव के लिए 12 उम्मीदवार मैदान में हैं. जानें कौन-कौन हैं प्रमुख दावेदार. पटना विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (पुटा) चुनाव के लिए मंगलवार को नामांकन पत्रों और संबंधित दस्तावेजों की जांच की गई. स्क्रूटनी में पदाधिकारी के सात पदों के लिए नामांकन करने वाले सभी 34 उम्मीदवारों के दस्तावेज वैध पाए गए. इसके बाद इन पदों के उम्मीदवारों की उम्मीदवारी पर मुहर लग गई है. एग्जिक्यूटिव मेंबर के लिए एक उम्मीदवार का पर्चा रद्द एग्जिक्यूटिव मेंबर के 19 पदों के लिए कुल 24 उम्मीदवारों ने नामांकन किया था. जांच के दौरान पटना साइंस कॉलेज यूनिट से उम्मीदवार दिनेश कुमार के दस्तावेज अवैध पाए गए. उनके प्रस्तावक और सह-प्रस्तावक दोनों दूसरे यूनिट के थे. इसी आधार पर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी गई. अब एग्जिक्यूटिव मेंबर के 19 पदों के लिए 23 उम्मीदवार मैदान में रहेंगे. अध्यक्ष पद के लिए चार उम्मीदवार मैदान में पुटा चुनाव में अध्यक्ष के एक पद के लिए चार उम्मीदवारों ने नामांकन किया है. इनमें डॉ शंकर कुमार, डॉ शिवसागर प्रसाद, डॉ सुप्रिया कृष्णन और डॉ कुमार सत्येंद्र यादव शामिल हैं. अध्यक्ष पद के लिए इन उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होगा. किया है. इनमें डॉ सुप्रिया कृष्णन, डॉ अर्चना जायसवाल, डॉ हरिष दास, डॉ सलिम जावेद, डॉ बीरेंद्र कुमार पासवान और डॉ सुपन प्रसाद सिंह शामिल हैं. महासचिव पद के लिए भी छह उम्मीदवार महासचिव के एक पद के लिए छह उम्मीदवारों ने दावेदारी पेश की है. इनमें डॉ बीरेंद्र कुमार पासवान, डॉ दीप नारायण, डॉ आशुतोष कुमार, डॉ कुमार सत्येंद्र यादव, डॉ आशुतोष पांडेय और डॉ शेखर शामिल हैं. संयुक्त सचिव के दो पदों के लिए 12 उम्मीदवार संयुक्त सचिव के दो पदों के लिए सबसे अधिक 12 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है. वहीं, एग्जिक्यूटिव मेंबर के 19 पदों के लिए 23 उम्मीदवार चुनाव मैदान में रहेंगे. इन पदों पर उम्मीदवारों की संख्या को देखते हुए चुनावी मुकाबला दिलचस्प होने की संभावना है. बुधवार तक नाम वापस ले सकेंगे उम्मीदवार पुटा के मुख्य चुनाव पदाधिकारी प्रो. एनके झा ने बताया कि उम्मीदवार बुधवार तक अपना नाम वापस ले सकते हैं. नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव मैदान में बचे उम्मीदवारों की अंतिम स्थिति स्पष्ट होगी.

त्योहार पर ऑफर देखकर न ललचाएं वरना बढ़ सकता है ईएमआई का बोझ

नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज नहीं देने का दावा कर रहे बैंक

लेकिन छूट छोड़ने और अतिरिक्त शुल्क चुकाने से महंगी पड़ सकती है खरीदारी

मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच

त्योहारी सीजन में ऑनलाइन और ऑफलाइन बाजार आकर्षक ऑफरों से भरे हैं। मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक, हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच दिया जा रहा है। इनमें नो-कॉस्ट ईएमआई का ऑफर खास तौर पर ग्राहकों को आकर्षित करता है। एकमुश्त रकम खर्च किए बिना सामान घर लाने और ब्याज नहीं देने का दावा पहली नजर में फायदे का सौदा लगता है। लेकिन सावधान! केवल कम मासिक किस्त देखकर खरीदारी का फैसला करना जेब पर भारी पड़ सकता है। कई बार नो-कॉस्ट ईएमआई के चक्कर में ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट छोड़नी पड़ती है या प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क चुकाने पड़ते हैं। ऐसे में त्योहार की खरीदारी से पहले ऑफर की चमक के बजाय उसकी वास्तविक लागत समझना जरूरी है।

नो-कॉस्ट ईएमआई का गणित?

नो-कॉस्ट ईएमआई में ग्राहक सामान की कीमत एक साथ चुकाने के बजाय तय अवधि में मासिक किस्तों के जरिए भुगतान करता है। सामान्य ईएमआई में मूल रकम के साथ ब्याज भी देना होता है, जबकि नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज का खर्च किसी दूसरे तरीके से समायोजित किया जाता है। कई ऑफरों में बैंक या वित्तीय संस्थान के ब्याज की भरपाई विक्रेता या कंपनी की ओर से की जाती है। कुछ मामलों में इसके बदले ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट नहीं मिलती। यानी ब्याज शून्य होने का दावा जरूरी नहीं कि खरीदारी को सबसे सस्ता बना दे। मान लीजिए, किसी मोबाइल की कीमत 30,000 रुपये है और नकद भुगतान पर 3,000 रुपये की छूट मिल रही है। ऐसे में मोबाइल 27,000 रुपये में खरीदा जा सकता है। वहीं, नो-कॉस्ट ईएमआई में यदि ग्राहक को यह छूट नहीं मिलती और उसे 30,000 रुपये किस्तों में चुकाने पड़ते हैं, तो बिना ब्याज के भुगतान करने के बावजूद वह 3,000 रुपये अधिक खर्च करेगा। इसके अलावा प्रोसेसिंग फीस या अन्य लागू शुल्क भी कुल लागत बढ़ा सकते हैं। इसलिए फैसला केवल ईएमआई की रकम देखकर नहीं, बल्कि दोनों विकल्पों की कुल कीमत की तुलना करके करना चाहिए।



खरीदारी से पहले इन बातों पर दें ध्यान

- **नकद कीमत से तुलना करें:** पता करें कि बिना ईएमआई के सामान कितने में मिल रहा है और किस्तों में लेने पर कुल भुगतान कितना होगा।
- **छूट का हिसाब लगाएं:** जांचें कि नो-कॉस्ट ईएमआई चुनने पर तत्काल छूट, कैशबैक या बैंक ऑफर का लाभ तो नहीं छूट रहा।
- **अतिरिक्त शुल्क देखें:** प्रोसेसिंग फीस, उस पर लागू कर और अन्य शुल्क जोड़कर वास्तविक लागत निकालें।
- **किस्त चुकाने की क्षमता परखें:** पहले से चल रहे कर्ज और ईएमआई के साथ नई किस्त जोड़कर देखें कि मासिक बजट पर कितना असर पड़ेगा।
- **देर से भुगतान की शर्तें पढ़ें:** किस्त चूकने पर लगने वाले शुल्क, ब्याज और अन्य नियमों की जानकारी पहले ही लें।
- **जरूरत को प्राथमिकता दें:** केवल त्योहार की छूट या सीमित समय के ऑफर के दबाव में गैरजरूरी सामान न खरीदें।

बचत को किस्तों से बचाएं

- त्योहारी खरीदारी के लिए सबसे बेहतर रणनीति बजट तय करके चलना है। पहले जरूरी सामान की सूची बनाएं, फिर अलग-अलग विक्रेताओं की कीमतों और भुगतान विकल्पों की तुलना करें। यदि एकमुश्त भुगतान के बाद आपातकालीन बचत प्रभावित होती है, तो उचित शर्तों वाली ईएमआई पर विचार किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आने वाले महीनों की आय से किस्तें आसानी से चुकाई जा सकें।
- नो-कॉस्ट ईएमआई का असली फायदा तभी है, जब वह नकदी का बेहतर प्रबंधन करे, न कि भविष्य की आय पर अनावश्यक बोझ डाले। त्योहार की खुशियां कुछ दिनों की होती हैं, लेकिन ईएमआई कई महीनों तक चल सकती है। इसलिए ऑफर देखकर नहीं, जरूरत, कुल लागत और अपनी भुगतान क्षमता देखकर खरीदारी करें।

कब फायदेमंद यह विकल्प

- नो-कॉस्ट ईएमआई हर स्थिति में नुकसान का सौदा नहीं है। यदि किसी जरूरी उपकरण की तत्काल आवश्यकता है और एकमुश्त भुगतान करने से घर का बजट बिगड़ सकता है, तो किस्तों में भुगतान उपयोगी विकल्प बन सकता है। इससे बचत की पूरी रकम एक साथ खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती और उपलब्ध नकदी का इस्तेमाल दूसरी जरूरी जरूरतों के लिए किया जा सकता है। बशर्ते किस्तों पर खरीदारी की कुल लागत नकद कीमत के मुकाबले उचित हो और मासिक किस्त आसानी से चुकाई जा सके।
- हालांकि, केवल इसलिए महंगा मोबाइल, बड़ा टीवी या नया लैपटॉप खरीदना उचित नहीं है कि उसकी किस्त कम दिखाई दे रही है। यदि सामान की जरूरत नहीं है या मौजूदा उपकरण ठीक काम कर रहा है, तो केवल ऑफर के आकर्षण में खरीदारी करना खर्च बढ़ाने जैसा है।

घर का बजट न बिगड़ने दें

त्योहार की खरीदारी का असली फायदा तभी है, जब उससे घर का बजट न बिगड़े। नो-कॉस्ट ईएमआई का इस्तेमाल वित्तीय सुविधा के रूप में करें, अतिरिक्त खर्च करने के बहाने के तौर पर नहीं। खरीदारी से पहले यह तय करना जरूरी है कि सामान अभी लेना कितना आवश्यक है और उसके लिए भविष्य की कितनी आय खर्च करनी पड़ेगी। यदि किस्त चुकाने के बाद बचत, जरूरी खर्चों या आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त पैसा नहीं बचेगा, तो खरीदारी टालना बेहतर है।एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि कई छोटी-छोटी ईएमआई मिलकर महीने के बजट पर बड़ा दबाव बना सकती हैं। इसलिए हर नई किस्त को अलग-अलग देखने के बजाय अपनी कुल मासिक देनदारी का हिसाब लगाएं। क्रेडिट कार्ड से जुड़ी ईएमआई में भुगतान की शर्तें और बकाया राशि पर लगने वाले शुल्क भी समझें। केवल विज्ञापन में दिख रही किस्त की रकम के आधार पर निर्णय न लें। आर्थिक समझदारी का अर्थ हर सुविधा से दूर रहना नहीं, बल्कि सुविधा का सही समय पर इस्तेमाल करना है। यदि नो-कॉस्ट ईएमआई से नकदी बचती है और कुल लागत भी उचित रहती है, तो इसका लाभ उठाया जा सकता है। लेकिन त्योहार का उत्साह क्षणिक है, जबकि भुगतान की जिम्मेदारी लंबे समय तक रहती है। खरीदारी ऐसी करें, जिसका आनंद बाद में आर्थिक चिंता में न बदले।

बैंक एफडी से आगे निकल सकते हैं ये म्यूचुअल फंड?

ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ बाजार जोखिम भी, निवेश से पहले समझें कौन-सा विकल्प आपके लिए बेहतर



बैंक की सावधि जमा यानी एफडी को सुरक्षित निवेश का भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। इसमें ब्याज दर पहले से तय रहती है और निर्धारित अवधि पूरी होने पर मिलने वाली रकम का अनुमान लगाया जा सकता है। लेकिन जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठाकर बेहतर रिटर्न की संभावना तलाशना चाहते हैं, उनके सामने म्यूचुअल फंड भी एक विकल्प हो सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक म्यूचुअल फंड की कुछ योजनाएं अपेक्षाकृत कम अवधि या सीमित जोखिम वाले निवेश के उद्देश्य से बनाई गई हैं। हालांकि, इन्हें बैंक एफडी जितना सुरक्षित मानना सही नहीं है। म्यूचुअल फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती और बाजार की परिस्थितियों के कारण निवेश की रकम घट भी सकती है।

1. एसबीआई सेविंग्स फंड

जिन निवेशकों को अपनी रकम कुछ महीनों के लिए निवेश करनी है, वे एसबीआई सेविंग्स फंड पर विचार कर सकते हैं। यह योजना मुख्य रूप से मनी मार्केट और अन्य अल्पकालिक ऋण साधनों में निवेश करती है। इसका उद्देश्य कम अवधि के लिए रकम का प्रबंधन करना होता है। हालांकि, इसका रिटर्न ब्याज दरों और पोर्टफोलियो में शामिल प्रतिभूतियों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। यदि किसी निश्चित तारीख पर पूरी रकम की जरूरत है, तो निवेश से पहले निकासी की शर्तें और जोखिम जरूर समझें।

2. एसबीआई लो ड्यूरेशन फंड

यह फंड उन निवेशकों के लिए एक विकल्प हो सकता है, जिन्हें कुछ समय तक रकम की जरूरत नहीं है और वे ऋण आधारित निवेश चाहते हैं। इसमें ब्याज दरों में बदलाव तथा बॉन्ड जारी करने वाली कंपनियों की भुगतान क्षमता से जुड़ा जोखिम रहता है। निवेश करने से पहले फंड की क्रेडिट गुणवत्ता, पोर्टफोलियो की अवधि और खर्च का आकलन करना जरूरी है। कम अवधि का फंड होने का अर्थ यह नहीं है कि इसमें नुकसान की आशंका नहीं है।

3. एसबीआई बैंकिंग एंड पीएसयू फंड

इस श्रेणी के फंड मुख्य रूप से बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और वित्तीय संस्थानों की ऋण प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। इन संस्थानों की साख अच्छी हो सकती है, लेकिन निवेश पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं होता। ब्याज दरों में बदलाव से बॉन्ड की कीमत प्रभावित हो सकती है। इसलिए निवेश की अवधि और जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार ही फैसला लें।

4. एसबीआई आर्बिट्राज फंड

जो निवेशक सीधे शेयरों में पैसा लगाने से बचना चाहते हैं, वे आर्बिट्राज फंड की कार्यप्रणाली समझ सकते हैं। ऐसे फंड नकदी और वायदा बाजार में एक ही शेयर की कीमतों के अंतर से लाभ कमाने की कोशिश करते हैं। इनका जोखिम सामान्य इक्विटी फंड से अलग होता है, लेकिन रिटर्न निश्चित नहीं होता। निवेश से पहले खर्च, कर नियम और संभावित रिटर्न को समझना जरूरी है।

5. एसबीआई कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड

इस श्रेणी के फंड का बड़ा हिस्सा ऋण साधनों में और कुछ हिस्सा शेयरों में लगाया जाता है। इससे निवेशक को दोनों परिसंपत्ति श्रेणियों में भागीदारी मिलती है, लेकिन ब्याज दरों और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ सकता है। इसे चुनने से पहले निवेश अवधि और जोखिम क्षमता का आकलन करें।

एफडी या म्यूचुअल फंड, क्या चुनें?

यदि आपको निश्चित ब्याज दर और तय अवधि में रकम की जरूरत है, तो बैंक एफडी आपकी जरूरत के अधिक अनुकूल हो सकती है। पात्र बैंक जमा पर डीआईसीजीसी के नियमों के तहत एक जमाकर्ता को एक बैंक में समान अधिकार और क्षमता में रखे मूलधन तथा ब्याज को मिलाकर अधिकतम पांच लाख रुपये तक जमा बीमा सुरक्षा मिलती है। दूसरी ओर, म्यूचुअल फंड में बेहतर रिटर्न की संभावना के साथ नुकसान का जोखिम भी रहता है।



एसआईपी पर भरोसा बरकरार

सितंबर में रिकॉर्ड 32,490 करोड़ का निवेश, इक्विटी फंड में भी निवेश बढ़ा

तैयारी

स्मॉलकैप और मिडकैप फंड में सबसे ज्यादा पैसा आया; बाजार की चाल से ज्यादा निवेश की अवधि और जोखिम क्षमता पर ध्यान देना जरूरी

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और निवेश को लेकर अनिश्चितताओं के बीच म्यूचुअल फंड में नियमित निवेश करने वाले निवेशकों का भरोसा कायम है। सितंबर 2026 में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश बढ़कर रिकॉर्ड 32,490 करोड़ रुपये पहुंच गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में एसआईपी के जरिए 32,297 करोड़ रुपये का निवेश आया था। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश भी अगस्त के 29,329 करोड़ रुपये से बढ़कर सितंबर में 38,307 करोड़ रुपये हो गया। यह करीब 30.6 प्रतिशत की मासिक वृद्धि है। आंकड़े बताते हैं कि निवेशक बाजार में पैसा लगाने के लिए नियमित निवेश का रास्ता अपना रहे हैं। हालांकि, निवेश प्रवाह बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि बाजार में तेजी निश्चित है या हर श्रेणी का फंड बेहतर रिटर्न देगा।

फ्लेक्सीकैप फंड में शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ पहुंचा

निवेश लगातार बढ़ रहा

एसआईपी निवेश का सबसे बड़ा फायदा नियमितता है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय रकम म्यूचुअल फंड में लगाते हैं। इससे बाजार की चाल देखकर बार-बार निवेश का फैसला करने की जरूरत कम होती है। सितंबर में एसआईपी निवेश पिछले साल के इसी महीने के 29,361 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 11 प्रतिशत बढ़ा है। यह वृद्धि बताती है कि अधिक निवेशक नियमित निवेश की आदत बनाए हुए हैं। एसआईपी के जरिए निवेश करने पर बाजार नीचे होने पर समान रकम से अधिक और बाजार ऊपर होने पर अपेक्षाकृत कम यूनिट खरीदी जाती हैं। इसे रुपये की औसत लागत का लाभ कहा जाता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका समाप्त नहीं होती और न ही मुनाफे की गारंटी मिलती है।

ये फंड चमके

सितंबर में स्मॉलकैप फंड निवेशकों की पहली पसंद रहे। इस श्रेणी में शुद्ध निवेश अगस्त के 7,973 करोड़ रुपये से बढ़कर 9,039 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, मिडकैप फंड में निवेश 6,989 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,835 करोड़ रुपये पहुंच गया। दोनों श्रेणियों में निवेश बढ़ना बताता है कि निवेशकों की दिलचस्पी अपेक्षाकृत अधिक उतार-चढ़ाव वाली कंपनियों में बनी हुई है। स्मॉलकैप और मिडकैप कंपनियों में भविष्य में तेजी से बढ़ने की संभावना हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में गिरावट का जोखिम भी अधिक रहता है। बाजार में कमजोरी आने पर इन फंडों के मूल्य में तेज गिरावट संभव है। इसलिए केवल अधिक निवेश आने के आंकड़े देखकर इनमें पैसा लगाना उचित नहीं है। निवेशक को अपनी जोखिम सहने की क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश की अवधि को ध्यान में रखना चाहिए।

फ्लेक्सीकैप व लार्जकैप में भी सुधार

फ्लेक्सीकैप फंड में सितंबर के दौरान शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ रुपये पहुंच गया। अगस्त में यह आंकड़ा 5,059 करोड़ रुपये था। फ्लेक्सीकैप फंड के प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इस वजह से इनका निवेश दायरा व्यापक होता है, हालांकि इनसे भी बाजार संबंधी जोखिम जुड़े रहते हैं। लार्जकैप फंड में भी निवेशकों की वापसी देखने को मिली। अगस्त में इन फंडों से 1,147 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई थी, जबकि सितंबर में 859 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। लार्जकैप फंड मुख्य रूप से बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं। इन्हें स्मॉलकैप फंडों की तुलना में अपेक्षाकृत कम जोखिम वाला माना जा सकता है, लेकिन बाजार गिरने पर इनमें भी नुकसान हो सकता है।

कुल संपत्ति में गिरावट

इक्विटी फंड में निवेश बढ़ने के बावजूद म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंधनाधीन संपत्ति सितंबर में घटकर 82.64 लाख करोड़ रुपये रह गई। अगस्त में यह 87.08 लाख करोड़ रुपये थी। इस तरह एक महीने में करीब 4.44 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इसका एक बड़ा कारण डेट म्यूचुअल फंड में भारी शुद्ध निकासी रही। सितंबर में डेट फंड से 1.83 लाख करोड़ रुपये निकाले गए, जबकि अगस्त में इनमें 8,127 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था। इसके अलावा, बाजार के मूल्यांकन में बदलाव भी कुल संपत्ति के आंकड़े को प्रभावित कर सकता है। इसलिए म्यूचुअल फंड की कुल संपत्ति में गिरावट को केवल इक्विटी निवेशकों के भरोसे में कमी के रूप में देखना सही नहीं होगा।

जोखिम का आकलन जरूरी

सितंबर के आंकड़े नियमित निवेश के प्रति निवेशकों की बढ़ती रुचि दिखाते हैं, लेकिन निवेश का फैसला केवल लोकप्रियता के आधार पर नहीं होना चाहिए। सबसे पहले आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त बचत रखें और महंगे कर्ज को प्राथमिकता से चुकाने की योजना बनाएं। इसके बाद अपने वित्तीय लक्ष्य के अनुसार निवेश की अवधि तय करें। लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन फंड की श्रेणी चुनते समय जोखिम क्षमता का ध्यान रखना जरूरी है।

बाजार में उतार-चढ़ाव : ऐसे में बाजार की चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की रणनीति बनाएं

एकमुश्त रकम लगाने से बचें, 5 से 10 लाख रुपये निवेश करने से पहले तय करें लक्ष्य, समयावधि और जोखिम उठाने की क्षमता

बिजनेस डेस्क। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि पैसा कब और कहां लगाया जाए। जिन लोगों के पास 5 से 10 लाख रुपये की एकमुश्त राशि है, वे अक्सर बाजार में गिरावट का इंतजार करते हैं या तेजी देखकर पूरी रकम निवेश कर देते हैं। दोनों ही स्थितियों में जल्दबाजी नुकसान का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि बाजार की अगली चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और विविधीकरण पर ध्यान देना चाहिए। पूरी रकम एक ही दिन लगाने के बजाय चरणबद्ध निवेश करना जोखिम संभालने में मदद कर सकता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका पूरी तरह समाप्त नहीं होती। जानकारों का कहना है कि हालिया गिरावट के बाद लार्जकैप शेयरों का मूल्यांकन अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहा है। 12 अक्टूबर के आंकड़ों के मुताबिक, निफ्टी-50 का पिछला 12 महीने का मूल्य-आय अनुपात 19.1 गुना था, जबकि निफ्टी मिडकैप-150 का 28.1 गुना और निफ्टी स्मॉलकैप-250 का 34.4 गुना था।



स्मॉलकैप में जोखिम को न भूलें : लंबी अवधि के निवेशकों के लिए स्मॉलकैप कंपनियों में विकास की संभावनाएं हो सकती हैं। लेकिन इन शेयरों में उतार-चढ़ाव अधिक होता है और गिरावट के दौरान नुकसान बड़ा हो सकता है। इसलिए स्मॉलकैप में निवेश तभी उचित है, जब निवेशक कम से कम पांच वर्ष तक पैसा लगाए रखने की स्थिति में हों और बाजार की गिरावट के दौरान घबराकर निवेश निकालने से बच सकें।

विविधीकरण से संभालें जोखिम : फ्लेक्सीकैप फंड बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। मल्टीकैप फंडों में इन तीनों श्रेणियों में कम से कम 25-25 प्रतिशत निवेश करना अनिवार्य है। वहीं, मल्टी-एसेट फंड इक्विटी, ऋण आधारित साधनों और सोने जैसी अलग-अलग परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं। इससे किसी एक श्रेणी पर निर्भरता कम हो सकती है। हालांकि, हर फंड का जोखिम अलग होता है।

40:60 की रणनीति अपना सकते हैं : यदि आपके पास 10 लाख रुपये हैं, तो एक विकल्प के तहत 4 लाख रुपये शुरुआती चरण में और शेष 6 लाख रुपये अगले तीन से छह महीने में किस्तों में निवेश किए जा सकते हैं। पांच लाख रुपये की राशि के लिए यही अनुपात 2 लाख और 3 लाख रुपये होगा। इससे पूरी रकम बाजार के किसी एक स्तर पर लगाने का जोखिम कम हो सकता है। यह अनुपात हर निवेशक के लिए उपयुक्त हो, ऐसा जरूरी नहीं है, इसे लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार तय करना चाहिए।

निवेश से पहले लागत, गुणवत्ता और ग्राहकों की जरूरत का करें आकलन

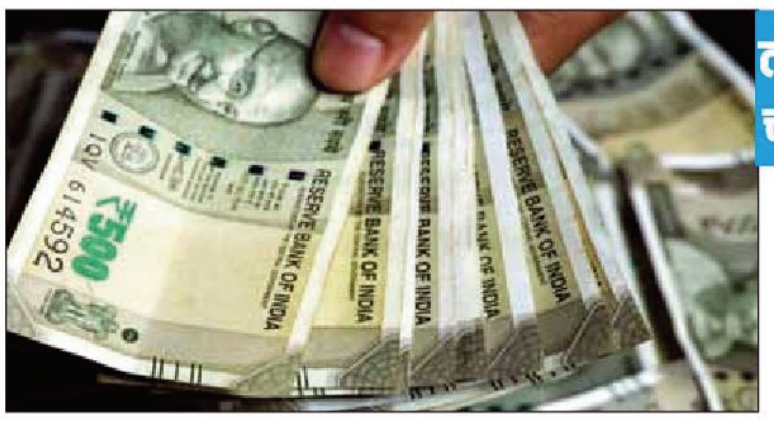
दिवाली से पहले शुरू करें ये कारोबार, कम पूंजी में कमाई का मौका

आइडिया

त्योहारों का मौसम छोटे कारोबारियों और अपना काम शुरू करने की योजना बना रहे लोगों के लिए अतिरिक्त कमाई का अवसर लेकर आता है। दिवाली पर घरों की सजावट से लेकर मिठाई, उपहार और चॉकलेट तक की खरीदारी बढ़ जाती है। इस साल 8 नवंबर को दिवाली मनाई जाएगी। ऐसे में तैयारी के लिए सीमित समय बचा है। इच्छुक लोग अपनी पूंजी और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार छोटा कारोबार शुरू कर सकते हैं। कुछ काम घर से भी किए जा सकते हैं, जिससे दुकान का किराया बच सकता है। हालांकि, केवल त्योहार में मांग बढ़ने के अनुमान के आधार पर निवेश करना सही नहीं है। पहले स्थानीय बाजार, संभावित ग्राहकों, सामान की लागत और बिक्री की योजना समझना जरूरी है।

तोरण और सजावटी सामान का कारोबार

दिवाली पर घरों और दुकानों को सजाने के लिए तोरण, बंदनवार, कृत्रिम फूल, रंगोली सामग्री, दीये, लाइटें और सजावटी वस्तुओं की खरीदारी होती है। कम पूंजी में इस कारोबार की शुरुआत सीमित उत्पादों से की जा सकती है। स्थानीय थोक बाजार से सामान खरीदकर घर, छोटी दुकान या इंटरनेट के माध्यम से बिक्री का विकल्प अपनाया जा सकता है। इस कारोबार में अलग-अलग बजट के उत्पाद रखना उपयोगी है। पारंपरिक सजावट के साथ आधुनिक डिजाइन और दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले उत्पाद भी ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं। दिवाली के बाद क्रिसमस और नए साल की सजावट से संबंधित सामान बेचने की योजना भी बनाई जा सकती है। हालांकि, बचा हुआ मौसमी स्टॉक अगली बिक्री तक पूंजी फंसा सकता है, इसलिए जरूरत से ज्यादा सामान खरीदने से बचें।



तोरण-सजावट, मिठाई, उपहारों की टोकरी और चॉकलेट की त्योहारों में बढ़ती मांग का उठाएं लाभ

मिठाई का काम

दिवाली पर मिठाइयों की मांग बढ़ने से यह कारोबार कमाई का अवसर दे सकता है। जिन लोगों को मिठाई बनाने का अनुभव है, वे सीमित मात्रा से शुरुआत कर सकते हैं। अन्य लोग किसी भरोसेमंद निर्माता से सामान लेकर बिक्री का विकल्प तलाश सकते हैं। पारंपरिक मिठाइयों के साथ छोटे पैक और उपहार पैक भी रखे जा सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक ग्राहकों के लिए कम चीनी या बिना अतिरिक्त चीनी वाले उत्पादों की मांग का आकलन किया जा सकता है। हालांकि, ऐसे उत्पादों पर स्पष्ट सामग्री और पोषण संबंधी जानकारी देना जरूरी है। मिठाई जल्दी खराब हो सकती है, इसलिए ताजगी, भंडारण, स्वच्छता और समय पर आपूर्ति का ध्यान रखें। खाद्य कारोबार शुरू करने से पहले लागू खाद्य सुरक्षा नियमों और एफएसएसएआई पंजीकरण या लाइसेंस की जरूरत की जानकारी अवश्य लें।

उपहारों की टोकरी बनाकर बेचें

दिवाली पर परिवारों, मित्रों और कारोबारी सहयोगियों को उपहार देने की परंपरा है। इसका लाभ उठाकर सूखे मेवे, सजावटी सामान, उपयोगी घरेलू वस्तुओं और अन्य उत्पादों की आकर्षक उपहार टोकरी तैयार की जा सकती है। ग्राहक के बजट के अनुसार छोटे, मध्यम और प्रीमियम पैक बनाए जा सकते हैं। इस कारोबार की खासियत यह है कि शुरुआत में बहुत अधिक स्टॉक रखना जरूरी नहीं। पहले नमूने तैयार करके ग्राहकों से ऑर्डर लिए जा सकते हैं। स्थानीय दुकानों, कार्यालयों और परिचित कारोबारियों से संपर्क करना भी उपयोगी हो सकता है। पैकिंग, उत्पादों की गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति पर विशेष ध्यान दें। हर टोकरी की लागत में सामान, पैकिंग, परिवहन और अपने श्रम को शामिल करके ही कीमत तय करें।

घर से चॉकलेट बनाकर बेचें

हस्तनिर्मित चॉकलेट, उपहार पैक और आकर्षक पैकेजिंग वाले उत्पाद त्योहारों पर उपहार के विकल्प बन सकते हैं। चॉकलेट बनाने का कौशल रखने वाले लोग छोटे बैच से शुरुआत कर सकते हैं। स्थानीय ग्राहकों, परिचितों और इंटरनेट आधारित माध्यमों से ऑर्डर जुटाए जा सकते हैं। इस कारोबार में कच्चे माल की गुणवत्ता, स्वाद, पैकिंग और भंडारण महत्वपूर्ण हैं। गर्म मौसम या अनुचित भंडारण से चॉकलेट की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसलिए उत्पादन क्षमता के अनुसार ही ऑर्डर लें और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करें। बड़े निवेश से पहले कुछ नमूने बनाकर ग्राहकों की प्रतिक्रिया लेना बेहतर होगा।

निवेश से पहले बनाएं खर्च का हिसाब

इन चारों कारोबारों में शुरुआती लागत उत्पादों की संख्या, गुणवत्ता, उपकरण, पैकिंग और बिक्री के माध्यम पर निर्भर करेगी। शुरुआत छोटी रखकर मांग के अनुसार विस्तार करना जोखिम सीमित कर सकता है। संभावित बिक्री को निश्चित मुनाफा न मानें। सामान की लागत के साथ परिवहन, बिजली, पैकिंग, खराब होने वाले उत्पाद और बिना बिके स्टॉक का खर्च भी जोड़ें। त्योहारों में कारोबार का अवसर जरूर है, लेकिन कमाई की गारंटी नहीं। ग्राहकों की जरूरत समझकर, गुणवत्ता बनाए रखकर और पूंजी का हिसाब रखते हुए शुरुआत की जाए तो छोटा मौसमी कारोबार आगे चलकर नियमित आय का जरिया भी बन सकता है।

अभिषेक शर्मा बने फिर नंबर- 1

आईसीसी रैंकिंग....टेस्ट ऑलराउंडर में जडेजा की बादशाहत खत्म, गेंदबाजी में मार्को यानसेन शीर्ष स्थान पर

दुबई, एजेंसी। आईसीसी की ताजा पुरुष खिलाड़ी रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिर से नंबर-एक बल्लेबाज का स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर मार्को यानसेन ने एक साथ टेस्ट गेंदबाज और टेस्ट ऑलराउंडर की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया। यानसेन ने टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में भारत के रवींद्र जडेजा को पीछे छोड़ दिया, जो चार साल से अधिक समय से इस स्थान पर काबिज थे। ताजा रैंकिंग में टेस्ट बल्लेबाजों और गेंदबाजों के साथ वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सूची में भी कई बदलाव हुए हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में तूफानी शतक लगाने का फायदा अभिषेक शर्मा को आईसीसी रैंकिंग में मिला है। भारतीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने ईशान किशन को पीछे छोड़कर टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान फिर से हासिल कर लिया।

वेलिंगटन में खेले गए मुकाबले में अभिषेक ने केवल 35 गेंदों में अपना शतक पूरा किया था। उन्होंने 38 गेंदों में 113 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसकी बदौलत भारत ने 199 रन का लक्ष्य 13.2 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारत ने यह मुकाबला छह विकेट से जीता और पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली।

ईशान किशन ने इस साल जुलाई में आयरलैंड के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद अभिषेक से नंबर-1 का स्थान हासिल किया था। अभिषेक पहली बार जुलाई 2025 में टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे थे, जब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को पीछे छोड़ा था।

टी20 और वनडे रैंकिंग में भी हुए बदलाव : टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में भारत के संजू सैमसन छह स्थान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए। न्यूजीलैंड के फिन एलन ने भी तीन स्थान की छलांग लगाकर 25वां स्थान हासिल किया। टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर सात स्थान ऊपर चढ़कर सातवें और भारत के अर्शदीप सिंह छह स्थान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर पहुंच गए। वनडे रैंकिंग में भी कई खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी दो स्थान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की सूची में छठे स्थान पर पहुंच गए। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजई ने 13 स्थान की छलांग लगाकर सातवां स्थान हासिल किया, जबकि नामीबिया के बर्नार्ड शॉल्ट्ज नौ स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए। वनडे ऑलराउंडरों की सूची में अफगानिस्तान के अनुभवी मोहम्मद नबी पांच स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए।

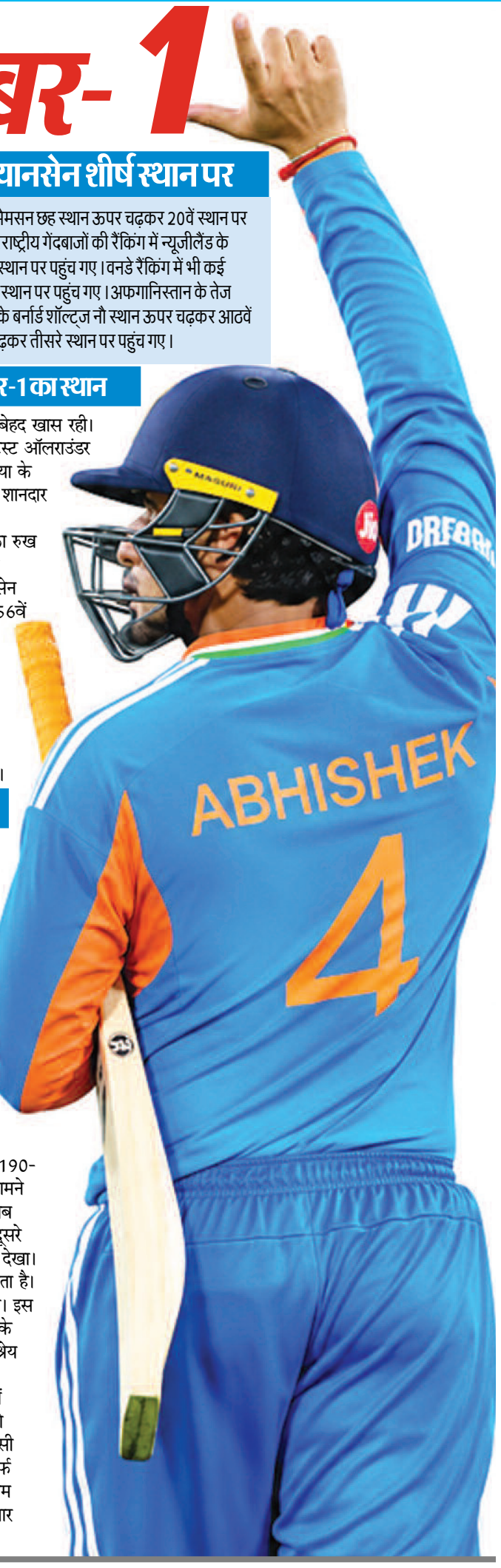


मार्को यानसेन ने जडेजा से छीना नंबर-1 का स्थान

दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन के लिए ताजा रैंकिंग बेहद खास रही। उन्होंने पहली बार अपने करियर में टेस्ट गेंदबाज और टेस्ट ऑलराउंडर की रैंकिंग में नंबर-1 का स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गकेबरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट में यानसेन ने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने बल्ले से 85 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में पांच विकेट लेकर मैच का रुख बदलने में अहम भूमिका निभाई। दक्षिण अफ्रीका ने यह मुकाबला बड़े अंतर से जीता। इस प्रदर्शन के बाद यानसेन टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में 13 स्थान ऊपर चढ़कर 56वें स्थान पर पहुंच गए। टेस्ट गेंदबाजों की सूची में उन्होंने पांच स्थान की छलांग लगाकर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क को पीछे छोड़ा। वहीं, टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर पहुंचकर उन्होंने रवींद्र जडेजा का लंबे समय से चला आ रहा शीर्ष स्थान छीन लिया। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज डेल स्टेन हाल ही में यानसेन को 'दुनिया का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर' बता चुके हैं।

बावुमा और हार्मर को भी फायदा

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने भी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में चार स्थान की छलांग लगाई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 179 रन बनाने वाले बावुमा अब दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक हैं। टेस्ट गेंदबाजों की सूची में ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड तीन स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में 15 स्थान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर आ गए।



3 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका ने टेनिस को कहा 'अलविदा'

बेसल। स्विट्जरलैंड के स्टेन वावरिंका ने टेनिस को अलविदा कह दिया है। 41 साल के इस दिग्गज ने घरेलू टूर्नामेंट, स्विस इंडोर्स बेसल में जिरी लेहेका से हार के बाद टेनिस को गुड बाय कहा। स्टेन वावरिंका एक हाथ के बैकहैंड के लिए मशहूर रहे। उनके नाम तीन ग्रैंड स्लैम सिंगल खिताब, ओलंपिक गोल्ड और डेविस कप खिताब है। उन्होंने 590 टूर-लेवल जीत हासिल कीं। वावरिंका 2014 में एटीपी रैंकिंग में करियर के सबसे ऊंचे नंबर 3 पर पहुंचे और 16 टूर-लेवल टाइटल हासिल किए। वावरिंका ने अपने करियर के तीनों ग्रैंड स्लैम खिताब उस समय के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ियों को हराकर जीता था। 2014 में वावरिंका ने स्पेन के राफेल नडाल को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। इसके बाद 2015 में नोवाक जोकोविच को हराकर उन्होंने फ्रेंच ओपन और 2016 में नोवाक जोकोविच को ही हराकर यूएस ओपन का खिताब जीता था। रोजर फेडरर, नडाल और जोकोविच वाले 'बिग थ्री' दौर का हिस्सा रहे वावरिंका ने अपना करियर 590 टूर-लेवल मैच जीतकर खत्म किया। 2014 में मोंटे-कार्लो में अपना अकेला एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन वावरिंका ने हमवतन और दिग्गज रोजर फेडरर को हराकर जीता था। वावरिंका ओलंपिक में अपने देश के लिए गोल्ड जीत चुके हैं। 2008 में चीन के बीजिंग में आयोजित ओलंपिक में उन्होंने पुरुष डबल्स में रोजर फेडरर के साथ जोड़ी बनाकर गोल्ड मेडल जीता था। इसके बाद दोनों ने 2014 में स्विट्जरलैंड के लिए पहला डेविस कप जीता था। वावरिंका ने एटीपी टूर डॉट कॉम को बताया, 'पिछले 20 सालों में एक खिलाड़ी के तौर पर मेरे बारे में अलग-अलग सोच रही है। मैं अपने करियर में बस इतना चाहता था कि अपना शत प्रतिशत दूं, हमेशा लडूं, कोई पछतावा न हो। अपने लिए, विरोधी के लिए, टूर्नामेंट के लिए, फैंस के लिए, सबके लिए सम्मान के साथ रहूं। 20 से ज्यादा वर्षों तक यही हमेशा सबसे जरूरी चीज रही है, और यही एकमात्र तरीका है जिससे आप खेल बिना किसी पछतावे के छोड़ सकते हैं।'

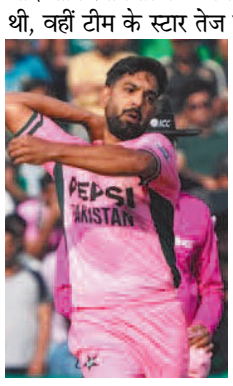
अभिषेक ने वैभव की जमकर की तारीफ

नई दिल्ली। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बताया कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 से पहले नेट सेशन के दौरान बॉलीवुड फिल्म 'भाग मिल्खा भाग' का एक मशहूर डायलॉग दोहराया था। इसके बाद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और भारत को सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। सूर्यवंशी ने अभिषेक से कहा कि वह फिल्म के मशहूर डायलॉग - 'भैया, खेलूंगा भी वैसे ही' - से प्रेरित होकर बिल्कुल निडर होकर बल्लेबाजी करेंगे। 15 साल के वैभव ने अपनी बात को सच साबित करते हुए सिर्फ 19 गेंदों पर 45 रनों की आक्रामक पारी खेली। इससे अभिषेक को भी खुलकर खेलने का मौका मिला और उन्होंने 38 गेंदों पर शानदार 113 रन बनाए। भारत ने न्यूजीलैंड के 199 रनों के लक्ष्य को महज 13.2 ओवर में हासिल कर लिया और मंगलवार को हेनरी स्टेडियम में तीसरा टी20 6 विकेट से जीता। मैच के बाद बीसीसीआई द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में अभिषेक ने सूर्यवंशी के साथ हुई अपनी बातचीत को याद किया और इस युवा खिलाड़ी की आक्रामक सोच की तारीफ की। अभिषेक ने कहा, 'कल नेट्स में वैभव ने मुझसे कहा था कि वह 'भाग मिल्खा भाग' फिल्म के डायलॉग 'भैया, खेलूंगा भी वैसे ही' की तरह ही बल्लेबाजी करेंगे।' बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक ने यह भी बताया कि कैसे ओपनिंग ओवर में सूर्यवंशी के निडर रवैये ने दूसरे छोर पर खड़े बल्लेबाज का आत्मविश्वास बढ़ाया, खासकर तब जब वह न्यूजीलैंड के मुख्य तेज गेंदबाज का सामना कर रहे थे। अभिषेक ने कहा, 'जब टीम 190-200 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा कर रही होती है और सामने विपक्ष का मुख्य तेज गेंदबाज गेंदबाजी कर रहा हो, तब ओपनर को आक्रामक खेल दिखाना पड़ता है। मैं दूसरे छोर पर था और मैंने वैभव को बल्लेबाजी करते देखा। इससे नॉन-स्ट्राइकर बल्लेबाज का जोश बढ़ जाता है। मैं खास तौर पर वैभव की तारीफ करना चाहूंगा। इस मुकाबले में उन्होंने जो प्रदर्शन किया, वह टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। इस जीत का काफी श्रेय उन्हें जाता है। ' ओपनिंग जोड़ी ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाई। पावरप्ले में भारत ने बिना कोई विकेट खोए 118 रन बनाए, जो पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल में पहले छह ओवरों में किसी भी टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। भारत ने सिर्फ 2.2 ओवर में ही 50 रन पूरे कर लिए, जो इस फॉर्मेट में सबसे तेज टीम फिफ्टी की बराबरी है। इसके बाद पांच ओवर में ही टीम 100 रन के पार पहुंच गई। अभिषेक ने टीम की निस्वार्थ सोच की भी तारीफ की।



हारिस रऊफ ने फिर की घटिया हरकत, लगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली। लाहौर के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ एक विकेट की रोमांचक जीत के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने जमकर जश्न मनाया। एक तरफ जहां टीम जश्न में डूबी थी, वहीं टीम के स्टार तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने अपनी घटिया हरकत से एक बार फिर सुर्खियां बटोरने का काम किया। मैदान पर खेल भावना की धज्जियां उड़ाने और अंपायर से उलझने के जुर्म में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने हारिस रऊफ को कड़ी फटकार लगाई है। इस हरकत के लिए आईसीसी ने रऊफ पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना ठोक दिया है। यह पूरा ड्रामा पाकिस्तानी पारी के 46वें ओवर के खत्म होने पर देखने को मिला। नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े हारिस रऊफ पहले तो अंपायर से वाइड गेंद मांगने लगे। फिर इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स से फालतू में बहसबाजी करने लगे। अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद के मना करने के बावजूद रऊफ का गुस्सा शांत नहीं हुआ। उन्होंने हवा में बल्ला उठाया, अंपायर को अनदेखा करके उनसे टकराते हुए निकले और इंग्लिश खिलाड़ी की तरफ बदतमीजी से बढ़ते रहे।रऊफ की हरकत के अलावा इस मैच में स्लो ओवर रेट के लिए इंग्लैंड टीम पर भी गाज गिरी है। तय समय सीमा में 3 ओवर कम फेंकने की वजह से आईसीसी मैच रेफरी जेफ क्रो ने इंग्लिश कप्तान हैरी ब्रुक और पूरी टीम पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगा दिया। दोनों ही पक्षों ने अपनी-अपनी गलतियों और सजा को बिना किसी बहस के स्वीकार कर लिया है।



यास्तिका डब्ल्यूबीबीएल में करेंगी वापसी



ब्रिस्बेन। भारत की विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ऑस्ट्रेलिया की महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में वापसी करेंगी। ब्रिस्बेन हीट ने उन्हें चोटिल जेस जोनासेन की जगह साइन किया है। यास्तिका, जिन्होंने डब्ल्यूबीबीएल 10 के दौरान मेलबर्न स्टार्स का प्रतिनिधित्व किया था, डब्ल्यूबीबीएल 12 के लिए ब्रिस्बेन की तीसरी विदेशी साइनिंग और इस साल के कॉम्पिटिशन में एकमात्र भारतीय क्रिकेटर बनीं। 25 साल की इस खिलाड़ी के रविवार को ड्रमॉयन ओवल में सिडनी थंडर के खिलाफ अपने दूसरे मैच से पहले टीम से जुड़ने की उम्मीद है और वह बाकी टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध रहेंगी। वह इस कैंपेन के लिए ब्रिस्बेन की विदेशी टीम में इंग्लैंड की स्पिनर सारा ग्लेन और आयरलैंड की ऑल-राउंडर ओर्ला प्रेंडरगैस्ट के साथ शामिल होंगी।ब्रिस्बेन की सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी और पूर्व कप्तान जोनासेन कूल्हे की चोट के कारण बाहर हैं, जिससे फ्रेंचाइजी को अतिरिक्त बैटिंग गहराई के लिए भाटिया की ओर रुख करना पड़ा। भारतीय बल्लेबाज ने लीग में छह मैच खेले हैं और तीनों फॉर्मेट में इंटरनेशनल अनुभव लेकर आई हैं। हीट के हेड कोच मार्क सोरेल ने कहा यास्तिका के टीम से जुड़ने पर कहा, 'टूर्नामेंट के इतने करीब इतने अच्छे, अनुभवी इंटरनेशनल खिलाड़ी को साइन कर पाना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। हम बेशक जेस जोनासेन को मिस करेंगे, लेकिन अपनी बैटिंग लाइन-अप में एक और मजबूत स्कोरिंग लेफ्ट-हैंडर को लाना सुकून देने वाला है। यास्तिका को ऑस्ट्रेलिया और एलन बॉर्डर फील्ड में खेलने का अच्छा अनुभव है।

कोच गौतम गंभीर की दूरदृष्टि...टीम इंडिया छू रही सफलता के नए आयाम

नई दिल्ली। गौतम गंभीर का टी20 क्रिकेट के लिए दृष्टिकोण एक अलग विचार पर आधारित है। भारत को एक ऐसी टीम बनना होगा जो असफलता से न डरे, पूरी तरह से व्यक्तिगत नायकों पर निर्भर न हो, और जब कोई खिलाड़ी आउट हो जाए तो विश्वास करना न छोड़े। टी20 क्रिकेट के प्रति उनके दृष्टिकोण में व्यक्तिगत उपलब्धियों के बजाय सुनियोजित आक्रामकता, लचीली बल्लेबाजी व्यवस्था और प्रभाव डालने पर जोर दिया गया। तिलक बल्लेबाजी में लचीलापन और मैच की विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता रखते हैं। शुरुआती विकेट गिरने के बाद पारी को संभालने में वे मददगार साबित हो सकते हैं या टीम को तेजी से रन बनाने की जरूरत पड़ने पर अपनी गति बढ़ा सकते हैं। नमन धीर मध्य क्रम में आक्रामक विकल्प प्रदान करते हैं, जिनमें गेंदबाजों पर आक्रमण करने और दबाव वाली परिस्थितियों में महत्वपूर्ण रन बनाने की क्षमता है। नीतीश कुमार रेड्डी अपनी बल्लेबाजी की ताकत और तेज गेंदबाजी से टीम को एक नया आयाम देते हैं, जिससे प्रबंधन को प्लेइंग इलेवन बनाने में अधिक लचीलापन मिलता है। वे एक जैसे खिलाड़ी नहीं हैं, और उनमें से किसी को भी हार्दिक पांड्या बनने की जरूरत नहीं है। उनका महत्व उन अलग-अलग गुणों में निहित है जो वे टीम में ला सकते हैं। सिद्धांत सरल है: केवल खिलाड़ी को नहीं, बल्कि भूमिका को ही बदलें। अगर तिलक स्थिरता प्रदान करें, नमन आक्रामक बल्लेबाजी करें और नीतीश एक ऑलराउंडर के रूप में योगदान दें, तो हार्दिक पर पड़ने वाली कुछ जिम्मेदारियों को टीम में बाँटा जा सकता है। सही संतुलन परिस्थितियों, विरोधी टीम और खिलाड़ियों के फॉर्म पर निर्भर करेगा, लेकिन मूल सिद्धांत वही रहेगा: एक ऐसा संयोजन तैयार करें जिसमें कई खिलाड़ी समग्र योजना में योगदान दें।



व्यक्तिगत जिम्मेदारी से सामूहिक जिम्मेदारी की ओर

लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट की कहानी अक्सर इसके सबसे बड़े सितारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। प्रशंसक किसी खास बल्लेबाज से पारी को संभालने की उम्मीद रखते थे या किसी खास गेंदबाज से निर्णायक विकेट लेने की। ऐसे खिलाड़ी आज भी अमूल्य हैं, लेकिन आधुनिक टी20 क्रिकेट में व्यक्तिगत प्रतिभा से कहीं अधिक की आवश्यकता है। इसके लिए एक ऐसी टीम की आवश्यकता होती है जिसमें छठा बल्लेबाज योगदान दे सके, निचले क्रम के बल्लेबाज मैच का रुख बदल सकें, एक ऑलराउंडर रणनीतिक लचीलापन प्रदान कर सके और अनुपस्थित स्टार खिलाड़ी के स्थान पर खेलने वाला खिलाड़ी एक स्पष्ट रूप से परिभाषित भूमिका निभा सके।

हार्दिक पांड्या का विकल्प खोजना

हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी की अनुपलब्धता में किसी भी टीम प्रबंधन के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक सही संयोजन खोजना होता है । हार्दिक टी20 क्रिकेट में एक दुर्लभ खिलाड़ी हैं जो विस्फोटक बल्लेबाजी, फिनिशिंग क्षमता और तेज गेंदबाजी से टीम में योगदान दे सकते हैं। उनकी जगह किसी और खिलाड़ी को चुनना और उनसे समान परिणाम की उम्मीद करना मात्र नहीं है। इसके लिए सोचने का एक अलग तरीका चाहिए। हार्दिक की तरह ही टीम के लिए सब कुछ करने वाले एक ही खिलाड़ी की तलाश करने के बजाय, भारत इन जिम्मेदारियों को कई खिलाड़ियों में बांट सकता है।

दिल्ली दंगा 2020 : मोहसिन हत्याकांड में 5 दोषियों की 7 साल की कैद बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने फरवरी 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान 22 वर्षीय मोहसिन की हत्या के मामले में पांच दोषियों की सजा को बरकरार रखकर उनकी अपील खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने अमन कश्यप, देवेंद्र कुमार, प्रदीप राय, आशीष और अरुण कुमार को निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सात साल की कैद और 30,000 रुपये के जुर्माने की सजा को सही ठहराया। निचली अदालत ने इन दोषियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) और धारा 148 (घातक हथियारों से दंगा करना) के तहत दोषी ठहराया था। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में प्रत्यक्षदर्शी के बयान को महत्वपूर्ण माना, जिसमें कहा गया था कि अपीलकर्ता हथियारों से लैस भीड़ में सबसे आगे थे और उन्होंने अन्य लोगों को मोहसिन पर हमला करने के लिए उकसाया था। दोषियों ने दलील दी थी कि उनके खिलाफ आरोप संदेह से परे साबित नहीं हुए और स्वतंत्र गवाहों ने अभियोजन पक्ष का समर्थन नहीं किया। हालांकि, अदालत ने दलीलों को खारिज किया। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल इस आधार पर वे बरी होने का दावा नहीं कर सकते कि भीड़ के किस सदस्य ने पीड़ित के सिर पर जानलेवा चोट पहुंचाई थी। अदालत ने कहा कि साक्ष्य केवल भीड़ में अपीलकर्ताओं की मौजूदगी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सक्रिय रूप से दूसरों को उकसा रहे थे। उच्च न्यायालय ने निष्कर्ष निकाला कि 25 फरवरी, 2020 को चांद बाग इलाके में मोहसिन पर हमला करने वाली दंगाई भीड़ का साझा गैरकानूनी उद्देश्य उसे शारीरिक चोट पहुंचाना था, जिससे उसकी मौत हुई। निचली अदालत ने भी अपने फैसले में इन तथ्यों को साबित पाया था।

अंग्रेजी कमजोर होने पर वेटर को थप्पड़, ताज होटल ने ग्राहक पर लिया कड़ा एक्शन

आगरा। आगरा के ताज होटल में घटना सामने आई है, जहाँ एक ग्राहक ने कथित तौर पर वेटर कांति को सिर्फ इसलिए थप्पड़ मार दिया, क्योंकि वह अंग्रेजी ठीक से नहीं बोल सका था। होटल के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर ने घटना और होटल द्वारा की गई कार्रवाई का विवरण साझा किया। यह मामला इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। होटल कर्मचारी के मुताबिक, वेटर कांति होटल के रेस्टोरेंट में एक ग्राहक को खाना सर्व कर रहे थे। बातचीत के दौरान अंग्रेजी को लेकर कुछ गलतफहमी हुई। कांति अच्छी अंग्रेजी नहीं बोल पाते थे, और इसी बात पर ग्राहक ने कथित तौर पर अपना आपा खो दिया और उन्हें थप्पड़ मार दिया। होटल के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर के लिए यह घटना बेहद हैरान करने वाली थी, क्योंकि कांति केवल अपना काम कर रहे थे और एक छोटी सी गलतफहमी के बाद उनके साथ ऐसा बर्ताव किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी ग्राहक को होटल कर्मचारी के साथ बदसलूकी करने या हाथ उठाने का अधिकार नहीं है।

लखनऊ ट्रिपल मर्डर : गोल्ड मेडलिस्ट शूटर का बेखौफ अंदाज

लखनऊ। लखनऊ में हुए सनसनीखेज ट्रिपल मर्डर का आरोपी ऋषभ शुक्ला, वारदात के बाद भी अपनी बेखौफ हरकतों से सभी को हैरान कर गया। तीन लोगों की हत्या करने के बाद वह एक हाथ में पिस्टल और दूसरे में मैगजीन लिए घर के बाहर ही बैठा रहा, घायलों की मदद के लिए आने वालों को भी गोली मारने की धमकी दी, जिससे पूरे मोहल्ले में दहशत फैल गई। पुलिस अधिकारी और आम लोग, हर कोई इस बात से स्तब्ध था कि एक अकेला व्यक्ति कैसे तीन लोगों की जान ले सकता है। इसके पीछे उसकी विशेष ट्रेनिंग और शूटिंग का अनुभव प्रमुख वजह है। ऋषभ एक गोल्ड मेडलिस्ट शूटर है और हथियार चलाने की विशेष ट्रेनिंग मिली हुई थी। गोली चलाने के उसके सधे हुए अंदाज और अचूक निशाने ने सभी को हैरान कर दिया।

चक्रवात अर्नब से आंध्र प्रदेश सबसे अधिक प्रभावित, तीन लोगों की मौत, ओडिशा में एक लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया

अमरावती/भुवनेश्वर, एजेंसी।
चक्रवात अर्नब से आंध्र प्रदेश सबसे अधिक प्रभावित हुआ है और राज्य में तीन लोगों की मौत हो गई तथा 31 मकान क्षतिग्रस्त हो गए. एनडीआरएफ के महानिरीक्षक (आईजी) नरेन्द्र सिंह बुंदेला ने बताया कि केंद्र सरकार के साथ-साथ आंध्र प्रदेश और ओडिशा की आपदा राहत एवं बचाव टीमें बारिश से उत्पन्न होने वाली स्थिति से निपटने की तैयारी कर रही हैं. दोनों राज्यों और आसपास के इलाकों में बारिश जारी रहने की संभावना है.



उन्होंने बताया कि चक्रवात पुदुचेरी के यनम के पास तट को पार कर गया है और कमजोर होकर अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान से भीषण चक्रवाती तूफान में बदल गया है. इसके धीरे-धीरे और कमजोर होकर पहले चक्रवाती तूफान और फिर शाम तक गहरे दबाव के क्षेत्र में बदलने का अनुमान है. बुंदेला ने कहा, ₹चक्रवात अर्नब से आंध्र प्रदेश का उत्तरी हिस्सा और ओडिशा का दक्षिणी हिस्सा सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। दोनों राज्यों के कुछ जिलों में तेज हवाएं चल रही हैं और बारिश हो रही है. उन्होंने कहा, आंध्र प्रदेश सबसे अधिक प्रभावित हुआ है. हमें जानकारी मिली है कि वहां पेड़ उखड़ गए हैं, विभिन्न प्रकार के 31 मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और तीन लोगों की मौत हो गई है. बुंदेला ने कहा, प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, ओडिशा में चक्रवात का कोई गंभीर असर नहीं पड़ा है.

आंध्र प्रदेश में चक्रवाती तूफान अर्नब का असर दिखाई दे रहा है. ये बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया. समुद्र में उंची लहरें देखी जा रही है. तटीय इलाकों में समुद्र का पानी पहुंचने और भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं. मौसम विभाग की ओर से रेड अलर्ट जारी किया गया है. राज्य सरकार किसी भी आपदा से निपटने के लिए अलर्ट है. एनडीआरएफ के इंस्पेक्टर जनरल नरेंद्र सिंह बुंदेला ने बुधवार को नई दिल्ली में कहा कि साइक्लोनिक तूफान पुदुचेरी के एक इलाके यनम में पहुंचा, जिससे पड़ोसी आंध्र प्रदेश बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जहां 764 गांव प्रभावित हुए हैं और लगभग 57,000 लोगों को एहतियात के तौर पर राहत कैंपों में पहुंचाया गया है. मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान अर्नब के आंध्र प्रदेश तट पर पहुंचने की प्रक्रिया बुधवार को जारी है और तूफान का केंद्र समुद्र तट के बहुत करीब बना हुआ है. इसमें कहा गया है कि चक्रवात के साथ आए घने बादल तटीय इलाकों में प्रवेश कर गया है. ये प्रक्रिया अगले तीन घंटों तक जारी रहने की उम्मीद है. मौसम विभाग ने एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान अर्नब का केंद्र आंध्र प्रदेश के समुद्र तट के बहुत करीब है और इसके पहुंचने की प्रक्रिया जारी है. मौसम विभाग ने कहा कि यह सिस्टम उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ता रहेगा और अगले तीन घंटों में एक बहुत गंभीर साइक्लोनिक तूफान के रूप में बापटला और विशाखापत्तनम के बीच आंध्र प्रदेश और यनम तटों को पार करेगा, जो यनम के दक्षिण में है.

अंबानी परिवार ने सिद्धिविनायक गणपति मंदिर में दर्शन किये



मुंबई, एजेंसी।
रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने आज बुधवार को सपरिवार मुंबई स्थित श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर में दर्शन किये. मंदिर पहुंचने पर मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन सदानंद सरवणकर ने अंबानी परिवार का स्वागत किया. सदानंद जी ने उन्हें श्री गणपति की प्रतिमा भेंट की. इस अवसर पर ट्रस्ट से जुड़े महेश मुदलियार और मंदिर की एग्जीक्यूटिव ऑफिसर राखी चव्हाण भी उपस्थित थे. बता दें कि जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में ऐतिहासिक लिस्टिंग के दिन अंबानी परिवार सिद्धिविनायक मंदिर में भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया. आज बुधवार को जियो प्लेटफॉर्म्स का शेयर बाजार में शानदार स्वागत हुआ. कंपनी के शेयर Rs1,119 के IPO इश्यू प्राइस के मुकाबले Rs11,358 पर सूचीबद्ध हुए. यह लगभग 21.3 प्रतिशत का प्रीमियम है. अर्थ जगत के जानकारों ने इस लिस्टिंग को भारतीय शेयर बाजार के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि करार दिया है.

पैरोल उल्लंघनः आसाराम पर जोधपुर में दर्ज हुआ मामला

जोधपुर, एजेंसी। नाबालिग से बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम के खिलाफ जोधपुर पुलिस ने मेडिकल पैरोल खत्म होने के बाद तय समय पर जेल न लौटने के आरोप में मामला दर्ज किया है। आसाराम कोइ 20 दिनों की मेडिकल पैरोल मिली थी, जिसकी अवधि समाप्त होने के बावजूद उन्होंने समय-सीमा के भीतर सेंट्रल जेल में आत्मसमर्पण नहीं किया। पुलिस के अनुसार, आसाराम को 27 अक्टूबर को शाम 5 बजे तक जोधपुर सेंट्रल जेल में वापस आना था। हालांकि, वह तय समय से कई घंटे बाद, रात 10ः40 बजे इंदौर से एयर एम्बुलेंस के द्वारा जोधपुर पहुंचे। यह कार्रवाई जेल गार्ड बनवारीलाल की शिकायत पर 27 अक्टूबर को प्रिजन्स एक्ट (जेल अधिनियम) की धारा 58बी के तहत की गई है। मामले की जांच असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर भवानी सिंह को सौंपी गई है। आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट ने 6 अक्टूबर को 20 दिनों की मेडिकल पैरोल दी थी, जिसकी अवधि 26 अक्टूबर को समाप्त हुई थी। उनकी कानूनी टीम ने पैरोल बढ़ाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए उन्हें तय समय-सीमा के भीतर जोधपुर सेंट्रल जेल वापस जाने का निर्देश दिया था। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य कारणों से आसाराम उज्जैन के एक अस्पताल में इलाज करा रहे थे, जिसके बाद उन्हें एयर एम्बुलेंस से जोधपुर लाया गया। देर रात जेल पहुंचने के कारण जेल प्रशासन ने उन्हें तुरंत अंदर नहीं लिया और उन्हें भगत की कोठी इलाके के एक अस्पताल भेज दिया गया। बुधवार को उन्हें वापस जेल लाए जाने की उम्मीद है। आसाराम को अगस्त 2013 में जोधपुर स्थित उनके आश्रम में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार के मामले में गिरफ्तार किया गया था। 25 अप्रैल 2018 को जोधपुर की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने उन्हें दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव : बीजेपी ने 5 सीटें जीतीं, सपा ने 3 पर मारी बाजी, पीएम मोदी के गढ़ वाराणसी में बीजेपी को झटका

लखनऊ, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव के नतीजों में भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला है. 11 सीटों वाले इस चुनाव में अब तक 8 सीटों के नतीजे सामने आए हैं. भाजपा ने 5 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि सपा को 3 सीटें मिली हैं. बाकी 3 सीटों पर मतगणना जारी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भाजपा को शिक्षक सीट पर हार का सामना करना पड़ा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में समाजवादी पार्टी ने शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की सीट जीत ली है. सपा के लाल बिहारी यादव को 10,958 वोट मिले, जबकि भाजपा के प्रमोद कुमार मिश्रा 6,060 वोट पाकर दूसरे स्थान पर रहे. हालांकि, दी गई जानकारी के अनुसार इस सीट पर आधिकारिक घोषणा होना बाकी था. वाराणसी स्नातक सीट पर भी भाजपा पीछे चल रही है और सपा बढ़त बनाए हुए है.



इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक एमएलसी चुनाव 2026 के नतीजे घोषित हो गए हैं. समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रत्याशी डॉ. मान सिंह यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार अशोक कुमार राठौर को 27,663 वोटों के अंतर से हराकर जीत दर्ज की है. मेरठ में भाजपा ने शिक्षक और स्नातक, दोनों सीटों पर जीत दर्ज की है. शिक्षक सीट पर भाजपा के श्रीचंद शर्मा विजयी हुए, जबकि स्नातक सीट पर दिनेश गोयल ने जीत हासिल की. दोनों सीटों पर पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया. मेरठ की दोनों सीटें जीतने से भाजपा को चुनाव में मजबूती मिली है. इन नतीजों के साथ भाजपा ने शिक्षक और स्नातक, दोनों वर्गों में अपनी पकड़ बनाए रखने का संकेत दिया है. बरेली-मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के डॉ हरि सिंह ढिल्लो ने जीत हासिल की है.

उन्हें कुल 21,672 वोट मिले, जबकि सपा प्रत्याशी हाजी दानिश अख्तर को 3,996 वोट ही मिल सके. इस तरह ढिल्लो ने 17,676 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की. पांच दौर की मतगणना के बाद नतीजा साफ हुआ. शुरूआती दौर से ही भाजपा प्रत्याशी आगे चल रहे थे और अंत तक उन्होंने अपनी बढ़त बनाए रखी. लखनऊ खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी उमेश द्विवेदी ने लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की है. उन्हें पहली वरीयता के 12,508 वोट मिले. उन्होंने सपा प्रत्याशी सुशील कुमार को छह हजार से अधिक वोटों के अंतर से हराया. जीत की घोषणा से पहले सपा प्रत्याशी के समर्थकों ने मतगणना में गड़बड़ी का आरोप लगाकर हंगामा किया.

इसके कारण नतीजे की आधिकारिक घोषणा में देरी हुई. आगरा में भाजपा और सपा दोनों को जीत मिली है. स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के मानवेंद्र ने दोबारा जीत दर्ज की. उन्होंने सपा प्रत्याशी शशांक यादव को हराया. वहीं, शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में सपा के आकाश अग्रवाल विजयी हुए. उपलब्ध मतगणना के आंकड़ों के अनुसार, आकाश अग्रवाल को 14,046 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी हरी किशोर तिवारी को 9,783 वोट मिले.

स्पेन में दो हाई-स्पीड ट्रेनों की टक्कर, 39 लोगों की मौत; रेल लाइन बंद

स्पेन, एजेंसी।
स्पेन में दो हाई-स्पीड ट्रेनों की टक्कर के बाद बड़ा रेल हादसा सामने आया है। स्पेनिश मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, दुर्घटना में 39 लोगों की मौत की खबर है, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। हादसे के बाद राजधानी मैड्रिड को दक्षिणी अंडालूसिया क्षेत्र से जोड़ने वाली रेल लाइन बंद कर दी गई। मौके पर आपातकालीन सेवाओं की टीमें पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गईं। रेल ऑपरेटर के मुताबिक, दोनों ट्रेनों के बीच पीछे से टक्कर हुई। हादसा स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 9 बजे हुआ। स्पेनिश अखबार एल पाइस की रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना में कई लोग घायल हुए हैं और घायलों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए आपातकालीन मेडिकल टीमें मौके पर पहुंचीं।बताया गया कि एक ट्रेन सुबह करीब 8 बजे मैड्रिड से सेविल



के लिए रवाना हुई थी। इसी दौरान दूसरी ट्रेन विपरीत दिशा से आ रही थी। हालांकि, टक्कर की परिस्थितियों और दुर्घटना के सटीक कारणों को लेकर आधिकारिक जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

स्पेन के रेल नेटवर्क का संचालन करने वाली कंपनी एडिफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हादसे की जानकारी दी। दुर्घटना के बाद प्रभावित रेल मार्ग पर सेवाएं रोक दी गईं। इससे मैड्रिड और दक्षिणी स्पेन के बीच रेल यातायात प्रभावित हुआ। हादसे के बाद स्थानीय प्रशासन और बचाव दल ने घायलों की देखभाल के लिए इंतजाम शुरू किए। टोलेडो के पास उर्दा शहर के मेयर मैनुअल गालान ने बताया कि बचाव दल ने उनसे घायलों के इलाज और देखभाल के लिए एक स्पोर्ट्स हॉल तैयार रखने को कहा है। आपातकालीन सेवाओं ने घटनास्थल पर राहत कार्य शुरू किया। घायलों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ प्रभावित यात्रियों की मदद के लिए भी व्यवस्था की गई। इस दुर्घटना के बाद स्पेन में बड़े रेल हादसों को लेकर चिंता बढ़ गई है। हालांकि, इससे पहले हुई दुर्घटनाओं की तारीख, मृतकों की संख्या और घटनाओं के आपसी संबंध की आधिकारिक पुष्टि जरूरी है। हादसे के कारणों और जिम्मेदारी का निर्धारण जांच पूरी होने के बाद ही किया जा सकेगा।

हरदीप सिंह पुरी लड़ेंगे मध्य प्रदेश राज्यसभा का चुनाव, बीजेपी ने किया नाम का ऐलान

भोपाल, एजेंसी।
मध्य प्रदेश की खाली हुई राज्यसभा सीट के लिए होने जा रहे उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को अपना उम्मीदवार बनाया है. पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ एल मुरुगन के इस्तीफे के बाद से ये सीट खाली थी. बीते दिनों मध्य प्रदेश में हुई कोर कमेटी की बैठक के बाद से ये माना जा रहा था कि इस सीट पर बीजेपी अपने केन्द्रीय स्तर के किसी नेता को ही उतारेगी.

भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय से जारी पत्र में कहा गया है कि मध्य प्रदश में होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व ने हरदीप सिंह पुरी के नाम पर अपनी स्वीकृति दी है. मध्य प्रदेश के कोटे से ही सांसद पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय प्रभारी तरुण चुघ के दस्तखत से ये पत्र जारी किया गया है. केन्द्रीय मंत्री डॉ एल मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई इस सीट पर नामांकन दाखिल 2 नवंबर तक होगा. 3 नवंबर तक नॉमिनेशन फार्म की जांच होगी. वहीं नाम वापसी की तारीख 5 नवंबर है और 12 नवंबर को वोटिंग और काउंटिग कर ली जाएगी. 16 नवंबर तक ये चुनाव सम्पन्न कर लिये जाएंगे. 2014 में राजनीति का रुख करने से पहले हरदीप सिंह पुरी भारतीय विदेश सेवा में रहे. वे संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रतिनिधि रहे. 15 फरवरी 1952 को नई दिल्ली में जन्मे पुरी ने सेंट स्टीफन कॉलेज दिल्ली में इतिहास भी पढ़ाया है.

दिल्ली में छठ पर रहेगी सरकारी छुट्टी : सीएम रेखा गुप्ता ने 1400 से ज्यादा घाट पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम के दिए निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में छठ महापर्व को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। ऐसे में सीएम रेखा गुप्ता सरकार ने राजधानी में छठ पूजा के लिए 1,400 से ज्यादा घाट तैयार करने की योजना बनाई है। ऐसा कहा जा रहा है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं को देखते हुए प्रमुख घाटों पर उऊळश कैमरों से निगरानी की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा भीड़भाड़ वाले घाटों के आसपास दमकल की गाड़ियां भी तैनात की जाएंगी। वहीं महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था करने की भी योजना बनाई गई है। बता दें कि इस साल छठ पूजा 13 से 16 नवंबर तक मनाई जाएगी। दिल्ली सरकार ने 16 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 6 नवंबर तक घाटों पर बुनियादी तैयारियां पूरी कर ली जाएं। इसके साथ ही पर्व शुरू होने से कम से कम 2 दिन पहले सभी प्रमुख व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान में छठ पूजा के लिए राजधानी में 1400 से ज्यादा घाट तैयार करने की योजना बनाई गई है।



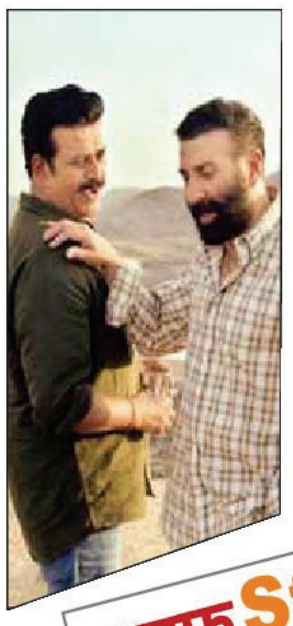
सीएम रेखा गुप्ता ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट समयसीमा के भीतर काम पूरा करने का निर्देश दिया है। निर्देश में कहा गया है कि 6 नवंबर तक घाटों पर बुनियादी सुविधाओं से जुड़े काम पूरे कर लिए जाने चाहिए। श्रद्धालुओं के लिए सभी सुविधाओं का इंतजाम निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरे किए जाएंगे। ऐसा भी कहा जा रहा है कि इस साल दिल्ली सरकार भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के समन्वय से छठ पूजा के मौके पर विदेशी राजदूतों और उच्चायुक्तों को भी आमंत्रित करेगी। इसके माध्यम से उन्हें छठ महापर्व की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं को जानने का मौका मिलेगा। CMO की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि प्रमुख मॉडल घाटों पर LED स्क्रीन लगाई जाएंगी। इन पर छठ महापर्व से जुड़े सामग्री प्रदर्शित करने के साथ दिल्ली सरकार की अलग-अलग कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। इस सुविधा से श्रद्धालुओं को पर्व से जुड़ी जानकारियों के साथ सरकारी योजनाओं के बारे में भी पता लग सकेगा। छठ महापर्व के दौरान बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश जाने वाले यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था की जाएगी। सीएम रेखा गुप्ता ने बसों में सफर करने वाले यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखने का भी निर्देश दिया है। इसके तहत अंतरराज्यीय बस टर्मिनलों (आईएसबीटी) पर जरूरी सूचनाएं, बैनर और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था की जाएगी।

घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए क्या सुविधाएं होंगी ?

- छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बड़े और मध्यम आकार के घाटों पर ढके हुए तंबू लगाए जाएंगे।
- घाटों पर स्वागत द्वार बनाए जाएंगे और प्रमुख मॉडल घाटों पर एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी।
- घाटों पर आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए दमकल विभाग भी मौजूद रहेगा।
- घाटों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होगी।
- महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था की जाएगी।
- शौचालय और पर्याप्त रोशनी की सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है।
- कूड़ा इकट्ठा करने के लिए पर्याप्त संख्या में कूड़ेदान रखे जाएंगे।
- छठ घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों को भी दुरुस्त किया जाएगा।

महाराष्ट्र में सूखे की मार, सहकारी संस्थाओं के चुनाव स्थगित

मुंबई, एजेंसी । महाराष्ट्र सरकार ने खरीफ 2026 सीजन में व्यापक सूखे की स्थिति को देखकर राज्य की 304 सूखा प्रभावित तहसीलों में सभी पात्र सहकारी समितियों के चुनाव तत्काल प्रभाव से स्थगित किए हैं। यह फैसला एक सरकारी प्रस्ताव (जीआर) के माध्यम से घोषित किया गया। महायुति सरकार ने सूखा प्रबंधन संहिता 2016 के तहत मूल्यांकन और कृषि आयुक्त की रिपोर्ट के आधार पर पहले 265 तहसीलों में सूखे की स्थिति की पहचान की थी, जो अब बढ़कर राज्य भर में 304 तहसीलों तक पहुंच गई है। महायुति सरकार ने बताया कि गंभीर सूखे की स्थिति के कारण राजस्व, कृषि और ग्रामीण विकास सहित विभिन्न सरकारी विभाग बड़े पैमाने पर राहत कार्यों में व्यस्त हैं। चुनाव प्रक्रिया जारी रखने से महत्वपूर्ण प्रशासनिक कर्मचारी और अधिकारी आवश्यक सूखा राहत प्रयासों से हट जाते, जिससे प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में बाधा आती। साथ ही, चुनाव में भाग लेने से सूखाग्रस्त इलाकों में रहने वाले किसानों और सदस्यों को भी काफी असुविधा का सामना करना पड़ता। हालांकि, इस स्थगन से कुछ श्रेणियों को छूट दी गई है। इनमें सहकारी हाउसिंग सोसायटी, वे समितियाँ जहाँ उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय ने विशेष रूप से चुनाव कराने का आदेश दिया है, और वे समितियाँ शामिल हैं जहाँ सरकारी प्रस्ताव की तारीख से पहले ही चुनाव प्रक्रिया का नामांकन चरण शुरू हो चुका था। उदाहरण के तौर पर, राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंकों (डीसीसीबी) के चुनाव भी प्रभावित हुए हैं। अहिल्यानगर डीसीसीबी में 21 में से 11 सीटें पहले ही निर्विरोध चुनी जा चुकी थीं, जबकि शेष 10 सीटों के चुनाव अब छह महीने के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। इसी तरह, सतारा डीसीसीबी में भी 21 में से नौ सीटें निर्विरोध चुनी गईं थीं और अब 12 सीटों के चुनाव टाल दिए गए हैं। राज्य सरकार ने पहले ही 25 सितंबर और 14 अक्टूबर के सरकारी प्रस्तावों के तहत 304 प्रभावित तहसीलों के लिए व्यापक राहत पैकेज लागू किए हैं। इन उपायों में फसल ऋण पुनर्गठन, कृषि ऋण वसूली का निलंबन, कृषि पंपों के मौजूदा बिजली बिलों में छूट, टैंकरों के माध्यम से पेयजल की व्यवस्था, पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता और रोजगार गारंटी योजना के तहत रोजगार का विस्तार शामिल है।



90 के दशक की यादें ताजा कर रहा सूर्या का 'सुनियो जरा'

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की आगामी फिल्म 'सूर्याः अंत से आरंभ तक' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ रही है। फिल्म के मेकर्स ने मंगलवार सुबह इसका नया गाना 'सुनियो जरा' रिलीज कर दिया है। इस गाने की खास बात यह है कि इसे हिंदी संगीत जगत के दिग्गज गायक उदित नारायण और कुमार सानू ने अपनी आवाज दी है। उनके साथ अनुपम अमोद भी इस म्यूजिकल कोलैबोरेशन का हिस्सा हैं। दोस्ती और पुराने रिश्तों की गर्माहट को समर्पित यह गाना सुनने वालों को भावुक करने के साथ-साथ 90 के दशक की पुरानी यादों में ले जाने की कोशिश करता है। यह फिल्म 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

लाइफ Style

सैयामी

इंटरनेशनल फिल्म में निभाएंगी किरदार

सुपरस्टार अक्षय कुमार की फिल्म हैवान को बीते महीने सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म फ्लॉप रही, लेकिन उसमें नजर आने वालीं अभिनेत्री सैयामी खेर ने अपनी अदाकारी से सबका दिल जीता था।

अब खबर आ रही है कि सैयामी आने वाले समय में विदेशी सिनेमा में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरती हुईं नजर आएंगी। कलाकार को कुछ न कुछ नया करते रहना चाहिए। इसी दिशा में अभिनेत्री सैयामी खेर अपने कॅरियर में एक नया अध्याय जोड़ने जा रही हैं। वह निर्देशक मैक्सिम कुजनेत्सोव की आगामी इंडो-रूसी ड्रामा फिल्म से अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में कदम रखेंगी। इस फिल्म में भारत और रूस के कलाकार व क्रिएटिव टीम के सदस्य साथ काम कर रहे हैं। फिल्म की कहानी ड्रामा पर आधारित है, जो सिनेमा के जरिए दो अलग-अलग संस्कृतियों को जोड़ने का प्रयास करेगी।

भारत और रूस में शूट हुई इस फिल्म के दौरान सैयामी को एक नए सिनेमाई माहौल में काम करने का अवसर मिला। विदेशी क्रू के साथ काम करने का उनका पहला अनुभव था। सैयामी कहती हैं- उनके साथ काम करना शानदार अनुभव था। रूस में शूटिंग हुई है, जहां मैं पहली बार गई थी। मास्को बेहद खूबसूरत शहर है। वहां काम करने का माहौल मेरे अब तक के अनुभवों से काफी अलग था। उम्मीद है कि यह मेरे लिए ऐसे कई और अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट का पहला कदम साबित होगा।

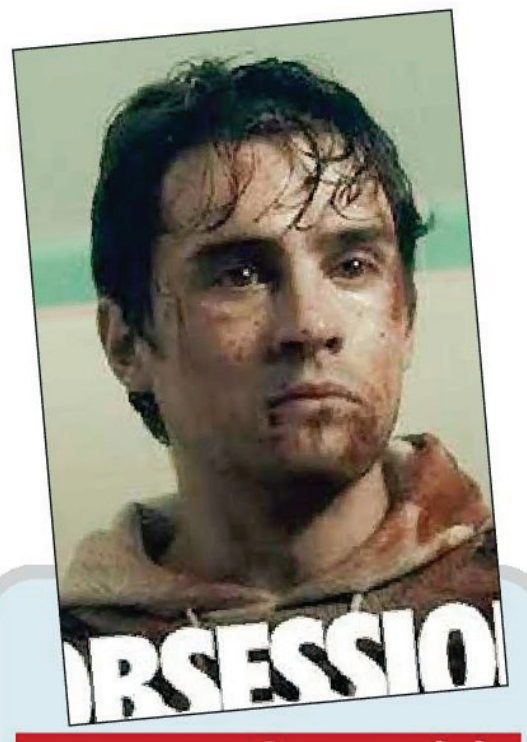


हॉलीवुड मसाला



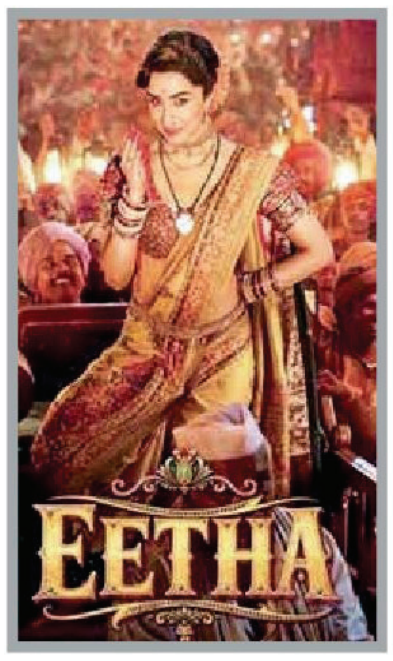
नहीं मिल रहीं गॉडजिला को स्क्रीनिंग

नई दिल्ली। रणबीर कपूर की सुपरहिट फिल्म रामायण पार्ट 1 की वजह से हॉलीवुड की सबसे सफल फ्रेंचाइजी वाली फिल्म गॉडजिला को भारत में रिलीज करने का इरादा मेकर्स को टालना पड़ा है। 6 नवंबर को वर्ल्डवाइड रिलीज होने जा रही गॉडजिलाः माइनस जीरो' की रिलीज डेट को मेकर्स आगे खिसकाने की प्लानिंग कर रहे हैं। रणबीर कपूर की माइथोलॉजिकल फिल्म रामायणम पार्ट 1 दीपावली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। ठीक उसी समय पर गॉडजिलाः माइनस जीरो भी आ रही है।



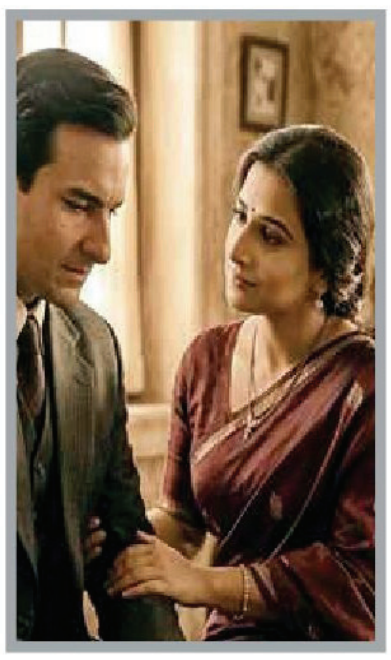
वरुण व कृति डब करेंगे ऑब्सेशन का हिंदी वर्जन

नई दिल्ली। अभिनेता वरुण धवन और कृति सेन हॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर हॉरर फिल्म 'ऑब्सेशन' के हिंदी वर्जन से जुड़े हैं। दोनों सितारे इसके हिंदी वर्जन में मुख्य किरदारों को अपनी आवाज देंगे। यह फिल्म बेयर नाम के एक म्यूजिक स्टोर वर्कर की कहानी है, जिसे अपनी कलीग निक्की से प्यार हो जाता है। उसकी जिंदगी में एक बुरा मोड़ तब आता है, जब वह 'वन विश विलो' नाम के एक अजीब खिलौने का इस्तेमाल करके उसे अपने प्यार में डाल देता है। हालांकि, उसकी इस इच्छा से कुछ अनचाही और डरावनी घटनाएं होती हैं, क्योंकि निक्की उसके लिए और ज्यादा ऑब्सेस्ड हो जाती है। कृति सेनन ने कहा कि उन्हें कहानी पसंद आई और उन्हें यह रोल काफी उत्साहित करने वाला लगा, साथ ही चैलेंजिंग भी।



30 को आएगा श्रद्धा की ईठा का ट्रेलर...

नई दिल्ली। श्रद्धा कपूर और रणदीप हुड्डा की अपकमिंग फिल्म 'ईठा' का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। इससे पहले मेकर्स ने इस फिल्म के ट्रेलर के रिलीज डेट को लेकर जानकारी दी है। हाल ही में जारी हुए फिल्म के टीजर में श्रद्धा कपूर का शानदार लुक देखने को मिला था। अभिनेत्री अपने डांस से दर्शकों को अपना दीवाना बनाने वाली हैं। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो क्लिप शेयर की है। इसमें देखा जा सकता है कि गांव का माहौल है। बहुत से लोग रात के वक्त जमा हुए हैं। इन लोगों के बीच में एक महिला खड़ी है। उसके आस-पास सभी लोग जोर-जोर से ईठा-ईठा के नारे लगा रहे हैं। वीडियो क्लिप के बैकग्राउंड का संगीत अच्छा समा बांध रहा है। श्रद्धा कपूर ने वीडियो क्लिप शेयर करते हुए लिखा, 'बिखरेगा जलवा इस शुक्रवार।



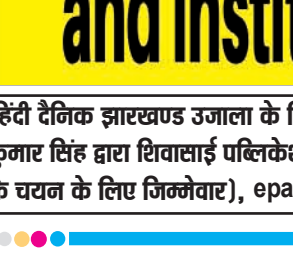
'लॉन्ग...' में साथ नजर आएंगे सैफ-विद्या

मुंबई। अभिनेता सैफ अली खान और विद्या बालन जल्द ही एक नई फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। 'द लंचबॉक्स' जैसी चर्चित फिल्म बना चुके डायरेक्टर रितेश बत्रा अपनी अगली फिल्म 'लॉन्ग इयर्स अगो' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म को जियो स्टूडियोज का साथ मिला है, जिसकी कमान ज्योति देशपांडे संभाल रही हैं। ज्योति इससे पहले फिल्म 'धुरंधर' के प्रोडक्शन से भी जुड़ी रही हैं। इस फिल्म में सैफ और विद्या के साथ फ्रेंच एक्ट्रेस मेलानी लॉरेंट भी अहम भूमिका निभाएंगी। यह एक फैमिली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म होगी, जिसकी कहानी साल 1991 में सेट की गई है। फिल्म की ज्यादातर शूटिंग मुंबई में की जाएगी। बता दें कि अभिनेता सैफ अली खान और अभिनेत्री विद्या बालन इससे पहले साल 2005 में आई फिल्म 'परिणीता' और 'एकलव्यः द रॉयल गार्ड' में साथ काम कर चुके हैं।

टीवी मसाला

बिग बॉस से बाहर होते ही मैरी कॉम ने खोली सबकी पोल!

नई दिल्ली। कलर्स टीवी के बहुचर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' के 'वीकेंड का वार' में भारत की स्टार बॉक्सर मैरी कॉम का सफर खत्म हो गया। घर से एविक्ट होने के बाद मैरी कॉम ने एक बातचीत में बिग बॉस के घर के अंदर बीते दिनों, कंटेस्टेंट्स के असली चेहरों और खुद पर उठे सवालों पर बेबाकी से जवाब दिए हैं। माही को मैरी कॉम ने घर का सबसे बड़ा दिमाग और मास्टरमाइंड बताया। काजी को मैरी कॉम ने इस टैग के लिए चुना और कहा कि माही और काजी का कनेक्शन काफी गहरा है। मैरी कॉम ने बिना सोचे अरिश्फा का नाम लिया और कहा कि वह कैमरा और फुटेज के लिए सबसे ज्यादा नाटक करती है। मैरी कॉम ने आसिफ खान को घर का सबसे 'दोगला' सदस्य बताया। मैरी कॉम के मुताबिक घर में गुल्लू की दोस्ती सबसे सच्ची लगती है।



बहन की मौत का रहस्य सुलझा रहीं शनाया

मुंबई। बड़े पर्दे के बाद अब 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' की दुनिया ओटीटी पर आ गई है। करण जौहर ने अपनी इस फिल्म को वेब सीरीज के तौर पर बनाया है, जिसका नाम 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर डार्क' रखा गया है। जियो हॉटस्टार की इस सीरीज में शनाया कपूर लीड रोल में नजर आ रही हैं और मंगलवार को इस सीरीज का पहला ट्रेलर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर डार्क' में शनाया कपूर अपनी बहन (आयशा मलिक) की रहस्यमयी मौत का राज पता करने की कोशिशों में लगी हैं। 1 मिनट 50 सेकेंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि शनाया बहन की मौत की वजह से जानने के लिए हर हाद पार करने को तैयार है। इसमें शनाया की मां का किरदार शीबा चड्ढा ने निभाया है। शनाया ने सीरीज में डबल रोल निभाया है। यानी सीरीज में वो जुड़वा बहनों के किरदार में दिखाई देंगी। ट्रेलर की शुरुआत में दिखाया जाता है कि शनाया कपूर की बहन आयशा मलिक की लाश बर्फ से एक जमें बाराखली झील से मिलती है। मौत हादसा थी या हत्या? इसका पता करने के लिए शनाया खुद ही सेंट टेरेसा हेरिटेज स्कूल पहुंच जाती हैं। वहां उनकी मुलाकात अलग अलग किरदारों से होती है। एक बेस्ट फ्रेंड जो आयशा से जलती थी. वो खुद को आयशा की बहन जैसा मानती है, लेकिन हादसे वाली रात उसे अकेला छोड़ दिया था। फिर शनाया की मुलाकाज आयशा के रिजेक्टेड लवर से होती है, जो खुद को उसका बेस्ट फ्रेंड बताता है। फिर रूम मेट से मिलती हैं जो साइको है और आयशा से नफरत करती थी. और एक बॉयफ्रेंड, जो कुछ ज्यादा ही परफेक्ट है।



साइकोलॉजिकल थ्रिलर गोंधल का धांसू ट्रेलर रिलीज मन में छिपे सच को लेकर छोड़ती है कई सवाल

नई दिल्ली। संतोष दावखर की फिल्म 'गोंधल' 13 नवंबर को सात भाषाओं- हिंदी, मराठी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और अंग्रेजी में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। यह एक ऐतिहासिक कदम है, क्योंकि पहली बार किसी मराठी फिल्म को वर्ल्डवाइड लेवल पर सात भाषाओं में दोबारा रिलीज किया जा रहा है। फिल्म भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, दुबई और अफ्रीका सहित कई क्षेत्रों में रिलीज होगी। 99वें अकादमी पुरस्कारों के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री संतोष दावखर की फिल्म 'गोंधल' का ग्लोबल ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर की एक प्रभावशाली झलक पेश करता है। भव्य सीन, सांस्कृतिक परिवेश और रहस्य की परतों में बुनी कहानी फिल्म की उस बेचैन कर देने वाली दुनिया की ओर संकेत करती है, जिसने इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर चर् छेड़ दी है।



क्या है गोंधल की कहानी?

महाराष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत की पृष्ठभूमि पर आधारित 'गोंधल' सुमन नाम की लड़की की कहानी है जो नवविवाहिता है और अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुश नहीं है। सुमन के घर में पारिवारिक परंपरा के अनुसार देवी की आराधना का पारंपरिक लोक अनुष्ठान गोंधल चल रहा होता है और फिर कहानी में मोड़ तब आता है जब गोंधली कलाकार से सुमन की नजदीकियां बढ़ने लगती है। वह अपनी बोरिंग शादीशुदा जिंदगी से बाहर निकलना चाहती है। एक रात में चल रही इस कहानी में लालच, धोखा, हेरफेर, रिश्तों की कड़वाहट का ऐसा जाल बनता है कि एक तरफ भक्ति चल रही होती है और एक तरफ अन्य किरदार अपनी दबी हुई इच्छाओं, डर, वासना और स्वार्थ से जूझते हैं। ट्रेलर अपने रहस्यमय सीन्स और ऐसे रिश्ते की झलकियों के जरिए उत्सुकता बढ़ाता है, जो निजी इच्छाओं और गहरे दायित्वों के बीच फंसा हुआ है। यह कहानी दर्शकों के मन में परत के नीचे छिपे सच को लेकर कई सवाल छोड़ जाती है।

JHARKHAND EDUCATION CENTER
T.L. No.: (RAN54082621210695)
We Offer All Courses From Board, Council and Institutions
MATRIC VOCATIONAL IIT
MANAGEMENT ENGINEERING AICTE
INTERMEDIATE UG & PG LAW
NCTE MBBS ANM & GNM
We here to help you...
House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03
+91 9431360101
info.jharkhandeducationcenter@gmail.com
www.jharkhandeducationcenter.com

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रत्नेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.